गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने वाले चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

● पंकज कुमार सिंह

बिहार सरकार क्राइम, करप्शन पर जीरो टोलरेंस की नीति पर कार्य करने के लिये बार बार अपनी प्रतिबद्धता को दुहराती है, परन्तु कमोवेश सभी विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर है। अगर देखा जाये तो पुलिस विभाग, प्रशासनिक विभाग, शिक्षा विभाग, वन विभाग, खाद्यान आपूर्ति, भू-राजस्व विभाग, मधनिषेध विभाग यहाँ तक की न्यायिक व्यवस्था पर भी सवाल खडे हैं, स्वास्थ्य विभाग की बात करें तो बिहार में स्वास्थ्य विभाग का स्वास्थ्य ठीक नहीं कहा जा सकता है। यहाँ तक की पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक आदमी के लाश का भी सौदा कर लेते हैं। कई ऐसे मामले सामने आएं हैं जिसमें गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देकर पैसे के लोभ में अपराधी को बचाने का भी कार्य करते हैं। नवादा जिले में ऐसे कई मामले सामने आएं हैं जिसमें चिकित्स्कों के द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि के प्रभाव में आकर गलत इंजुरी रिपोर्ट, जख्म प्रतिवेदन देकर केस को कमजोर करने की साजिश की गयी हैं। वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के कुटरी गावं निवासी प्रोफेसर बलराम सिँह के साथ हुए मारपीट मामले में वारिसलीगंज के चिकित्सक डॉ धनंजय कुमार के द्वारा जख्म प्रतिवेदन में गड़बड़ी की गयी थी इस मामले में

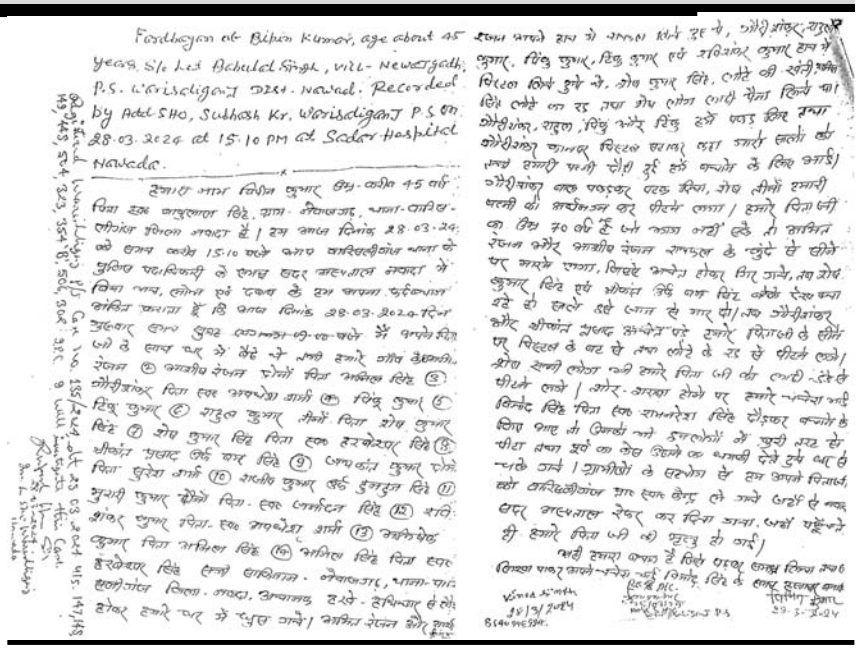

सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ संजीत कुमार कई माह जेल में रहें तथा मामले में आरोपित जिला पार्षद अंजनी सिँह को भी कई महीनों सलाखो के पीछे रहना पड़ा था। प्रोफेसर बलराम सिँह ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर न्याय की गुहार लगाते हुए कोर्ट में सभी सबूतों एवं साक्ष्य को भी प्रस्तुत किया था। न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दर्ज प्राथमिकी में संगीन धारा को जोड़ा भी था। ऐसा ही मामला वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के नवाज गढ़ गावं में लम्बे अरसे से चले आ रहें जमीनी विवाद में हुए मारपीट में मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम रिपोर्ट गलत दिया है। बाबुलाल सिँह पिता स्व० राम किसुन सिह गंभीर रूप से जख्मी हो गये थे जख्मी अवस्था में उन्हें स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया था। चिकित्सकों ने घायल बाबूलाल

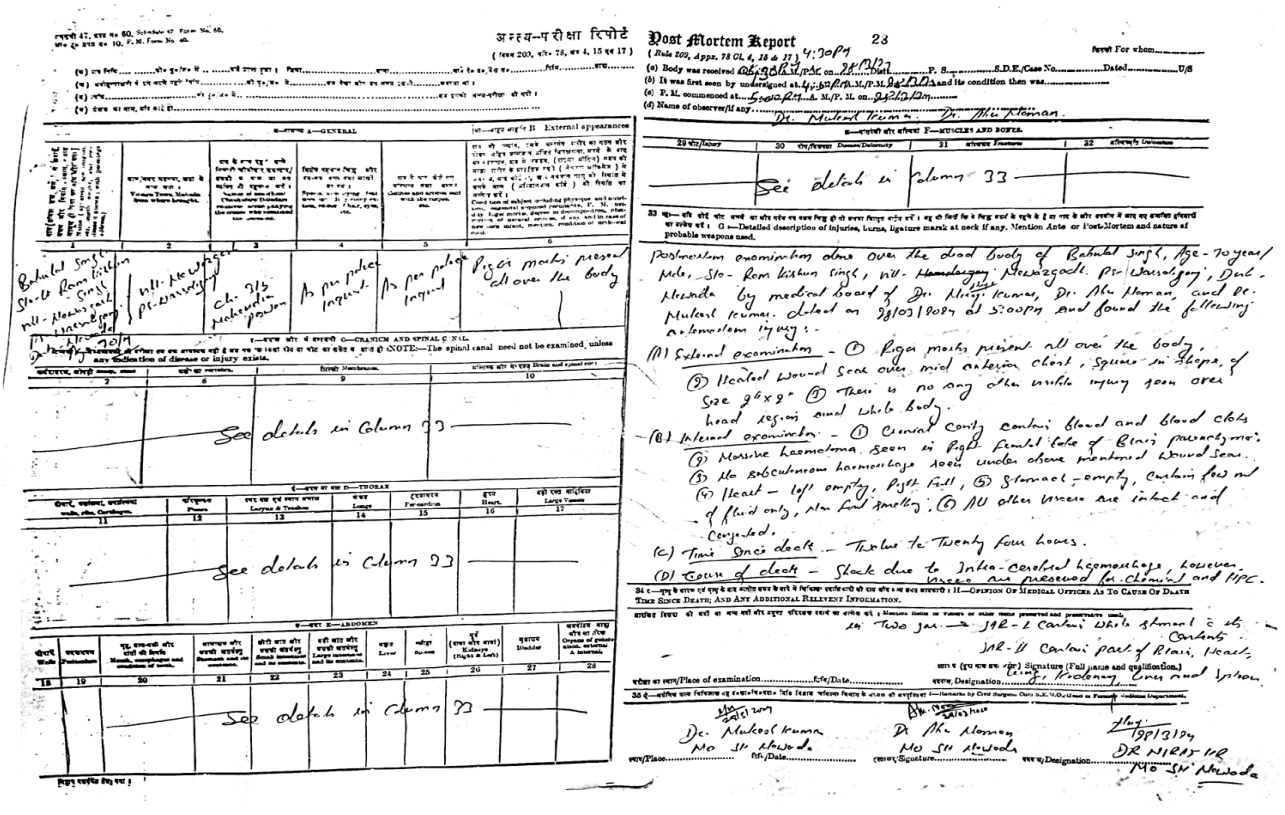

सिंह की गंभीर स्थिति को देखते हुये सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। वाबुलाल सिंह को 28.03.2024 को सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर भर्ती कराया गया था वारिसलीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से जारी किये गये मरीज की पर्ची में पंजीकरण संख्या NA-D61-BRA8522 समय 10:10 AM है। रोस्टर डियूरी में तैनात चिकित्सक के द्वारा बाबूलाल सिँह को 10:25 AM में नवादा सदर अस्पताल के लिये रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल नवादा में वाबूलाल सिंह को 11:10 AM में भर्ती कराया गया था जहां चिकित्सकों ने बाबूलाल सिंह की मौत होने की पुष्टि किया। चिकित्सक के द्वारा पर्ची में मौत होने का जो समय दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो मौत होने की संभावित समय है उसमें काफी विरोधाभाष है, सवाल है की चिकित्सक ने किसके इशारे पर ऐसा किया हैं यह जाँच का विषय है. वारिसलीगंज थाना कांड संख्या में सूचक बिपिन सिँह ने चिकित्सक पर आरोप लगाते हुए कहा की चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम जाँच रिपोर्ट को वारिसलीगंज के जनप्रतिनिधियों के प्रभाव में आकर गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट दिया है जो जाँच का बिषय है। सूचक ने मामले की जाँच को लेकर पुलिस महानिदेशक बिहार, पुलिस अधीक्षक नवादा सहित कई वरीय अधिकारीयों से न्यायिक जांच कर मामले में दोषी चिकित्सक के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। सूचक विपिन सिँह ने कहा की वारिसलीगंज थाना कांड संख्या-135/2024 दिनांक 28/03/2024 धारा 147, 148, 149, 323, 504, 506, 354 (बी), 302 भा०द०वि० के निष्पक्ष जाँच तथा दोषी अधि

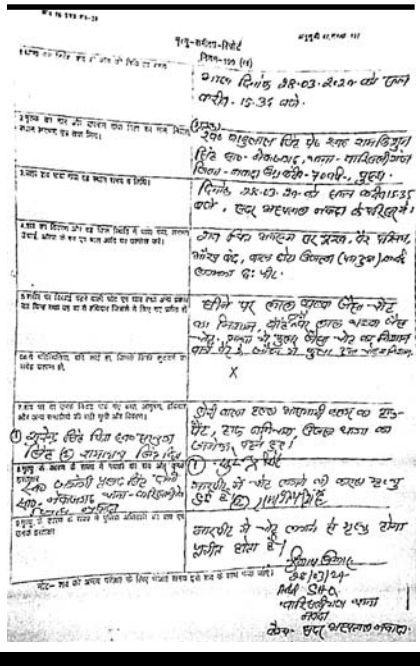

कारियों पर कानूनी कार्रवाई नहीं होने तक मेरे लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा की मैं वारिसलीगंज थाना कांड सं०-135/2024 का सूचक हूँ। उपरोक्त घटना 28/03/2024 को मेरे घर में घटी थी। इस घटना में मेरे पिताजी तथा अन्य बुरी तरह जख्मी हो गये थे। मेरे पिताजी को सर्वप्रथम PHC-Warisaliganj में सुबह 10:10 बजे ले जाया गया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।नवादा सदर अस्पताल लाते-लाते मेरे पिताजी की मृत्यु हो गई। उसके पश्चात् 15:10 बजे मेरा फर्दब्यान Additional SHO, Subhash Kumar-Warisaliganj police station के द्वारा रिकॉर्ड किया गया।पर चार पदरनतल पाते हैं वहीं पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर को शरीर पर एक भी external injury नहीं मिलता है जो कि सरासर गलत और अभियुक्तगणों को लाभ पहुँचाने के नियत से बनाया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में Time since death के कॉलम में 12-24 hours बताया गया है जबकि मेरे पिता 10:10 AM में PHC, Warisaliganj से सदर हॉस्पिटल नवादा रेफर किया गया था यानि कि 10:10 AM तक मेरे पिताजी जीवित थे और उनका पोस्टमार्टम रिपोर्ट 05: 00 PM में तैयार हुआ है। इस तरह से मेरे

क्या बाबूलाल सिंह की हत्या को सामान्य मौत करार देने की कोशिश में लगी है वारिसलीगंज पुलिस?

बीते 28 मार्च 2024 को वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के नवाजगढ़ गावं में हुए बाबूलाल सिँह की मौत को सामान्य मौत दिखा मामले को रफा दफा करने का प्रयास वारिसलीगंज पुलिस कर रही है या आरोपियों को सहयोग कर रही है? वारिसलीगंज थाना कांड संख्या 135/24 के सूचक बिपिन कुमार ने कहा की बाबूलाल सिँह की मौत गावं में अपने गोतिया के साथ चल रहें जमीनी विवाद में हुए मारपीट के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के लिये सदर अस्पताल ले जाने के बाद हो गयी थी। गावं में मारपीट की घटना की सूचना पाकर वारिसलीगंज पुलिस गावं पहुंची थी उसके बाद मृतक बाबूलाल सिँह के अर्धविक्षिप्त पुत्र रजनीश उर्फ गोंगा एवं विधि निरुद्ध 12 बर्षीय बालक को घर से उठा कर थाने ले गयी थी। साथ ही साथ घर से दो मोबाईल भी लेकर गयी थी जिसका नंबर 8579969696, 9128856095 एवं 9676699255 5, 9263130719 था। जब पुलिस को बाबूलाल सिँह के मौत की जानकारी मिली तो पुलिस ने करीब चार घंटे के बाद मृतक के विक्षिप्त पुत्र एवं बालक को हिरासत से मुक्त किया था। एवं घर से ले गए दोनों मोबाइल को वापस किया था। अब जब बाबूलाल सिँह की मौत हो गयी हैं तो पुलिस मौत को मारपीट की वजह से नहीं बल्कि सामान्य मौत दिखाकर मामले की लीपापोती करने की कोशिश में जुटी है। आखिर घटना के चार माह बाद भी अब तक एक भी आरोपित को पुलिस ने न तो गिरफ्तार किया हैं और नहीं कोई करवाई करने में दिलचस्पी दिखा रही हैं। हाँ इतना जरूर कहा जा सकता हैं की पुलिस आरोपियों को अप्रत्यक्ष रूप से मदद करने में लगी है। पुलिस मारपीट की घटना ही नहीं होने का संकेत दें रही है। सवाल यह उठता है की जब गावं में मारपीट की घटना नहीं हुई तो पुलिस गावं पहुंचकर मृतक पुत्र एवं एक अन्य बालक को क्यों लेकर गयी थी? मोबाइल को पुलिस क्यों घर से जप्त कर ले गयी थी? पकरीवरावा पुलिस उपाधीक्षक एवं वारिसलीगंज थानाध्यक्ष ने लड़ाई झगड़े में मारपीट की घटना की पुष्टि क्यों किया? आखिर वारिसलीगंज पुलिस ऐसे मामलों में आरोपितों को संरक्षण क्यों दें रही है यह बड़ा सवाल हैं। मृतक के परिजनों ने बिहार के पुलिस महानिदेशक सहित कई वरीय अधिकारीयों को घटना को लेकर न्याय करने एवं हत्या आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है। विपिन सिँह में बताया की घटना के पूर्व मेरे द्वारा जमीनी विवाद को लेकर व्यवहार न्यायालय में वाद दायर किया गया था। दूसरे पक्ष के लोगों को जब इसकी जानकारी मिली तो हमलोगों को धमकी दिया गया था, इसकी जानकारी भी पुलिस को दी गयी थी लेकिन घटना के बाद तक भी पुलिस अभी तक कोई कारवाई नहीं कर रही हैं घटना में नामजद अभियुक्त दिन रात छूट्टे घूम रहें हैं लेकिन पुलिस उसका हौसला बढ़ा रही है।पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर अलग कहानी गढ़ रही है। एक तरफ पोस्टमार्टम में भी चिकित्सक के द्वारा भी गड़बड़ी की गयी हैं दूसरे तरफ पुलिस भी आरोपितों को बचाने में लगी है। आखिर पुलिस इस मामले में शिथिल क्यों हैं, सूचक ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा की घटना में एक व्यक्ति की मौत भी हो गयी है और पुलिस हत्या को सामान्य मौत बताने एवं अभियुक्तों के पक्ष को मजबूत क्यों बना रही हैं ऐसे कई सवाल खडे हैं इस मामले में? पुलिस अगर चाहती तो दोनों पक्ष के लोगों को बैठाकर आगे कोई घटना नहीं करने एवं आपसी सुलहनामा कराने का भी प्रयास करती लेकिन जमीनी विवाद के झगड़े को पुलिस सलटाने के बजाय उलझने भी ही लगी दिखती है। देखना है की मामले में वारिसलीगंज पुलिस क्या करती है।

पिता की मृत्यु सात घण्टे के अंदर हुई थी न कि 12/24 घण्टे के बीच में। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मृत्यु का कारण Shock due to intracerebral hemorrhage बताया गया है जबकि Inquest Report में पुलिस के द्वारा स्पष्ट रुप से यह अंकित किया गया है कि मारपीट में चोट लगने से मृत्यु होना प्रतीत होता है। इन तथ्यों से यह स्पस्ट है कि पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के द्वारा गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार की गई है ताकि अभियुक्त को फायदा मिल सके। पोस्टमार्टम करने के पश्चात डॉक्टर नीरज कुमार से पुलिस अधीक्षक महोदय, नवादा के बात मोबाईल से हुई थी, जिसमें डॉक्टर नीरज कुमार ने मेरे पिता के हेड, चेस्ट, Ribs, पीठ एवं कंधो पर external injury पाये जाने की बात इसके पश्चात् मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट सदर अस्पताल में ही 15:35 बजे तैयार किया गया। मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अवलोकन से स्पष्ट है कि मृतक बाबूलाल सिंह शरीर पर चार जख्म पाये गये :-

1. सीने पर लाल धब्बा जैसा चोट का निशान।
2. दायां बाँह पर लाल धब्बा जैसा चोट का निशान।
3. माथा में फुला जैसा चोट का निशान।
4. बाँये पैर के जाँघ में फुला हुआ चोट का निशान।

मृत्यु के कारण के सम्बंध में यह मंतव्य व्यक्त किया गया है कि 'मारपीट में चोट लगने से मृत्यु होना प्रतीत होता है।' इसके पश्चात् मेरे पिताजी के शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम 5:00 PM किया गया लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों के द्वारा external examination में यह अंकित किया गया है कि

1. Healed wound seen over mid exterior chest square in shape of size 2" X 2"
2. There is no other injury seen over head region and whole body- The cause of death is shock due to

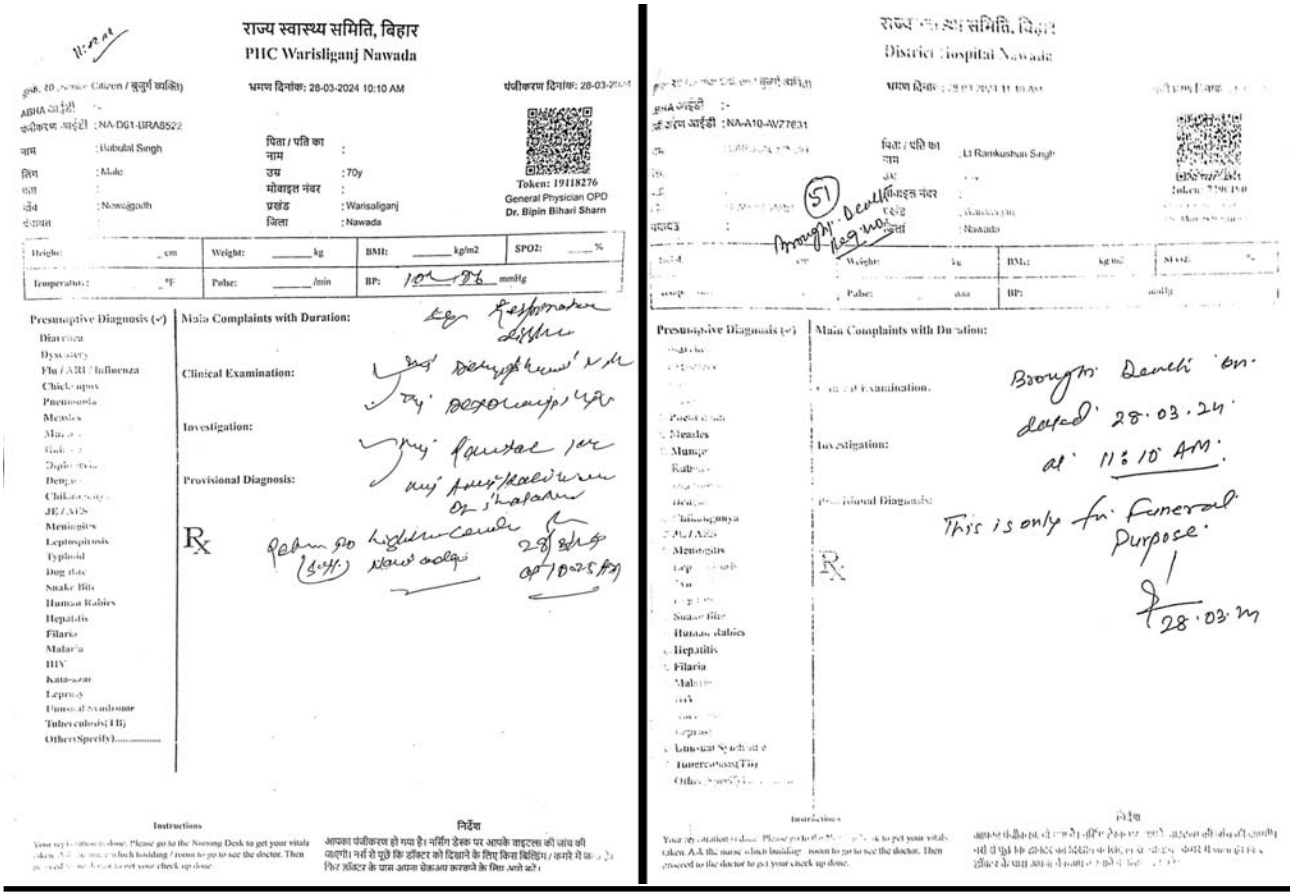

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार
PHC Warisliganj Nawada

भ्रमण दिनांक: 28-03-2024 10:10 AM
पंजीकरण दिनांक: 28-03-2024
ABHA आईडी :-
पंजीकरण आईडी : NA-D61-BRA8522
नाम : Babulal Singh
पिता / पति का नाम :
लिंग : Male
उम्र : 70y
मोबाइल नंबर :
गाँव : Nawajgadh
प्रखंड : Warisaliganj
जिला : Nawada
Token: 19118276
General Physician OPD
Dr. Bipin Bihari Sharn

Height: ___cm | Weight: ___kg | BMI: ___kg/m2 | SPO2: ___%
Temperature: ___°F | Pulse: ___/min | BP: 10/76 mmHg

Presumptive Diagnosis (✓)
Main Complaints with Duration:
Clinical Examination:
Investigation:
Provisional Diagnosis:
Rx

Instructions
निर्देश

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार
District Hospital Nawada

पंजीकरण आईडी : NA-A10-AV77631
पिता / पति का नाम : Lt Ramkushan Singh
जिला : Nawada

Presumptive Diagnosis (✓)
Main Complaints with Duration:
Clinical Examination:
Investigation:
Provisional Diagnosis:
Rx

Brought Dead on dated 28.03.24 at 11:10 AM.
This is only for Funeral Purpose.
28.03.24

Instructions
निर्देश

intracerebral hemorrhage.

यहाँ मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को देखने से ये स्पष्ट है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों के द्वारा अभियुक्तों को बचाने के नियत से गलत रिपोर्ट दिया गया है। video recording मेरे पास उपलब्ध है। इसके अलावा मेरे पास मेरे पिताजी के शव का फोटोग्राफ उपलब्ध है जिसमें ताजा जख्म स्पष्ट रुप से दिख रहा है। मामले में दर्जनों व्यक्तियों को आरोपित किया गया हैं जिसमे अमित रंजन, आशीष रंजन दोनों पिता अनिल सिंह, गौरीशंकर, अवधेश शर्मा, पिंकू कुमार-टिंकू कुमार राहुल कुमार, तीनों पिता शेष कुमार-सिंह शेष कुमार सिंह पिता एक, हरबेसर सिंह-श्रीकांत प्रसाद उर्फ बम सिँह, जयकांत कुमार दोनों-पिता सुरेश शर्मा 10 राजीव कुमार मुरारी कुमार दोनों पिता-स्व० जर्नादन सिंह-रविशंकर कुमार पिता-एक अवधेश शर्मा अभिषेक कुमार पिता अनिल सिंह आदि हैं। सूचक ने थाना प्रभारी पर भी पक्षपात करने एवं आरोपितों के प्रभाव में आकर कार्रवाई एवं गिरफ्तारी करने से परहेज कर रही है। जिसके कारण इन लोगों का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। सूचक ने एसपी से फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होने से कभी भी घटना होने एवं सूचक के परिवार को जानमाल का नुकसान पहुंचने की आशंका व्यक्त की है। देखना है हत्या जैसे गंभीर मामले में अभियुक्तों की गिरफ्तारी कब तक होगी।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

मूल अतिपिछड़ा की अस्तिव की लड़ाई 110 जाति की नीतीश कुमार से आर-पार की होगी

2024 विधान सभा मे इसक खामियाजा भुगतना होगा : डॉ0 रामवली

● **अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह**

जबसे 2015 से नीतीश कुमार से 110 जाति के अस्तिव के साथ खेलवाड़ कर 200 वर्ष मूल अतिपिछड़ा को पीछे कर दिया। सभी सरकारी नौकरी में तेली, तमोली (चौरसिया) दांगी का 80 से 90% तक कब्जा हो गया है। सरकार अगर इसे नहीं निकालती है तो सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई मूल अतिपिछड़ा 110 जाति के अस्तिव की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगें। हमे जो कुर्बानी देनी पड़ेगी देगें। अतिपिछड़ा आरक्षण बचाओ नीतीश भगाओ। आजादी के 77 साल बीत जाने के बाद भी मूल अतिपिछड़ो की राजनीतिक दशा और दिशा मे कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। सरकार कहती है जिसकी जितनी संख्या भारी उतनी उसकी राजनीतिक भागीदारी नेताजी चुनाव के समय मिठी-मिठी बाते करते है जननायक कर्पूरी ठाकुर जयंती तो सभी मनाते है लेकिन उनकी राजनीतिक भागदारी की कोई बात नहीं करता है। आज मूल अतिपिछड़ी की राजनीतिक भागीदारी इतनी बढ़ी आबादी रहते हुये भी हासीये पर है। मुठी भर लोग शासन कर रहे है। माल मालिक ने मिर्जा खेले होली-सरकारी नौकरी में थोड़ी भागीदारी छोड़कर सता की मुख्य धारा से अति पिछड़ा समाज अभी भी पूरी तरह कोसो दूर है। अतिपिछड़ो के लिए जिला परिषद की आरक्षित 8 सीटो मे सात नगर निगम तीनो महा पौर (मेयर) की सीट को नीतीश कुमार के अतिपिछड़ो सिर्फ (तेली) ने हड़प लिया है। कुछ यही हाल मुखिया, वार्ड, जिला परिषद, पंचायत समिति का यही हाल है। विधान सभा का 2020 में 110 अतिपिछड़ी जातियो की भागीदारी लगभग 5 से 6 प्रतिशत और इन तेली तमोली दांगी इन तीनों जातियो की भागीदारी 4 प्रतिशत है। इन तीन जातियो को मूल अतिपिछड़ा की श्रेणी से नही हटाया गया तो 110 मूल अतिपिछड़ा जातियो का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त हो जायेगा। तेली तमोली (चौरसिया) दांगी (कोयरी) को मूल अति पिछड़ी जाति की श्रेणी से अलग किया जाय एवं प्रथम ग्रुप बनाकर इनको समानुपातिक आरक्षण मिले। रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट सार्वजनिक हो ताकि मंडल कमीशन के लागु होने के 32 साल वाद यह पता चल सके कि इसका लाभ कुछ ही जातिया उठा रही है। 95% जातिया वंचित है। इसलिए केन्द्रीय सेवाओ मे अतिपिछड़ी जातियों के लिए 18% आरक्षण का प्रावधान किया जाय। साथ ही सम्मानित अब्दुल क्यूम अंसारी एवं पर्वत पुरूष दशरथ मांझी को मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित करे। 1951 सर्वे के अनुसार बिहार में 79 अतिपिछड़ी जातिया थी मुर्गरी लाल आयोग की रिपोर्ट मे 94 और अब यह बढ़कर 113 पहुँच गई है। राजनीति और अन्य कारणो से सम्पन्न तीन जातियाँ तेली तमोली दांगी को अतिपिछड़ा श्रेणी मे शामिल कर लेने से मूल अतिपिछड़ी जातिया की औसत 80 से 90 तथा कही-कही सौ फीसदी तक हकमारी हुई। बिहार में अतिपिछड़ा हिन्दु 34% व मुसलमान 11% की आबादी लगभग 45 फिसदी है। अगर सरकार इन्हे डस। 243 में 45% 109 सीट MLC 75 में 34 सीट 45% ससंद 16 का 45% = 7 सीट सांसद 40 का 45% = 18 सीट की भागीदारी होती। अगर सरकार 36% भागीदारी देती है। तो विधान सभा के 243 में 88 विधायक लोक सभा के 40 में 15 सांसद तथा राज्य सभा 16 मे 6 सांसद तथा विधान परिषद के 75 में 27 विधान परिषद अतिपिछड़ा समाज के बनेगें। लेकिन वर्तमान मे 243 मे 19, विधान सभा सदस्य है विधान परिषद के 75 मे 4 राज्य सभा के 16 मे 2 तथा लोक सभा सदस्य के 40 मे 7 है। मूल अतिपिछड़ा समाज शैक्षणिक, राजनैतिक एवं आर्थिक विकास से वंचित है। इसे आगे बढ़ाने की दिशा मे पहल करते हुए जननायक कर्पूरी ठाकुर जी ने 1 अक्टुबर 1978 को मुर्गरी लाल आयोग की अनुशंसा के आलोक में आरक्षण की अधिसूचना निर्गत की गई थी। अतिपिछड़ा की मांग को कुचलने का काम तेजस्वी यादव और उसकी पार्टी ने किया विधान सभा घेराक मे

हजारो हजार की संख्या में पहुँचे अतिपिछड़ी जाति की महिला पुरूष पर बर्बरता से लाठी चार्ज होता रहा लेकिन राष्ट्रीय जनता दल के नेताओ को इस बात से कोई मतलब नही है। साथ ही उन्होने कहा कि सरकार और विपक्ष पार्टी का नेतृत्व को गंभीरता से नही ले रही है। इस बार लोक सभा और विधान सभा चुनाव मे अति पिछड़ा ये बता देगा कि हम एक है अति पिछड़ो की हकमारी करने वालो के विरोध में सड़क से सदन तक खड़े रहेगे। इसके लिए 100 वार भी एम0एल0सी0 की सदस्यता चली आय मुझे गम नही पाँच सूत्री मांग को लेकर समस्तीपुर कपूरी ग्राम से पटना पदयात्रा एवं मिलर हाई स्कूल मे हुआ कार्यक्रम से लालू, नीतीश कुमार ने बौखलाकर रामवली चन्द्रवंशी को गैर कानूनी तरीके से विध ान परिषद की सदस्यता खत्म कर दी। अतिपिछड़ी जाति इन चाचा भतीजा की दोगली राजनीति को समझ गई अब अतिपिछड़ी जाति झण्डा ढोनेवाली नहीं है। विधान परिषद सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू यादव के दबाव में और तेजस्वी के परिषद की सदस्यता समाप्त करने के पत्र सभापति को दिया। सरकार बदलने के बाद नीतीश के दबाव मे टिकट प्राप्त करने के लिए नियम को ताक पर रखते हुए। आनन फानन मे सदस्यता समाप्त कर दी। जबकि नियमानुसार सदन मे पार्टी हित का उल्लंघन करने पर कारवाई करने का प्रावधान है। दरअसल जननायक के मूल अतिपिछड़ो को लुटते अधिकार पर आवाज उठाने से 35 वर्षो से बिहार मे शासन कर रहे दोनो क्षत्रपो ने उभरते नेतृत्व को चुप करने के लिए साजिश के तहत निष्र्काषण कराया गया। डॉ0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी वाबू के निष्कासन से 110 मूल अतिपिछड़ा वर्ग के लोगो में काफी रोष है। इसका दुष्परिणाम लागू नीतीश कुमार और सभापति को भुगतना होगा। डॉ के0पी0 सिंह ने कहा कि हम हड्डी जोड़ते-जोड़ते मूल अतिपिछड़ा को 110 जाति को जोड़कर एक मजबूत संगठन मूल अतिपिछड़ा बुद्धिजीवि मंच बनाया। जिसका अध्यक्ष भी है।

शिवनाथ सिंह चन्द्रवंशी नेता ने कहा कि अतिपिछड़ो से साथ सरकार ऑख मिचौली का खेल 2015 से नीतीश कुमार खेल रहे है। अतिपिछड़ा की आवादी 45% को 36.5% दिखाकर 9% कम दिखाया वही चन्द्रवंशी की आवादी 89 लाख को 22 लाख पचास हजार दिखाया। चन्द्रवंशी दबंग जाति को देखकर नीतीश और लालू घबराकर ये कदम उठाया है। उन्होने कहा कि अतिपिछड़ा और दलित मिल जाय तो 45+20 = 65 फिसदी आवादी से कभी सरकार बना सकती है। आने वाला विधान सभा मे नीतीश को अतिपिछड़ा बता देगा कि क्या है। मूल अतिपिछड़ा की वोट की ताकत इस बार लोक सभा चुनाव मे भी मूल अतिपिछड़ा के हिस्सेदारी लगभग नगन्य रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोर्चा के प्रदेश संयोजक सह आरक्षण क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष प्रो0 डॉ रामबली सिंह चंद्रवंशी, विधान पार्षद ने भारत सरकार द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जुल्म सहने से जुल्मी की ताकत बढ़ती है, चुपचाप रहने से हालत नहीं बदलती हैं। जननायक ने कहा था अधिकार चाहिए तो लड़ना सीखो, कदम कदम पर अड़ना सीखो, जीना है, तो मरना सीखो के मंत्र को अपनाकर अपने खोते जा रहे अधिकार के लिए संघर्ष करने की अपील की। उन्होने कहा कि एक साजिश के तहत बिहार सरकार के द्वारा संपन्न पिछड़ा वर्ग के व्यवसायिक जातियां तेली, तमोली एवम् दांगी को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल कर जननायक के मूल अति पिछड़ो के अधिकारों के साथ हकमारी हो रही है। विशिष्ट अतिथि प्रो किशोरी दास, प्रदेश अध्यक्ष, उपेक्षित एवम अति पिछड़ा

वर्ग संघ ने कहा कि रोहिणी आयोग के अनुशंसा को लागू कर राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी का वर्गीकरण कर कर्पूरी फार्मूला लागू करना ही जननायक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज अतिपिछड़ा आरक्षण की हकमारी को वापस करने की मांग को लेकर पूर्व एम0एल0सी0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी के नेतृत्व में अतिपिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष मोर्चा बिहार के द्वारा बिहार विधान सभा के समक्ष गर्दनीबाग में धरना दिया गया। धरना को संबंधित करते हुए पूर्व एमएलसी रामबली सिंह चन्द्रवंशी ने कहा कि राजद और जदयू सरकार ने 2015 में अपेक्षाकृत सम्पन्न जाति तेली, तमोली (चौरसिया) और दांगी को अतिपिछड़ा वर्ग में सामिल कर दिया है जिससे जननायक कर्पूरी ठाकुर के अतिपिछड़घ आरक्षण का उद्धेश्य ही समाप्त हो गया है। तीनों जाति जिसकी संख्या मात्र 25 प्रतिशत है वह 34 प्रतिशत 110 जाति मूल अतिपिछड़ा का पंचायत चुनाव से लेकर नौकरियों में 50 से 60 प्रतिशत हकमारी कर रहा है। इन्होने बतलाया कि प्रथम चरण में कर्पूरी ग्राम समस्तीपुर से पद यात्रा शुरू कर 7 अक्टूबर को पटना मे समापन रैली किया था। द्वितीय चरण में विधान सभा का घेराव किया गया था। अतिपिछड़ो की हितैषी होने का दम्म भरनेवाले नीतीश कुमार की कुम्भकरणी निद्रा मूल अतिपिछड़ा के हित में नहीं खुली। अन्त में तृतीय चरण में विधान सभा का घेराव के माध्यम से अपनी गुस्सा को पहुँचाने का काम यह समाज कर रही हैं। तब भी मांग पूरी नहीं हुई तो 36 प्रतिशत अतिपिछड़ा इस अतिपिछड़ा विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी। उपस्थिति महाधरना में परिणत हो गई है। मोर्चा के सह-संयोजक अजय कानू विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता शिव पूजन ठाकुर, नीतू सिंह निषाद ने बताया कि तीनों सम्पन्न जाति का यह समाज विरोध नहीं करती है इसे आरक्षण देना है तो अलग ग्रुप बनाकर तेली, तमोली, दांगी को आरक्षण दे। पंचायत चुनाव मे 33 प्रतिशत आरक्षण देने, रोहिणी आयोग के सिफारिस को प्रकाशित करने, एस0सी0/एस0टी0 एक्ट के तर्ज पर ई0बी0सी0 अत्याचार निवारण कानून लागू करने एवं दशरथ मांझी और अब्दुल क्यूम अंसारी को भारतरत्न से सम्मानित करने की मांगो को पूरी करने के बाद ही यह समाज अब दम लेगी। नीतीश कुमार अतिपिछड़ों के सामने से थाली छीनने का काम किया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इसका खमियाजा नीतिश कुमार को भुगतना पड़ेगा। अजय कानू ने कहा कि मोर्चा की ओर से पाँच सूत्री मांगे तेली तमोली एवं दांगी को अति पिछड़ा वर्ग की सूची से हटाकर अलग सूची बनाकर समानुपातिक आरक्षण देने, अनुसूचित जाति एवं जनजाति की तरह अति पिछड़ा वर्ग अत्याचार निवारण कानून बनाने, पंचायत एवं निकायो में अति पिछड़ा वर्ग की आरक्षण की सीमा 20% से बढ़कर 36% करने, रोहिणी आयोग के अनुशंसा को लागू कर राष्ट्री य स्तर पर ओबीसी का वर्गीकरण कर कर्पूरी फार्मूले लागू करने, अब्दुल कयूम अंसारी एवं पहाड़ पुरूष दशरथ मांझी को भारत रत्न देने के मुद्धे पर धरना दिया गया। धरना को मुख्य रूप से संबंधित करने वालों में राम भरोस शर्मा, संतोष महतो, ई आशीष नारायण, महेन्द्र भारती, मो0 हसनैन अंसारी, राजेन्द्र सिंह, डॉ के0पी0सिंह, गणेश मंडल, रामचन्द्र शर्मा, दानी प्रजापति, अधि . रामेश्वर ठाकुर, डॉ जगन्नाथ ठाकुर कुमार बिन्देश्वर सिंह, रंजीत सिन्हा, उपेन्द्र शर्मा, राजीव रंजन, रमाशंकर प्रसाद, श्रवण कुमार चन्द्रवंशी, रमेश चन्द्र, अनुज कुमार शर्मा, कृष्ण नंदन सॉवर, कृष्ण कानू, अजय सिंह चन्द्रवंशी, सुरेन्द्र चौहान, रामचन्द्र आजाद, मीना शर्मा, राम गणेश शर्मा, सुशील शर्मा, शत्रुधन शर्मा, गोरे लाल, अजय सिंह चन्द्रवंशी, दिनेश चन्द्रवंशी,आदि थे। मंच संचालन अशोक निषाद ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन मोर्चा के सह संयोजक शिव पूजन ठाकुर ने।●

ककोलत जलप्रपात में पर्यटकीय सुविधओं का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

● **मिथिलेश कुमार**

ककोलत जलप्रपात पर्यटकों के लिये सुगम, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाया गया है। इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने नवादा जिले के गोविंदपुर प्रखंड स्थित ककोलत जलप्रपात में पर्यटकीय सुविधाओं का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर लोकार्पण किया और पर्यटकों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने वन विश्राम गृह 'अरण्यधारा' का भी फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने वन विश्राम गृह का निरीक्षण भी किया। वन विश्राम गृह के सभागार में मुख्यमंत्री के समक्ष ककोलत जल प्रपात विकास यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने ककोलत जलप्रपात के विकास के लिए बेहतर कार्य करनेवाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने प्रतीक चिह्न एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने ककोलत जलप्रपात परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

ककोलत जलप्रपात में प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में लोग यहाँ घूमने आते हैं लेकिन ककोलत में लोगों के लिए पर्यटकीय सुविधाओं का अभाव था। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2013 में पहली बार ककोलत जलप्रपात का भ्रमण कर पर्यटकीय सुविधाओं के विकास के लिए कई निर्देश दिये थे, जिसके उपरांत वर्ष 2013-14 में यहाँ पर कई पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 2022 में ककोलत जलप्रपात में पर्यटकों के लिए सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु कई अन्य कार्य प्रारंभ किये गये। आज ककोलत जलप्रपात में ईको टूरिज्म सुविधाओं के विकास कार्य का लोकार्पण होने से पर्यटकों को प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेने में सहूलियत होगी। ककोलत जलप्रपात पर्यटकों के लिये सुगम, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाया गया है। ककोलत में पहाड़ चढ़ते वक्त हमेशा पत्थरों के गिरने की संभावना बनी रहती थी जिसके कारण लोग नियमित रूप से झरने तक नहीं पहुँच पाते थे और उन्हें चोट लगने का डर रहता था इसलिए सर्वप्रथम स्टोन स्टैबलाईजेशन का कार्य कराया गया जिसमें गिरने वाले पत्थरों को लोहे के जाल से बांध दिया गया है। अब पत्थर गिरने की संभावना खत्म हो गयी है। ककोलत जलप्रपात तक पहुँचने के लिए सीढ़ी का निर्माण कराया गया है। झरने के नीचे वाले तालाब का पुनर्निर्माण कराया गया है और इसमें सीढ़ी भी बनायी गयी है ताकि लोग आसानी से इसमें उतरकर नहा सकें। ककोलत में पत्थरों को काटकर आकर्षक भव्य मुख्य द्वार, 6 कैफेटेरिया, सेल्फी प्वाइंट, प्रशासनिक भवन, शौचालय, टिकट काउंटर, लाउंज और पर्यटन सूचना केंद्र और पानी का कुंड आदि बनाया गया है। ऊपर तथा नीचे सीट आउट व महिलाओं तथा पुरुषों के लिए चेंजिंग रूम बने हैं। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से प्यूरिफाई कर झरने का पानी पीने योग्य बनाकर जगह-जगह पर आकर्षक

पहाड़ी स्वरूप में पेयजल व्यवस्था की गयी है। बच्चों के लिए चिल्ड्रेन जोन बना है, जिसमें पार्क, झूला, सीट आउट आदि की व्यवस्था है। पर्यटकों के लिए पार्किंग क्षेत्र, बैठने के लिए बड़ी संख्या में बेंच निर्माण एवं खाने-पीने के दुकानों का निर्माण कराया गया है। ककोलत के विकास से एक तरफ इस क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी तो दूसरी तरफ स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

ककोलत जलप्रपात में ईको टूरिज्म सुविधाओं एवं अन्य विकास कार्यों के चलते इसे लोगों के लिए बंद कर दिया गया था, अब यहाँ पर सभी ईको टूरिज्म सुविधायें विकसित हो चुकी है। मुख्यमंत्री द्वारा इसके लोकार्पण के पश्चात् सभी लोगों के लिए खोल दिया गया है। ककोलत के विकास को देखकर लोगों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव श्रीमती बन्दना प्रेयषी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबड़े, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी श्री आशुतोष कुमार वर्मा, नवादा के पुलिस अधीक्षक श्री अम्बरीश राहुल सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे। 'ककोलत जलप्रपात के उद्घाटन बाद मुख्यमंत्री ने पर्यावरण को सुरक्षित करने को लेकर पौधारोपण किया। उन्होंने अमलताश का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री कुमार जलप्रपात परिसर का भ्रमण कर किया गया सौन्दर्यीकरण व विकास कार्यों का जायजा लिया। बता दें कि कोरोना काल

से ही पर्यटकों के लिए ककोलत जलप्रपात में प्रवेश वर्जित कर दिया गया था, तब से ककोलत में विकास कार्य किया जा रहा था। ककोलत में प्राकृतिक कुंड, चेंजिंग रूम, कैफेटेरिया, प्रशासनिक भवन, पर्यटक सूचना केंद्र, अमानती घर, पार्किंग, शौचालय तथा प्राथमिक उपचार केंद्र जैसी सुविधाएं बहाल कराई गई है। इस दौरान विभागीय सचिव ने उन्हें विकास कार्यों की जानकारी दिया। मौके पर वंदना प्रेयसी मौजूद रही। करोड़ों की लागत से किया गया सौंदर्यीकरण करोड़ों रुपये की लागत से ककोलत जलप्रपात को नया लुक दिया गया है। अब यह नए स्वरूप में दिखेगा। वाहनों के लिए पार्किंग की है व्यवस्था वाहन पार्किंग की सुविधा होने से पर्यटक बेफिक्र होकर जलप्रपात का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा महिलाओं के लिए कपड़ा बदलने के लिए कमरा, शौचालय, नहाने के लिए पूल आदि की व्यवस्था की गई है। उद्घाटन बाद पर्यटक प्रदूषण मुक्त वातावरण में मुख्य द्वार नेचर सफारी का आनंद ले सकेंगे। वर्ष 2019 में सीढ़ियों का हुआ था निर्माण वर्ष 2019 में ककोलत में 2.27 करोड़ की लागत से 188 सीढ़ियों का निर्माण कराया गया था। इस बीच कोरोना काल में काम बंद होने और तकनीकी दिक्कतों के कारण यह प्रोजेक्ट लंबे समय तक अटका रहा। वर्ष 2022 में फिर से काम शुरू हुआ, जिसे पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री ने उद्घाटन कर सैलानियों के लिए ककोलत जलप्रपात खोल दिया गया। हालांकि, निर्माण के बाद कई बार आई बाढ़ से निर्माण भी प्रभावित हुआ। सीढ़ियों के कुछ हिस्से भी क्षतिग्रस्त' हो गए । बनाया गया टिकट काउंटर ककोलत में प्रवेश के लिए 10 टिकट काउंटर बनाए गए हैं। प्रवेश शुल्क 10 रुपये निर्धारित किया गया है। दो पहिया वाहनों के लिए पार्किंग शुल्क 20 रुपये, तीन पहिया वाहनों के लिए 30 रुपये, चार पहिया वाहनों के लिए 50 रुपये तथा बसों व भारी वाहनों के लिए 100 रुपये निर्धारित किया गया है। पर्यटकों को लुभाएगी ककोलत मुख्यमंत्री के हाथों उद्घाटन होने के बाद ककोलत में पर्यटकों की लंबी लाइन लगने की संभावना है। बोलबम से लौटने वाले कांवरियों का जत्था ककोलत जाने से अपने आप को नहीं रोक पायेंगे। नए लुक में ककोलत लोगों को आकर्षित करेगी। सौंदर्यीकरण का मुख्यमंत्री ने बारीकी से निरीक्षण किया मुख्यमंत्री नीतीष कुमार ने सीढ़ियों पर रूककर वहां पहाड़ी से संभावित भूस्खलन व चट्टान खिसकने जैसी घटना को रोकने के लिए किए गए कार्यों के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी ली, ताकि ककोलत पूरी तरह से सुरक्षित हो। पूर्व में ककोलत की जलधारा में कई बार बाढ़ आने की घटना हो चुकी है, जिससे सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा का था पुख्ता इंतेजाम मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल से लेकर पूरे मार्ग में जिला प्रसाशन द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतेजाम किया गया था। कई जगह वाहन चेकिंग बैरियर लगाकर अनाधिकार प्रवेश वर्जित कर दिया गया था, पहाड़ों एवं जंगलों में भी सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किया गया था। इसके साथ ही तीन वर्षों से बंद पड़े ककोलत जलप्रपात सैलानियों के लिए खोल दिया गया। सैलानियों को अब निर्धारित प्रवेश शुल्क 10 रुपये अदा करने के बाद प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य ने मुख्यमंत्री का किया स्वागत शनिवार को नवादा जिला अन्तर्गत गोविंदपुर प्रखंड स्थित ककोलत जलप्रपात का उद्घाटन करने पहुंचे सूबे के मुखिया नीतीश कुमार का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

☞ **सीएम वारिसलीगंज में सीमेंट प्लांट का किया शिलन्यास** :- वारिसलीगंज स्थित एक मात्र औद्योगिक इकाई मोहनी सुगर मील की

करीब 72एकड़ जमीन को बियाडा के माध्यम से अडानी समूह ने अंबुजा एवं एसीसी सीमेंट प्लांट लगाने के लिये अधिकृत किया गया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीमेंट प्लांट लगाने के लिये कम्पनी के अधिकारीयों की उपस्थिति में आधारशीला रखकर शिलन्यास किया। कम समय के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कम्पनी के अधिकारीयों से प्लांट निर्माण के सबंध में बात चीत भी किया। अडानी के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट 1600 करोड़ रुपये निवेश की घोषणा की है।मुख्यमंत्री इसके पूर्व ऐतिहासिक शीतल जलप्रपात ककोलत सौन्दर्यीकरण कार्य का लोकार्पण कर सड़क मार्ग से वारिसलीगंज पहुंचे। मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए एजीएम प्रभात श्रीवास्तव ने कहा कि अडानी सीमेंट ने जिले के वारिसलीगंज में 1,600 करोड़ रुपये के निवेश सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई की स्थापना करने जा रही है । 6 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता वाली इस इकाई से उत्पादन क्षमता में वृद्धि, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलने और राज्य की बुनियादी ढांचे की मांगों को पूरा करने के साथ-साथ कंपनी के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप काम करने की उम्मीद है। गौतम अडानी के स्वामित्व वाली अडानी सीमेंट ने जिले के वारिसलीगंज में एक नई सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई स्थापित करने के लिए 1,600 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। यह विकास कंपनी के विस्तार प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसका उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और कई रोजगार के अवसर पैदा करना है। 6 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) की सुविधा अडानी सीमेंट की उत्पादन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे बिहार और पूरे भारत में सतत बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए इसकी प्रतिबद्धता मजबूत होगी। परियोजना को तीन चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा, जिसमें 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से 2.4 एमटीपीए का पहला चरण दिसंबर 2025 तक चालू करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा, भविष्य के विस्तार के लिए भूमि का पर्याप्त प्रावधान किया गया है, जिसे बहुत कम पूंजीगत व्यय पर नियत समय में चालू कर दिया जाएगा।बिहार सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वारिसलीगंज औद्योगिक क्षेत्र में अंबुजा कंक्रीट नॉर्थ प्राइवेट लिमिटेड के सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट का शिलन्यास करते हुए मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।मुख्यमंत्री को सीमेंट निर्माण कम्पनी के प्रतिनिधियों द्वारा जानकारी दी गयी कि इस सीमेंट प्लान्ट लगाने की लागत लगभग 1400 करोड़ रूपये की है। इस सीमेन्ट प्लान्ट में प्रतिवर्ष 6 मिलियन टन सीमेंट उत्पादन किया जायेगा। इस प्लान्ट की स्थापना हेतु बिहार सरकार द्वारा सहयोग दिया जा रहा है, जिसके तहत

बियाडा (बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण) द्वारा 73 एकड़ जमीन दी गयी है।राज्य में इस सीमेंट प्लान्ट की स्थापना से सीमेंट की उपलब्धता सुलभ हो जायेगी। साथ ही इस सीमेंट प्लान्ट का निर्माण होने से 250 लोगों को सीधे नौकरी (प्रत्यक्ष रूप से) तथा 1 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। बिहार, देश में तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। बिहार में निवेश की अच्छी नीतियों के चलते देश के कोने-कोने से इन्वेस्टर्स एवं उद्योगपति बिहार में निवेश करने के लिए इच्छा प्रकट कर रहे हैं।आने वाले दिनों में अडानी समूह द्वारा बिहार में 5 हजार 500 करोड़ रूपये का नये निवेश प्रस्तावित है, जिसमें मुजफ्फरपुर (मोतीपुर) में नये सीमेन्ट प्लान्ट की स्थापना, पटना के आसपास लॉजिस्टिक (गोदाम) व्यवसाय तथा अररिया, किशनगंज, बेगूसराय में नये कृषि लॉजिस्टिक (गोदाम) एवं अन्य कार्य शामिल है। इस नये निवेश से बिहार के 40 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, उद्योग मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, नवादा के सांसद श्री विवेक ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संदीप पौण्ड्रीक, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबड़े, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी श्री आशुतोष कुमार वर्मा, नवादा के पुलिस अधीक्षक श्री अम्बरीश राहुल, अडानी समूह के एग्रो ऑयल एवं गैस के प्रबंध निदेशक श्री प्रणव अडानी सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।●

देश में दूसरा मनुभाकर बनने को तैयार है इशिता धनराज

इन्दौर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 10 मीटर पिस्टल शूटिंग में जीता सिल्वर

● मिथिलेश कुमार

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। जिस प्रकार कीचड़ में कमल व काँटों के बीच गुलाब अपनी सुन्दरता और महक फैलाता है उसी प्रकार बेटियाँ भी अपनी प्रतिभा के दम पर अपने समाज परिवार एवं देश का नाम रोशन कर रही हैं। वैसे तो स्कूली जीवन मनुष्य की जीवन यात्रा के उत्थान एवं पतन का निर्णायक क्षण भी होता हैं । जीवन के प्रति गहरी समझ नही होते हुये भी यह कालखंड कालांतर में आने वाली हर बाधाओं और प्रतिकूलताओं से मुकावला करने में हमें मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार भी करता है, भविष्य के हमारी सोच की रूप रेखा का महत्वपूर्ण समय होता है यही कारण है कि देश-दुनियां में नामचीन विश्वविद्यालयों में डिग्रियाँ लेने के साथ अन्य क्षेत्रों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की लालसा भी हमारे मानस पटल पर हमें उत्साहित करती है। कहा भी गया है 'पँख से कुछ नहीं होता है हौसलों से उड़ान होती है, मंजिल उन्ही को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है'। उड़ान देने के लिये सही समय पर हौसलों को बुलंदी के रास्ते पर ले आने के बाद ही बुने हुये सपने पुरे होते हैं। लेकिन सपनों को साकार करने के लिये ईमानदारी पूर्वक मेहनत करने के लिये अपनी सारी शक्ति को लगाने के लिये तैयारी भी करनी होती है। हम बात कर रहे है बिहार-झारखंड सीमा को जोड़ने वाले जिला बांका नगर परिषद जो चाँदन नदी के किनारे बसा हुआ है। यह जिला भौगोलिक दृष्टिकोण के साथ कृषि के क्षेत्र में सूबे में अलग स्थान रखता है। नदी के किनारे बसे हुए गावं के किसान यहाँ बासमती एवं कतरनी चावल का उत्पादन करते हैं। यहाँ से उत्पादित चावल की खुशबु व महक बिहार ही नहीं देश के विभिन्न राज्यों तक पहुंचती हैं। वैसे तो बांका शहर क्षेत्रफल की दृष्टिकोण से बड़ा नहीं हैं लेकिन कई विशेषताओं से भरा बांका की उपलब्धि भी देश दुनियां में ख्याति प्राप्त कर रहा है।बांका नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नम्बर- 06 नोनिहारी निवासी इंजीनियर निर्मल कुमार एवं सीआरपीएफ में डिप्टी कमाडेंट के पद पर कार्यरत कुमारी रंजीता की पुत्री दशवी की छात्रा ईशिता धनराज को इंदौर (MHOW) में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 10 मीटर पिस्टल शूटिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीत कर बांका ही नही बिहार एवं अपने परिवार व समाज का नाम रौशन किया है। इशिता धनराज ने यह उपलब्धि अपने मेहनत एवं दृढ़ निश्चय के बदौलत हासिल किया है। इशिता ने पारंपरिक रूप से चली आ रही रूढ़िवादी परम्परा को दरकिनार करते हुये बेटी को अभिशाप समझने वाले समाज को एक संदेश भी दिया है।

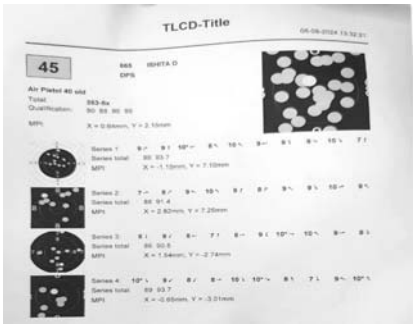

कौन है इशिता धनराज? इशिता धनराज के बारे में जानकारी प्राप्त करने के पूर्व हमें उसके पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में भी अध्ययन करने की जरूरत महसूस हुई। आखिर बांका जैसे जिले से भी इतनी होनहार बेटी की कल्पना की जा सकती है, लेकिन यह विल्कुल सत्य है। इशिता धनराज बाँका अंतर्गत नोनिहारी गाँव-मुहल्ले की बेटी है। शिक्षा के साथ खेल प्रतिस्पर्धाओं जैसे क्षेत्र में जाने की लालसा उसे अपने परिवार से मिली।इशिता का पुरा परिवार शिक्षा के क्षेत्र में पुरे बांका में शीर्ष स्थान रखता है। इशिता के दादा विश्वनाथ प्रसाद बिजली विभाग में साधारण क्लर्क थे, परन्तु उन्होंने अपने बेटों और बेटियों को अच्छी तालीम देने के साथ हमेशा शिक्षा के प्रति जागरूक भी करते रहे। इसमें इशिता की दादी श्री मती भवानी देवी जो भागलपुर से जिला शिक्षा पदाधिकार से सेवा निवृत होकर राजनीति में कदम रखकर नगर परिषद क्षेत्र से प्रतिनिधित्व कर समाज सेवा भी किया। इशिता के पिता निर्मल कुमार अपने नाम के अनुरूप निर्मल मन से जहाँ अपने माता-पिता को अपना आदर्श मानकर अपने परिवार का मान सम्मान बढ़ाने में लगातार संघर्षरत रहे। निर्मल कुमार को सबसे बड़ी उपहार के रूप में उनकी पत्नी रंजिता के रूप में मिली। निर्मल स्वंय झारखण्ड के कोडरमा पोलटेक्निक कालेज में करीब तीन वर्षों तक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत रहे एवं सात वर्षों से ज्यादा समय तक ज्जं ज्पेबव में भी दिया। इधर इशिता की माँ कुमारी रंजिता 2010 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सीआरपीएफ (केन्द्रीय सुरक्षा बल) में असिस्टेंट कमाडेंट के पद पर नियुक्ति के लिये चयनित हुई।इसके पूर्व तिलका मांझी विश्वविद्यालय से लाइव साइंस से गोल्डमेडलिस्ट भी रह चुकी हैं। हालांकि परिवार

में सभी लोग शिक्षा के क्षेत्र के अलावे विभिन्न क्षेत्रों में थे। परन्तु सेना व डिफेंस के क्षेत्र में कोई परिवार नहीं रहने के कारण थोड़ा असहज भी लगा। लेकिन इशिता की माँ ने अपना कर्मक्षेत्र सेना में बनाने की तमन्ना के साथ समाज में बेटी और बहु को सेना में न जाने का मिथक भी तोड़ दिया और देश सेवा के लिये अपने परिवार से दूर रहने का फैसला किया। परिवार रंजीता की सास, श्वसुर, पति सघहित बच्चों पूरा ने भी सहयोग किया। वे आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय के साथ देश सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर अपने सुखों का त्याग भी किया। जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी भी नही तो खराब भी नही थी। परन्तु बचपन से मन में देश सेवा की भावना से ओत-प्रोत इशिता की माँ ने इसे अहमियत दिया।इतना ही नहीं प्रधानमंत्री सुरक्षा के लिये एसपीजी कमांडो में कई वर्षों तक कार्य किया, अभी भी रंजिता भोपाल में सीआरपीएफ में डिप्टी कमाडेंट के पद पर कार्यरत है। अब हम सीधे तौर पर इशिता पर आते है कि इशिता ने इन्दौर में आयोजित 10 मीटर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान कैसे प्राप्त किया, तो इसका सीधा जवाब मिलता है कि इशिता को अपनी माँ से प्रेरणा एवं सहयोग मिला है। इस सबंध में इशिता के पिता ई० निर्मल कुमार ने बताया कि जब इशिता छोटी थी तो उसे स्थानीय स्तर पर लगने वाले मेलों में पिस्टल से गुब्बारे पर निशाना लगा कर उसे फोड़ने का भी शौक था। जब कभी जाती तो गुब्बारा अवश्य फोड़ती, निशाना भी अपनी मम्मी के सघ्मान लगाती। निशानेवाजी में रुचि देखकर माता एवं पिता ने शिक्षा के साथ इशिता को इस क्षेत्र में अपना करियर बताने का लक्ष्य निर्धारण किया।

इशिता भोपाल में नीलवाड़ डीपीएस स्कूल में दशवीं की छात्रा है। वह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने विद्यालय के तरफ से शूटिंग में भाग लिया। हालांकि यह प्रतियोगिता ओपन थी इसमें सभी भाग ले सकते थे। सबसे बड़ी बात यह है कि पेरिस ओलम्पिक में मनुभाकर ने कास्य पदक जीत कर देश का नाम रोशन किया है,मनुभाकर जिस भोपाल शूटिंग एकेडमी में शूटिंग की तैयारी कर रही थी उसी एकेडमी में इशिता भी कर रही थी। यहाँ तक की दोनों के कोच भरत सिँह एवं खुशी मिश्रा ही हैं।इशिता की खेल के प्रति जूनून देखकर कोच ने अगले बार ओलम्पिक में लेने के लिये तैयारी करा रहे है। इशिता भी शिक्षा के प्रति जहाँ निष्ठांवान है वहीं खेल के प्रति ललक और दीवानगी भी है।

इशिता कहती है

'खोल दें पँख मेरे, कहता है परिंदा।
अभी और उड़ान बाकी है।
अभी मापी है मुट्ठी भर जमीन हमने,
अभी पूरा आसमान बाकी है'।

जब टूटने लगे हौसले तो याद रखना, बिना मेहनत के तख्त ताज नहीं होते।तय कर लेना अंधेरों में मंजिल अपनी जुगनू कभी रौशनी की मोहताज नहीं होती। जीवन में सफल होने के लिये शिक्षा जरूरी है, सकारात्मक सोच के साथ पूरी ईमानदारी से कार्य करने से मंजिल अवश्य मिलती है। शून्य से शिखर तक पहुंचने के लिये कठिन संघर्षो के बीच खुद को तपाने की जरूरत होती है। क्योंकि सोना को तपा कर ही कुंदन बनाया जाता है। वक्त और हालात के बीच लड़कियाँ मेहनत करे और आत्मविश्वास, धैर्य, दृढ़ संकल्प, त्याग, समर्पण को हथियार बनाकर अपने मंजिल का रास्ता तय करे। इशिता धनराज वर्तमान में भोपाल में अपनी माँ के डिप्टी कमाडेंट के साथ रहकर पढ़ाई के साथ भोपाल शूटिंग एकेडमी में तैयारी कर रही है। वहीं पूरा परिवार बांका में ही रह रहा है। पिता इंजीनियर निर्मल कुमार स्वयं अपनी माँ के नाम से भवानी प्राइवेट आइटीआई संस्थान चलाते है साथ ही साथ पैक्स चेयरमैंन के पद के साथ ही साथ व्यापार मंडल में निदेशक भी है। वैसे कहा जाय वो इशिता धनराज का पूरा परिवार देश सेवा , समाज सेवा, शिक्षा के क्षेत्र के साथ अन्य क्षेत्रों में अपना योगदान देकर राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपनी अलग पहचान बनाये है। इशिता के चाचा विवेक रत्न दिल्ली विश्विधालय में दयाल सिंह महाविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। वही बड़ी बुआ स्वर्णलता भवन निर्माण विभाग पटना में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत है। दूसरी बुआ कनकलता कटोरिया में कस्तूरवा विद्यालय में वार्डन के पद पर कार्यरत है। इशिता के दादा विश्वनाथ प्रसाद कुशवाहा ने जो सपना परिवार के लिये देखा था उसे अपने जीवन काल में अपनी धर्मपत्नी भवानी देवी के साथ पूरा होते देख रहें हैं। पूरा परिवार कुशवाहा समाज के लिये नहीं शिक्षा के बदौलत नया आयाम गढ़ने एवं प्रेरक के रूप में मिसाल कायम किया है।

इशिता धनराज को अगले ओलम्पिक में भाग लेने के सवाल पर पुरा परिवार खुश है। साथ ही साथ पेरिस ओलम्पिक में अपनी कामयाबी का झंडा बुलंद करने बाली मनुभाकर जो पेरिस ओलंपिक 2024 की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा और 10 मीटर मिक्सड डबल्स में कांस्य पदक जीता है। मनु भाकर एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली इकलौती एथलीट हैं । 2018 के आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में उन्होंने भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली वे भारत की सबसे कम उम्र की महिला हैं। मनु ने महज 16 साल की उम्र में 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में एयर पिस्टल स्पर्धा में दो स्वर्ण जीता है, एवं ट्रैप शूटर श्रेयसी सिहं को अपना आदर्श मान कर अपने देश का नाम रौशन करने के लिये इशिता धनराज भी बेचौन है। हमारी शुभकामनायें इशिता धनराज के साथ है। इशिता की सफलता पर बिहार कोने-कोने से शुभकामना एवं बधाई संदेश भी इशिता को मिल रही है। स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के मंत्री जयंत राज, सदर एसडीपीओ बिपिन बिहारी, औरंगाबाद सांसद अभय कुमार सिन्हा, अभय कुमार सिंह (आईजी भोपाल)रिच माइंड डिजिटल कम्पनी बड़ोदरा के निदेशक निशिकांत सिन्हा, नवादा लोक सभा के पूर्व प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा, कुशवाहा सेवा समिति नवादा के अध्यक्ष महेशवर प्रसाद,सचिव विजय प्रसाद,पटना कैसर सेन्टर के निदेशक सह पीएमसीएच में सहायक प्राध्यापक डॉ नवीन कुमार, केशव कपूर मेमोरीयल हॉस्पिटल के निदेशक बसंत प्रसाद, डॉ विकास कुमार, अरूंजय मेहता, सुरिचि कुमारी, अनुराधा मेहता, ललिता कुमारी, सुरभि कुमारी, अंजू लता सहित दर्जनों लोगों ने बधाई एवं शुभकामना देतें हुए आशीर्वाद भी दिया है।●

ओवरलोड वाहनों के परिचालन के लिए एनएच-327 बना सेफ जोन

● धर्मेन्द्र सिंह

बंगाल से बिहार आनेवाली ओवरलोडेड वाहनों के परिचालन के लिए एनएच सेफ जोन बन गया हैं। पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला किशनगंज इन दिनों इंट्री माफियाओं के उत्पात से जूझते हुए नजर आ रहा है। ज्यादातर ओवरलोड वाहनों का परिचालन एनएच 327 ई पर देखा जा रहा है। बंगाल की सीमा से सटे गलगलिया के समीप बंगाल का चक्करमारी से इंट्री का खेल एंट्री माफियाओं द्वारा आरंभ हो जाता है। जिसके कारण राज्य सरकार को प्रतिमाह करोड़ों के राजस्व की क्षति हो रही है। कारण यह है कि इंट्री माफियाओं और अधिकारियों के गठजोड़ से चावल और मवेशी लदे ट्रकों के अलावा गिट्टी, बेडमिसाइल, बालू, ईंट लदे ओवरलोड ट्रक व कंटेनर को बेरोकटोक बिना किसी खौफ के उक्त रास्ते होकर गुजर रहे हैं।इसके एवज में ट्रक चालकों से मोटी रकम वसूल की जाती है। यह जग जाहिर है कि प्रतिदिन लाखों की कमाई हो रही है। इस रास्ते से बिहार सीमा से कालाबाजारी के सरकारी चावल के अलावा मवेशी बंगाल और आसाम भेजे जाते हैं। प्रतिदिन सैकड़ों ओवरलोड ईंट लदे ट्रक, बेड मिसाइल, बालू और गिट्टी बंगाल के साथ सिक्किम तक भेजे जा रहे हैं। बंगाल से आनेवाली बालू, गिट्टी, बेड मिसाइल लदे ट्रक और डंपर किशनगंज पहुंचते ही इंट्री माफियाओं के लिए सोना साबित हो जाता है। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में अधिकारी भी कुछ बोलने से कतराते हुए नजर आते हैं। बिहार-बंगाल सीमा पर चक्करमारी के समीप बंगाल सीमा पर स्थित लाइन होटलों, ढाबा में माफियाओं का घुपचूप कार्यालय संचालित है। इंट्री के धंधे में अब सफेदपोश भी अपना दांव आजमाने में पीछे नहीं हैं।चक्करमारी के होटलों में बैठकर इंट्री का चक्कर चला कर अपना जेब गर्म कर रहे हैं। इस गोरखधंधे में कई गुट के लोग शामिल हुए हैं। जानबूझ कर बंगाल क्षेत्र में कार्यालय संचालित हैं, ताकि किसी भी तरह की जांच-पड़ताल के लफड़े से बड़े ही आसानी से बचा जा सके। ओवरलोड ट्रकों, डंपरों के चालक सबसे पहले इन्हीं एंट्री के कार्यालयों में संपर्क स्थापित करते हैं। ट्रक चालकों से राशि लेकर उन्हें कोड वर्ड भी दिया जाता है। किशनगंज जिले में तैनात परिवहन विभाग के अधिकारियों को कोड वर्ड का पता होता है। जब संबंधित ट्रक चालक

किशनगंज की सीमा में पहुंचते हैं, तो अपना कोड वर्ड बताते हैं और वहां से बेरोकटोक ओवरलोड वाहनों को लेकर पार कर जाते हैं। जो वाहन बिना कोई कोड के पकड़े जाते हैं, तो उनसे तय नियमानुसार जुर्माना वसूला जाता है। गौर करे कि एनएच 327 ई देश के व्यस्त राज मार्गों में

शामिल है। इसी रास्ते से एक तरफ आसाम, तो दूसरी तरफ दिल्ली के लिए वाहनों का परिचालन होता है। इसमें सबसे अधिक संख्या ट्रक, डंपर व कंटेनरों की होती है। चावल, मवेशी, कोयला, लकड़ी, गिट्टी, लोहा, बेड मिसाइल, सीमेंट आदि का बड़े पैमाने पर इस मार्ग से परिवहन होता है, लेकिन अधिक लाभ के चक्कर में ये वाहन चालक परिवहन नियम की अवहेलना कर निर्धारित मात्रा से अधिक वजन लोड करते हैं। इसी वजह से मजबूरन जुर्माने से बचने के लिए वाहन चालकों को इंट्री माफियाओं के शरण में जाना पड़ता है। वाहन चालकों को इससे लाभ तो हो ही रहा है, संबंधित विभागीय अधिकारी भी मालामाल होते जा रहे हैं। बिहार से पश्चिम बंगाल तक इंट्री माफियाओं का जैसे जाल बिछा हुआ है। सफेदपोश से लेकर कई दिग्गजों के संरक्षण में बेखौफ इनका खेल बेल की लत्ती के तरह फैला हुआ है। लगातार ओवरलोड वाहनों के परिचालन की खबर प्रकाशित होते ही चेक पोस्ट पर जांच शुरू हो जाती है और कुछ वाहनों को जप्त किया जाता लेकिन हैरानी की बात है ये सिलसिला वर्षो से चल रहा है लेकिन इसके बावजूद भी ओवरलोड वाहनों का परिचालन में किसी तरह की कोई कमी नजर नहीं आ रही है जिससे ये साफ पता चल रहा है की एंट्री माफिया एंट्री का काला धंधा से इतना काला धन कमा लिए है की जिन भरने के बाद भी अनलोगो को कोई फर्क नही पड़ रहा है अगर किसी को नुकसान हो रहा है तो वह सरकारी राजस्व है जिसको प्रतिदिन क्षति पहुंचाया जा रहा है।●

सेवानिवृत रिजनल डिप्टी डायरेक्ट की रिवाल्वर बरामद

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज शहर के रुईधाशा वार्ड नंबर 23 स्थित शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त रिजनल डिप्टी डायरेक्टर चंद्रशेखर शर्मा के आवास में चोरी हुई लाइसेंसी रिवाल्वर को पुलिस ने घटना के 17 घण्टे के अंदर बरामद कर लिया है। घर मे सेवानिवृत्त आरडीडीई की बहन शिक्षिका जूही कुमारी रहती है। शिक्षिका जूही कुमारी के पुत्र राज कृष्णा मध्यप्रदेश कैडर में ट्रेनी आईपीएस अधिकारी हैं। इधर लाइसेंसी रिवाल्वर को एफएसएल टीम, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट व डॉग स्क्वायड की मदद से बरामद किया गया है। जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार ने बताया कि चोरी हुई लाइसेंसी रिवाल्वर को बरामद कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इधर 08 अगस्त को हुई चोरी की घटना के बाद से ही पुलिस घटना के उदभेदन में लगातार प्रयासरत है। घटना के बाद पहले डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। डॉग स्क्वायड की टीम के द्वारा घटना स्थल का जायजा लिया गया। टीम के द्वारा घटना स्थल व आसपास के

क्षेत्र में मुआयना किया गया। इसके बाद फॉरेंसिक टीम व पटना से फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलाया गया। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट के द्वारा बारीकी से घटना स्थल को देखा गया। जिसमें बदमाशों के चलने के निशान आदि को देखा गया। फोरेंसिक टीम के द्वारा भी घटना स्थल से साक्ष्य को इकठ्ठा किया गया। वहीं घटना की सुचना मिलते ही गृहस्वामी रिटायर्ड आरडीडीई चंद्रशेखर शर्मा शुक्रवार की सुबह किशनगंज स्थित अपने आवास पहुंचे। इधर एसडीपीओ गौतम कुमार व सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार भी लगातार घटना की छानबीन में जुट हुए है। यहां गौर करे की गुरुवार को शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त रीजनल डिप्टी डायरेक्टर चंद्रशेखर शर्मा के रुईधाशा वार्ड नं०-23 स्थित आवास में जेवरात, नगदी व लाइसेंसी रिवाल्वर की चोरी की घटना घटी थी। उक्त मकान में सेवानिवृत्त रिजनल डिप्टी डायरेक्टर की बहन शिक्षिका जूही कुमारी रहती है।●

महानंदा बेसिन फेज-2 के एलाइनमेंट में बदलाव को लेकर पूर्व विधायक का मांग पत्र

● धर्मेन्द्र सिंह

महानन्दा बेसिन परियोजना के अन्तर्गत महानन्दा बेसिन फेज-02 के तेहत नागर, महानन्दा एवं रतवा नदी के दोनों ओर 199.5 किलोमीटर तटबंध बांध का निर्माण किया जाना है। जिसका टेंडर भी हो चुका है और बांध निर्माण हेतु भू-अर्जन की कार्रवाई की जा रही है। परन्तु बांध के एलाइनमेंट को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है।क्योंकि कहीं पर बांध का एलाइनमेंट नदी से दो किलोमीटर दूर है तो कहीं एलाइनमेंट 20 मीटर दूर है जिस कारण बहुत सारे गांवों बांध के एलाइनमेंट के अन्दर आ जाते हैं। ऐसे में बाढ़ के समय उक्त गांवों के जलमग्न होने का खतरा है। ग्रामीण इसी को लेकर विरोध कर रहे हैं। उक्त समस्या के समाधान हेतु कोचाधामन के लोकप्रिय पूर्व विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष सह मुजाहिद आलम ने विभागीय मंत्री विजय कुमार चौधरी से उनके

कार्यालय में भेंटकर मांग पत्र सौंपा है। मंत्री ने बताया कि उक्त समस्या के समाधान हेतु जल्द ही एक उच्च स्तरीय तकनीकी टीम स्थल निरीक्षण कर उक्त समस्या के समाधान हेतु अपनी राय देगा। तदोपरांत विभाग ग्रामीणों की आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करेगी। महानन्दा बेसिन परियोजना ही सीमांचल में नदी कटाव एवं बाढ़ से बचाव का स्थायी समाधान है। कुल पांच फेज में ये काम पूरा होना है। फेज-01 का काम पूरा हो चुका है और फेज-02 का टेंडर हो चुका है। इसके अतिरिक्त पूर्व विधायक ने मंत्री जल संसाधन विभाग विजय कुमार चौधरी से मधुबनी जिले के अररिया संग्राम में निर्मित शमिथिला हाटश के तर्ज पर किशनगंज जिले के कोचाधामन प्रखंड में शीतल नगर झील या डेरामारी झील को सुरजापुरी हाट के तर्ज पर विकसित करने की मांग की है। ताकि जिले में टूरिज्म को बढ़ावा मिले। मंत्री ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।●

एसपी ने लिया शहर सहित सदर थाना का जायजा

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार ने 03 अगस्त की अहले सुबह शहर सहित सदर थाना का जायजा लिया। एसपी अचानक 4 बजे सुबह अपने आवास से निकले। वे निरीक्षण के लिए कहां जाएंगे इसकी भनक पहले से किसी भी सुरक्षा गार्ड को नहीं थी। वे पहले शहर के चौक चौराहों में पहुंचे। डियूटी में कौन पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे और कौन नहीं थे इसकी पड़ताल की गई। इसके बाद चेक पोस्ट का जायजा लिया। शहर में कितनी गश्ती गाड़ियां घूम रही थी इसकी भी पड़ताल एसपी ने की। इसके बाद एसपी अहले सुबह ही सदर थाना पहुंचे। अहले सुबह एसपी सदर थाना पहुंचेंगे ये भनक पहले से किसी को नहीं थी। एसपी जैसे ही सदर थाना पहुंचे थाने में मौजूद पुलिस कर्मी आश्चर्य चकित हो गयें।

एसपी ने पहले ओडी डियूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी के बारे में जानकारी ली। थाना की व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के वक्त डियूटी पर कितने पुलिस कर्मी मौजूद थे यह भी जानकारी ली। साथ ही एसपी सागर कुमार के द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान शस्त्रागार, कोषागार, बैंक गार्ड, कोर्ट सुरक्षा, थाना संतरी, ओडी डियूटी एवं गश्ती दल का औचक जांच किया गया। जांच के दौरान पुलिस पदाधिकारी, कर्मी मुस्तैदी से डियूटी करते हुए पाये गए।●

अवैध खनन मामले में नौ ट्रैक्टर और एक जेसीबी जब्त

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिले के अलग-अलग जगह पर जिला खनन विभाग की कार्रवाई में नौ ट्रैक्टर सहित एक जेसीबी को जप्त किया गया है। क्षेत्र में लगातार अवैध खनन को लेकर विभाग को सूचना मिल रही थी जिस पर खनन पदाधिकारी प्रणव कुमार प्रभाकर व प्रशिक्षु डीएसपी अभिनव परासर के नेतृत्व में टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ ट्रैक्टर और एक जेसीबी को जब्त किया है। मामले को लेकर 09 अगस्त को जिला खनन पदाधिकारी प्रणव कुमार ने बताया कि अवैध खनन करने वाले को बक्सा नहीं जाएगा और आगे भी अवैध खनन परिवहन और भंडारण को लेकर कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में इस बड़ी कार्रवाई के बाद से ही अवैध खनन करने वालों में हरकंप मचा हुआ है।●

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद व्यापार पर बड़ा असर

● धर्मेन्द्र सिंह

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। इसके बावजूद इसके अलग-अलग इलाकों में हिंसा का दौर जारी है, जिसे देखते हुए भारत बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल जवानों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी गई है। बीएसएफ के वरीय अधिकारी लगातार सीमा पर नजर बनाए हुए हैं। अधिकारी अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। इन स्थितियों के कारण किशनगंज में व्यपार पर बड़ा असर देखा जा रहा है।भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा 4,096 किलोमीटर तक फैली हुई है, जिसमें से 936.415 किलोमीटर बीएसएफ के उत्तरी बंगाल फ्रंटियर के अधिकार क्षेत्र में है, जो दक्षिण दिनाजपुर जिले से कूचबिहार जिले तक पश्चिम बंगाल के 05 जिलों तक फैली हुई है। उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने 04 बीएसएफ सेक्टरों के तहत कुल 18 बीएसएफ बटालियन तैनात की है, जो अब हाई अलर्ट पर है। किशनगंज जिले से सटे बंगाल के ग्वालपोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत अलग-अलग बीओपी यथा तीनगांव, नागोर भीटा, घोषपाड़ा पर जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक बीते 5 अगस्त के बाद नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के अधीन आने वाले कई बीओपी पर बांग्लादेशी नागरिकों का अचानक ही जमावड़ा हो गया था, जो की हिंसा के डर से भारत में शरण लेना चाहते थे, जिन्हें समझा बुझा कर वापस जवानों ने बांग्लादेश भेजा है। इधर सीमावर्ती इलाके के ग्रामीणों में

बांग्लादेश की स्थिति को देखते हुए पेशानी पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही हैं। शुक्रवार को सीमा क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों ने बताया कि उनकी जमीन सीमा क्षेत्र में है और जब वो अपनी जमीन पर खेती करने जाते हैं, तो बांग्लादेशी नागरिकों से भी बात होती है। ग्वालपोखर थाना क्षेत्र स्थित चकला गढ़ गांव के ग्रामीण ने बताया कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग काफी डरे सहमे हुए हैं, जिसकी वजह से वो भारत में शरण लेना चाहते हैं, लेकिन तारबंदी और बीएसएफ की मौजूदगी के कारण भारत में प्रवेश नहीं कर पाते। ग्रामीणों ने बताया कि बांग्लादेश में रहने वाले अधिकांश हिंदू समुदाय के लोग आवामी लीग के समर्थक हैं और शेख हसीना के तख्तापलट के बाद हिंदू समुदाय के घरों में आग लगाई जा रही है। उनकी हत्या की जा रही है। ग्रामीण ने बताया कि बांग्लादेश की स्थिति भयावह है और इसके कारण व्यापार पर भी असर पड़ा है। भारत बांग्लादेश के बीच कपड़ा, मछली, अनाज, सब्जी सहित अन्य सामानों का आयात निर्यात होता है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों देशों के बीच करोड़ों रुपये का कारोबार होता है। भारत से फल आदि भेजें जाते हैं लेकिन इस उथल पुथल के कारण कारोबार ठप हो चुका है। ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हस्तक्षेप करते हुए बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को सुनिश्चित करवाना चाहिए। साथ ही शांति बहाली और व्यापार को लेकर ठोस कदम उठाना चाहिए।●

बांग्लादेशी नागरिकों ने भारतीय सीमा में घुसने का किया प्रयास

● धर्मेन्द्र सिंह

बांग्लादेश में जारी हिंसा और उपद्रव को देखते हुए भारत बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट घोषित किया गया है। गौर करे की बीते कई दिनों से बांग्लादेश में हिंसा जारी है। उपद्रव और हिंसा के भय से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी नागरिक देश छोड़ने की कोशिशों में जुटे हुए है ताकि उनके जान माल की रक्षा हो सके। उसी क्रम में 08 अगस्त को किशनगंज से सटे बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र से सटे बांग्लादेश की सीमा पर सैकड़ो बांग्लादेशी नागरिक आ गए और भारत से शरण मांगने लगे। बांग्लादेशी नागरिकों के बॉर्डर पर जमा होने की सूचना के बाद बीएसएफ कमांडेंट अजय शुक्ला, इस्लामपुर थाने के एसपी जेबी थॉमस पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर

पहुंचे और हालत का जायजा लेने के साथ साथ अधिकारियो ने बीजीबी के सहयोग से सभी नागरिकों को वापस उनके गांव भेज दिया है। सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के अधीनस्थ दो बीओपी पर घुसपैठ की कोशिश की गई। जहां अधिकारियो और जवानों द्वारा समझा बुझाकर सभी को वापस भेज दिया गया है। बीएसएफ द्वारा बताया गया की स्थिति को देखते हुए सभी बीओपी पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और आपात स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे सख्त निगरानी का निर्देश दिया गया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है की बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बनाए रखने और क्षेत्र में सभी व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सेनाएं स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और किसी भी घटनाक्रम का जवाब देने के लिए तैयार हैं।●

आखिर हिंदू ही क्यों?

● **गौतम कुमार सिंह (अधिवक्ता)**

बांग्लादेश की पहली सरकारी जनगणनावर्ष 1974 में हुई जिसके अनुसार देश की कुल जनसख्या 7.6598 करोड़ थी जिसमें से हिंदू जनसख्या मात्र 10.313 लाख जनसख्या का कुल 13.5 प्रतिशत रहगई जबकि मुस्लिम जनसख्या का 85.4 प्रतिशत हो गये। 2011की जनगणना में हिन्दू कुल जनसख्या का मात्र 8.5 प्रतिशत रह गये। अर्था बांग्लादेश में हिंदुओं की कुल सख्या मात्र12.7 लाख रह गई। इसका अभिप्राय यह है कि मात्र 50 वर्ष में बांग्ला देश से 75 लाख हिन्दू गायब हो गए। 2022 की जनगणना के अनुसार बांग्लादेश में मुस्लिमों की सख्या लगभग 15.036 करोड़ है जो की जनसख्या का 91.04% है वहीं हिन्दू की कुल जनसख्या का मात्र 7.95 प्रतिशत। जनसख्या का अध्ययन करने वाले इसे missing Hindu population कहते हैं। प्रत्येक 10 वर्ष में बांग्लादेश में 15 लाख हिन्दू कम हो गये।

☞ **क्यों कम होती जा रही है बांग्लादेश से हिन्दू जनसख्या?**

कट्टरपन्थी इस्लामिक शक्तियों के प्रभाव के बढ़ने से लोकतंत्र, धर्मनिर्पेक्षता और हिन्दु जनसख्या, तीनों का ह्रास हुआ। बांग्लादेश एक इस्लामिक राष्ट्र है। अलग-अलग समय में अलग-अलग राजनतिक दलों के सत्ता में आने पर बांग्लादेश के सविंधान में Secularism शब्द को जोड़ा निकाला जाता रहा है। राज्य की अनेक नीतियाँ हिंदुओं की प्रतिकूल हैं या कहें हिन्दू विरोधी हैं। The Vested Property Act बांग्लादेश का ऐसा काननू है जिसके अतंर्गत सरकार को यदि कोई भी व्यक्ति राज्य का शत्रु लगे तो उसकी सपंत्ति को सरकार अपने नियत्रंण में ले सकती है। अनेक हिन्दू इस काननू के कारण अपनी सपंत्ति से वंचित हुए हैं। बांग्लादेश स्थित प्रमुख कट्टरवादी इस्लामी समूह जिसमें जमात ए इस्लामी पार्टी कहते हैं। दूसरी जो है, वह टेररिस्ट ग्रुप। जिसमें अंसारुल इस्लाम, जमात उल मुजाहिदीन, हरकत उल जिहाद कहा जाता है।

☞ **बांग्लादेश में हर तीसरा शख्स था हिंदू**

अगर आजादी से पहले की बात करें तो अविभाजित भारत में 1901 में हुई जनगणना में बांग्लादेश में कुल 33 फीसदी हिंदू आबादी रहती थी. जो दिखाता है कि हिंदुओं की आबादी में लगाातर गिरावट आती जा रही है. बांग्लादेश की पहली जनगणना में हिंदुओं की आबादी जहां 9,673,048 थी और इस लिहाज से अगले 5 दशकों में यह संख्या बढ़कर 2 करोड़ के पार यानी 20,219,000 तक हो जानी चाहिए थी, लेकिन इनकी संख्या में गिरावट आती चली गई और इनकी संख्या महज 12,730,650 तक सिमट कर रह गई, तब 13.5 फीसदी थी और यह 8.5 फीसदी पर आ गई है। कहा जा रहा है कि इस दौरान देश में हिंदुओं की आबादी करीब 75 लाख कम हुई है। भारत के बंटवारे में सबसे ज्यादा नुकसान कश्मीरी, पंजाबी, सिंधी और बंगालियों को हुआ। खासकर विभाजन तो पंजाब और बंगाल का ही हुआ था। बंगाल की बात करें तो एक ऐसा दौर था जबकि अंग्रेजों द्वारा बंगाल का विभाजन किया जा रहा था तो संपूर्ण बंगालियों ने एक स्वर में इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि धर्म के आधार पर एक राष्ट्र को विभाजित कर देना बंगालियों की एकता को खंडित करना था। सभी बंगालियों का धर्म कुछ भी हो परंतु हैं सभी बंगाली। अविभाजित भारत में 1901 में हुई जनगणना में बांग्लादेश में कुल 33 फीसदी हिंदू आबादी रहती थी, जो दिखाता है कि 1971 में बांग्लादेश के रूप में आए नए देश में हिंदुओं की आबादी में लगाातर गिरावट आती जा रही है।

बांग्लादेश में जनसंख्या के अनुपात के उतार-चढ़ाव को अगर हम देखेंगे तो 1947 में भारत विभाजन हुआ। आज का बांग्लादेश तब पूर्वी पाकिस्तान के नाम से अलग हुआ यहां पर एक बात गौर देने की है चिटगांव क्षेत्र जहां की 57.5% जनसंख्या आदिवासी बौद्ध तथा हिंदू थी पूर्व पाकिस्तान को दे दिया गया स्थानीय आदिवासी जनसंख्या इसके विरोध में खड़ी हुई किंतु पाकिस्तान फौज ने निर्ममता से उनका दमन किया। 1942 में ब्रिटिश अधीन भारत में हुई जनगणना आधार वर्ष 1941 के अनुसार पूर्वी बंगाल आज का बांग्लादेश की कुल जनसंख्या तीन बिंदु 912 करोड़ थी जिसमें से 2.75 करोड़ यानी कुल जनसंख्या का 70.3% मुस्लिम थे और 1.95 करोड़ यानी कुल जनसंख्या का 28% हिंदू थे। मात्र 10 वर्ष पश्चात पाकिस्तान सरकार द्वारा 1951 में कराई गई आधिकारिक जनगणना में हिंदू जनसंख्या 22% रहेगी यानी 6% घट गई पाकिस्तान की सेवा ने पूर्वी पाकिस्तान में कट्टरवादी कट्टरपंथी ताकतों के साथ बंगाली हिंदुओं के विरुद्ध कार्यक्रम कार्यक्रम चलाया एक अनुमान के अनुसार पाकिस्तान फौज में के भीषण अत्याचारों के परिणाम स्वरुप लगभग एक करोड़ लोग जिसमें 80% हिंदू बांग्लादेश मुक्ति अभियान के समय शरणार्थी के रूप में पाकिस्तान से भारत में आये, जिसमें से 15 से 20 लाख हिंदू स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण के बाद भी कभी वापस नहीं गए। बांग्लादेश बना वर्ष 1971 में और बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा और बचाव के लिए अवामी लीग के शेख मुजीबुर रहमान और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच संधि हुई थी और जिस संधि को आप ऑन रिकॉर्ड भी देख सकते हैं। अगर ध्यान दें तो बांग्लादेश का बेसिक स्टैटिसटिक्स है बांग्लादेश बनाने का वर्ष 1971 जनसंख्या के हिसाब से लगभग 17 करोड़ और अगर डेमोग्राफी के हिसाब से देखें तो मुस्लिम 91.4% हिंदू 7.95% कल 1.31 करोड़ हिंदू 2022 का डाटा है भौगोलिक स्थिति में देखें तो बॉर्डर है बे ऑफ बंगाल, म्यांमार और भारत के मध्य है यह बांग्लादेश राज्य तंत्र तो इस्लामी राष्ट्र है और भारत की भांति संसदीय गणतंत्र है और यहां हर एक 5 वर्ष में चुनाव होता है। मुख्य राजनीतिक दल की बात अगर करें हम तो अवामी लीग है जो शेख हसीना और उनके पिता मुजीबुर रहमान की से बांग्लादेश का संस्थापक भी कहा जाता है एक तो यह है और दूसरी दूसरी प्रमुख या यूं कहीं मुख्य राजनीतिक दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी है, जिसमें कालिदाह

जिया है और जो पत्नी थी जनरल जियाउर रहमान की।

बांग्लादेश की पहली सरकारी जनगणना वर्ष 1974 में हुई, जिसके अनुसार देश की कुल जनसंख्या 7.6598 करोड़ थी। जिसमें से हिंदू जनसंख्या मात्र 10.313 लाख अर्थात जनसंख्या का कुल 13.5% रह गए, जबकि मुस्लिम जनसंख्या का 85.4% हो गए। 2011 की जनगणना में हिंदू की कुल जनसंख्या का मात्र 8.5% रह गए। अर्थात बांग्लादेश में हिंदुओं की कुल जनसंख्या मात्रा 12.7 लाख रह गई। इसका अभिप्राय है की मात्रा 50 वर्ष में बांग्लादेश से 75 लाख हिंदू गायब हो गए। ऐसा कैसे हुआ? 2022 की जनगणना के की बात करें या 2022 की जनगणना जनगणना के अनुसार बांग्लादेश में मुसलमानों की संख्या लगभग 15.036 करोड़ है जो कि जो की जनसंख्या का 91.91.04% है वही हिंदू कुल जनसंख्या का मंत्र 7.95% है जनसंख्या का अध्ययन करने वाले इस मिसिंग हिंदू पापुलेशन कहते हैं प्रत्येक 10 वर्ष में बांग्लादेश में 15 लाख हिंदू काम हो गए हैं।

अब दिमाग में एक प्रश्न उठता है क्यों कम होती जा रही है बांग्लादेश से हिंदू जनसंख्या? उसके पीछे कुछ करने पहला कारण कट्टरपंथी इस्लामी शक्तियों के प्रभाव से बढ़ने से लोकतंत्र धर्मनिरपेक्षता और हिंदू जनसंख्या तीनों का रस हुआ है। बांग्लादेश एक इस्लामी राष्ट्र है अलग-अलग समय में अलग-अलग राजनीतिक दलों के सत्ता में आने पर बांग्लादेश के संविधान में सेकुलरिज्म शब्द को जोड़ा निकाला जाता रहा है। राज्य मानिक नीतियां हिंदू के प्रतिकूल है या कहीं हिंदू विरोधी है, जिसका सबसे ज्यादा बड़ा उदाहरण जीम वेस्टेड प्रॉपर्टी एक्ट बांग्लादेश का एक ऐसा कानून है, जिसके अंतर्गत सरकार को यदि कोई भी व्यक्ति राज का शत्रु लगे तो उसकी संपत्ति को सरकार अपने नियंत्रण में ले सकती है। अनेक हिंदू इस कानून के कारण अपनी संपत्ति से वंचित हुए हैं बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं के सिर पर इस निंदा की भयानक तलवार सदा लटक लटकी रहती है अनेक हिंदू इस आरोप में भयानक हिंसा का शिकार हुए हैं तो यह भी एक कारण देखा जा सकता है जिसके कारण बांग्लादेश में हिंदू की जनसंख्या कम होती जा रही है और यह जो स्पष्ट तौर से दिख भी रहा है। हाल के वर्षों में इस निंदा के आरोप में बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं के विरुद्ध हुई घटनाएं हुई है। 2013 में जमाते इस्लामी के नेता दिलवर शहीदी को इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल द्वारा वर क्राइम्स का दोषी ठहराए जाने पर हिंदू विरोधी दंगे भड़काए गए। 2016 में मीडिया पर फैल इस निंदा के ज्वर से ब्लैक दिवाली नाम से हिंदू विरोधी दंगे हुए 2021 में दुर्गा पूजा में हुई हिंसा की घटनाएं के पश्चात पूरे बांग्लादेश में हिंदू युवतियों पर हिंदुओं के घरों पर और हिंदू मंदिरों पर हमले हुए। यहां भी सोशल मीडिया का रोल हिंदू विरोधी दंगे भड़काने में प्रभावित रहा जमाती इस्लामी बांग्लादेश का एक प्रमुख राजनीतिक दल है, जो बांग्लादेश में इस्लामी राज्य के लिए प्रतिबद्ध है। इस दल में कार्यकर्ताओं ने बीएनपी के साथ मिलकर वर्ष 2023 से छात्र आंदोलन का मुखौटा पहनकर आम समाज में प्रोटेस्ट की श्रृंखला चलाई जिसका परिणाम वर्तमान सत्ता परिवर्तन के रूप में सामने आया 2024 में हाल में बांग्लादेश में हुए सरकार विरोधी प्रोटेस्ट की आड़ में भी बांग्लादेश के 64 में से 45 जिलों में हिंदुओं से लूटपाट हिंदुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाने से लेकर हिंदुओं के प्रति व्यक्तिगत हिंसाएं की घटनाएं बड़े पैमाने पर हुई, जिसके कारण अनेक हिंदू परिवारों ने भारत में आने का प्रयास किया।

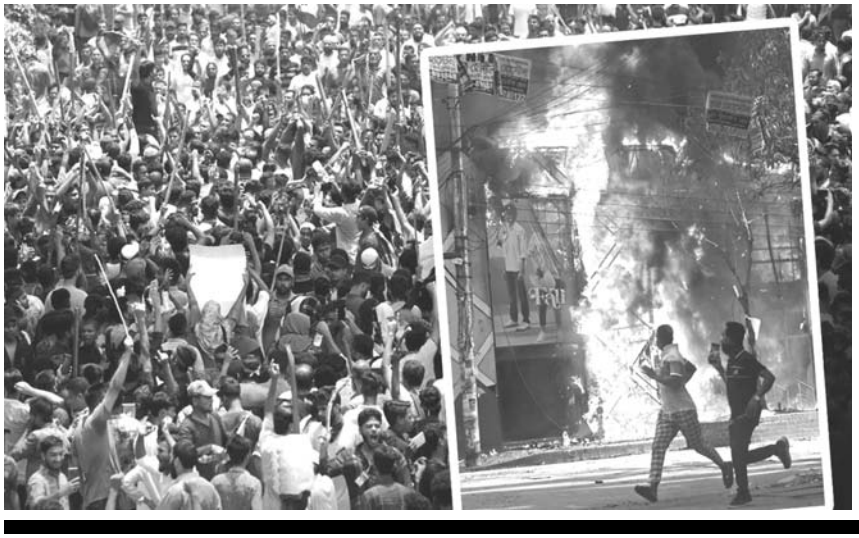

☞ **बांग्लादेश का नवीनत्तम घटनाक्रम**

शेख हसीना के नेतृत्व में यहां स्वामी लीग का चौथा कार्यकाल था। अगर अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण बांग्लादेश, अमेरिका, चीन एवं रूस जैसे अंतर्राष्ट्रीय शक्तियों के लिए सामरिक महत्व का क्षेत्र है। अगर कहे तो बांग्लादेश का स्वतंत्रता प्राप्ति का एक वर्ष पश्चात ही सरकारी नौकरियों में विशेष वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान हुआ था, जैसे की स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके वंशज के लिए 30% महिलाओं के लिए, 10% पिछले जिले के नागरिकों के लिए, 10% अल्पसंख्यक मूल निवासियों के लिए 5%,

विकलांगों के लिए एक प्रतिशत। अक्टूबर 2018 में आरक्षण में सुधार को लेकर हुए छात्र आंदोलन के परिणाम स्वरुप आरक्षण को पूर्णता हटा दिया गया। मामला बांग्लादेश के उच्च न्यायालय पहुंच गया और हाल ही में उच्च न्यायालय ने स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए पूर्वोत्तर 30% आरक्षण को पुनः बहाल करने का आदेश दे दिया। जुलाई माह के पहले सप्ताह में न्यायालय की ऐसे आदेश के विरोध में छात्रों और युवाओं के विरोध प्रदर्शन प्रारंभ हुए। 18 जुलाई से इन विरोध प्रदर्शनी प्रदर्शनों को का उग्र स्वरूप प्रारंभ हुआ, जिसके परिणाम स्वरुप शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा और सट्टा सेवा के हाथ आगे इसके साथ ही बांग्लादेश में विशेष रूप से अल्पसंख्यक हिंदुओं के प्रति बड़े पैमाने पर हिंसा प्रारंभ हो गई अंतराष्ट्रीय शक्तियों ने भी बांग्लादेशी समाज के व्याप्त फॉल्ट लाइंस का फायदा उठाते हुए विपक्षी दलों ने विद्यार्थियों को मोहरा बनाकर बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का सफल प्रयोग किया। बांग्लादेश का सर्वोच्च न्यायालय भी एक जजमेंट के द्वारा हिंसा और अवस्था बढ़ाने का माध्यम बन गया। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ने भी एक नेगेटिव बनाया कि शेख हसीना डेमोक्रेटिक है और बांग्लादेश में एक औजार की भांति प्रयोग किया गया। अंतर्राष्ट्रीय और बांग्लादेश की मीडिया ने हिंदुओं के प्रति हिंसा को राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में प्रस्तुत किया और ढाका खुलना सहित बांग्लादेश के लगभग सभी जिलों में हिंदुओं के प्रति हिंसा की घटनाएं ध्यान में आई हैं जमाई और बीएमपी के कार्यकर्ताओं ने हिंदू बहुत गांव पर संगठित हमले किया किया हम लोगों में से गांव के मुसलमानों के साथ बाहरी तत्व शामिल रहे हिंदुओं के घर और मंदिरों पर हमले हुए। उन्हे तोड़ा और जलाया गया। हिंदुओं पर हमले हुए। यदि इनमें से कोई अवामी लीग का समर्थन था तो हिंसा कई गुना अधिक हुई, उनसे भारी रकम भी वसूली गई।

निष्कर्ष की बात करें तो कट्टरपंथी ताकतों ने अतीत की पुनरावृत्ति करते हुए हिंदुओं को निशाना बनाया और हिंदुओं को पहचान कर निशाना बनाया गया। उनकी संपत्ति को लूट गया। घरों को जलाया गया। उनकी महिलाओं को शिकार बनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा हिंदुओं के नरसंहार को बहुत कमतर करके दिखाया गया।

पूरे विश्व के हिंदुओं को संगठित रूप से बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति हो रही इन सब घटनाओं का को पूरे विश्व के समक्ष रखना चाहिए क्योंकि एक किसी जात संबंध नहीं, यह एक हिंदू संबंध है और जिन पर हमलाएं हो रही हैं, जिनके प्रति यह व्यवहार अपनाया जा रहा है, जिनके प्रति यह कट्टरपंथी अपनाया जा रहा है, वह हिंदू दलित समाज है वह हिंदू दलित एक धर्म है। इसे किसी जाति विशेष के रूप में नहीं देखना है। यह बांग्लादेश का पुराना इतिहास है कि जब-जब वहां सत्ता परिवर्तन या कोई सत्ता के शिखर की अभियान शुरू होती है या तख्ता पलट होता है उसमें हिंदुओं पर हमलाएं बढ़ जाती हैं। सोचना जरूरी है, हिन्दुओं जात में बंट के वोट दें, लेकिन हिंदुओ के लिए एकजुट रहें। योगी आदित्यनाथ जी ने भी यही कहा है। माननीय पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने यह मुद्दा को बेखौफ बेझिझक उठाया है। अगर उनको वोट की राजनीति करनी होती तो यह हिंदू वाला मुद्दा उठाते ही नहीं। इसलिए कहता हूं कि ठीक है आपके और मेरे विचार अलग हो सकते हैं। आईडियोलॉजी अलग हो सकती है, लेकिन धर्म तो हमारा एक ही है हिंदू और जब हम संगठित नहीं होंगे तो लोग इसी तरह हम पर प्रहार करेंगे हमारा उत्पीड़न करेंगे और यह सदियों से होता आ रहा है। कितनी आक्रांताओं के बावजूद हम थे, हम हैं, हम रहेंगे।●

कोर्ट से आदेश का इंतजार पर मांग पर पत्र मिलने के बाद अनशन समाप्त

● गुड्डू कुमार सिंह

दिनांक 17/ 07/2024 को छात्र जदयू द्वारा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय मे अनिश्चितकालीन आमरण अनशन 7 वे दिन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के 'स्पेशल विजिलेंस इकाई' के आरोपित परीक्षा नियंत्रक को पद मुक्त करने सहित अन्य अनियमितता का एस वी यू से जाँच करवाने को लेकर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे आजाद सिंह और सदाशंकर राय का विश्विद्यालय मे मुहर्रम अवकाश के वाबजूद कुलपति के आदेशानुसार सभी अधिकारी मौजूद रहे। अनशनकारी से मैराथन वार्ता और लिखित पत्राचार मिलने पर अनशन समाप्त हुआ। जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह और संदेश जिला पार्षद विकास सिंह ने जूस पिलाकर अनशन समाप्त की और रात्री लगभग 7:30 बजे विश्विद्यालय के कुलसचिव रनविजय कुमार कुलानुशासक प्रो कौशलेंद्र ने कारवाई हेतु लिखित पत्र अनशनकारी को दी। तब जाकर अनशन समाप्त हुआ। अध्यक्ष आजाद सिंह ने कहा कि सीनेट सदस्य हो या एमएलसी विधायक सब का काला चिट्ठा निगरानी सहित सभी जाँच एजेंसी को दिया जायेगा। प्रदेश अध्यक्ष आनंद मोहन ने अनशन दूरभाष से पहुच हाल चाल पूछ मामले को गंभीरता से लिया और इस पूरे प्रकरण पर कुलपति से कारवाई की बात कही। तत्कालीन प्रदेश महासचिव युवा जदयू भाई जितेंद्र पाण्डेय ने दूरभाष के माध्यम से कुलपति ने मामले को गंभीर बता करवाई करने का आग्रह किया, बाहर रहते हुए भी कुलपति द्वारा मामले को गंभीरता से लेने पर कुलपति को बधाई दिया है।जिसके बाद छात्र जदयू अध्यक्ष आजाद सिंह और सदा शंकर राय ने पूरे प्रकरण को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुचाने की बात कही।अनशन पर बैठे छात्र जदयू अध्यक्ष आजाद सिंह और सदा शंकर राय ने कहा कि अनशन परीक्षा नियंत्रक के हटने और विश्वविद्यालय अधिनियम 1976 संशोधित धारा 69.04 का अनुपालन कर निलंबित करने, अन्य मुद्दो कंप्युटर इंचार्ज अमरेंद्र नारायण के कार्यकाल मे परीक्षा फल मे बड़े पैमाने पर हुए गड़बड़ी का सुधार प्रक्रिया का स्पेशल विजिलेंस इकाई से जाँच, छात्र संघ चुनाव की तिथि, कैन्टीन चालू करवाने, व महिला कॉलेज आरा मे सरकार द्वारा संविदा नियुक्ति रोक के वाबजूद इसी विश्वविद्यालय से पढ़ते हुए संविदा पर नौकरी का जाँच,एम. बी. ए मे सहित अन्य मुद्दो पर स्पेशल विजिलेंस इकाई से जाँच करवाने को लेकर आज महामहिम राजेन्द्र विश्वनाथ जी बिहार, और माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, सहित स्पेशल विजिलेंस इकाई को पत्र लिखते हुए कुलपति के मिलीभगत का भी जाँच की मांग की।

अनशन पर आए जदयू प्रवक्ता अंजनी सिंह ने कहा कि परीक्षा नियंत्रक को निलंबित न करना विश्वविद्यालय प्रशासन के कार्यशैली पर? प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। इन्होंने कुलपति द्वारा संज्ञान लेने को देर ही सही दुरुस्त बताया है। वही संगठन के नाज प्रवीन, अल्का पाण्डेय, ज्योति कुमारी,अजय सिंह, योगेश ने पहुच अनशन का समर्थन किया।भोजपुर जिला जदयू अध्यक्ष संजय सिंह ने छात्र संगठन का मांग को गंभीरता से लिया है। और बराबर कुलपति से संपर्क मे रह साकारात्मक पहल का प्रयास करते रहे।छात्र जदयू विश्वविद्यालय कमिटी सहित अन्य छात्र छात्रा उपस्थित रहे सोनी सिंह,सपना यादव ,मदन सेठ, मोनी गुप्ता मोनू कुशवाहा, पंकज गुप्ता, गुड्डू ओझा, भोला सिंह,गुड्डू यादव, अंजलि सिन्हा, प्रदीप कुमार, रूपेश सिंह, लीला सोनी, प्रदीप कुमार, विकास सिंह, सुमित सिंह, मोनू यादव, दीपक यादव, नवीन राय, अमित कुमार, मोहम्मद शाहिद, मुन्ना पाठक , दीपक यादव, सहित दर्जनों छात्र- छात्राएँ उपस्थित रहे। अनशनकारी के स्वास्थ्य देखभाल के लिए सिविल सर्जन भोजपुर द्वारा गठित डॉक्टर की टीम ने स्वास्थ्य डॉक्टर ने अनशनकारी छात्र नेता का स्वास्थ्य अध्ययन की। 7 वे दिन अनशन समाप्त होगया। सदा शंकर राय ने कहा कि का कारवाई पेपर मिला है करवाई नही होने पर मामले को पटना राज्य भवन के समीप विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। ●

हत्याकाण्ड में संलिप्त दो अभियुक्त गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

पीड़ीत आलोक कुमार, पिता-शैलेश कुमार राय, ग्राम-बारा, थाना-संदेश, जिला-भोजपुर का बड़ा भाई अभिषेक कुमार दिनांक-19.06.2024 को समय करीब 12:00 बजे दोपहर में अपने घर बारा से आरा के लिए यह कहकर निकले कि शाम में 05 बजे तक घर लौट आउँगा। परन्तु शाम तक घर नहीं लौटने के कारण परिवार के लोग फोन करने लगे तो मोबाईल बंद बताने लगा, काफी खोजबीन किया गया। परन्तु वादी का बड़ा भाई कहीं नहीं मिला तो वादी के द्वारा दिये गये आवेदन के आलोक में आरा नवादा थाना कांड सं0-424/24, दिनांक-20.06.2024, धारा-363 भा०द०वि० एवं परिवर्तित धारा-363/302/201/34 भा०द०वि० आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। आरा नवादा थाना के द्वारा गुम हुए उक्त व्यक्ति की तलाश की जा रही थी, इसी दौरान दिनांक-20.06.2024 को शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही रोड ब्रिज के पास 01 अज्ञात शव मिला, जिसकी पहचान अभिषेक कुमार के रूप में वादी आलोक कुमार के परिजनों के द्वारा किया गया। उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी हेतु पु०नि० राकेश कुमार रौशन, पुलिस निरीक्षक, सदर अंचल के नेतृत्व में पु०नि० कमलजीत, पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, आरा नवादा थाना, पु०अ०नि० संतोष कुमार, प्र०पु०अ०नि० बबलू कुमार, दोनो आरा नवादा एवं डी०आई०यू० टीम तथा आरा नवादा थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा आसूचना / तकनीकी आसूचना के आधार पर उक्त कांड में संलिप्त 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम (1) करण कुमार, पे०-नन्दजी महतो, सा०-पवना, थाना-पवना, जिला-भोजपुर।

(ii) सुरज कुमार, पे०-बिन्देश्वरी प्रसाद, सा०-पवना, थाना-पवना,जिला-भोजपुर। बताया जा रहा है।जिसके द्वारा अपने दिये गये स्वीकारोक्ति बयान में उक्त घटना को कारित करने की बात स्वीकार की गई और बताया कि इस कांड को कारित करने में हम दोनो के अतिरिक्त अन्य 05 अभियुक्त शामिल थे। उक्त कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु गठित टीम के द्वारा निरंतर रेड /छापामारी किया जा रहा है। जिसकी सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई। ●

जिले के सभी थाना अंतर्गत अवैध शराब का निर्माण

● गुड्डू कुमार सिंह

गिद्वा थानान्तर्गत की गई छापेमारी के क्रम में ग्राम मोखलिसा जाने वाली रोड से 210 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया हैं एवं इसमें संलिप्त 01 अभियुक्त रजनीश राम पे० रामअवधेश राम, सा० मोखलिसा, थाना-गिद्वा, जिला भोजपुर को गिरफ्तार किया गया है तथा इस संबंध में गिद्वा थाना कांड सं0-68/24, दि०-14.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2018 दर्ज किया गया हैं। चाँदी थानान्तर्गत की गई छापेमारी के कम में 200 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया हैं एवं इसमें संलिप्त 01 अभियुक्त टेंगर मुसहर पे० राजेन्द्र मुशहर, सा०-नरबीरपुर (मुशहर टोली), थाना-चाँदी, जिला-भोजपुर को गिरफ्तार किया गया है तथा इस संबंध में चाँदी थाना कांड सं0-98/24 दि0-14.07.24 धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया हैं। संदेश थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के कम में कुमार मेडिकल संदेश के पास से 25 लीटर देशी महुआ शराब, 01

मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है एवं इसमें संलिप्त अभियुक्त 1. विजय पासवान पे० इन्द्रदेव पासवान एवं 2. बुधन चौधरी उर्फ दशरथ चौधरी पे० सिद्धनाथ चौधरी दोनों सा०+थाना-संदेश, जिला-भोजपुर को गिरफ्तार किया गया है तथा इनके विरूद्ध गिद्वा थाना कांड सं0-208/24, दि0-14.07.24, धारा-30 (ए)/37 बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 दर्ज किया गया हैं। गजराजगंज थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के कम पसीखाना मोड़ सड़क के पास से 20 लीटर देशी महुआ शराब एवं 01 मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है, इनमें संलिप्त अभियुक्त-1. प्रदेश गोंड पिता कपिल गोंड, सा०-मानपुर, 2. पंकज कुमार पिता गोविन्द गोस्वमी, सा०-भदया दोनों थाना धोबहा, जिला-भोजपुर गिरफतार किया गया है तथा इनके विरूद्ध गजराजगंज थाना कांड सं0-299/24, दि०-14.07.24, धारा-317 (5)/3 (5) बी.एन.एस. एवं 30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया हैं। 5. बिहिया थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के कम में 15 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया है एवं इस संबंध में बिहियों थाना कांड सं0-218/24, दि०-14.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधि नियम-2018 दर्ज किया गया हैं। इस प्रकार भोजपुर जिलान्तर्गत दिनांक 15.07.2024 को अवैध शराब के विरूद्ध चलाये गये विशेष समकालीन अभियान के दौरान 1. देशी महुआ शराब-470 लीटर एवं 02 मोटरसाईकिल को बरामद किया गया हैं तथा इसमें संलिप्त कुल-05 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया हैं। जिसकी सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा दी गई।●

अंग्रेजी शराब की बरामदगी के साथ दो शराब माफिया गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

दिनांक-12.07.2024 को समय करीब 05:30 बजे अपराह्न में कोईलवर थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आरा से पटना की ओर शराब तस्करों के द्वारा 01 ट्रक से अवैध शराब की तस्करी की जा रही हैं। उक्त आसूचना का सत्यापन, शराब की बरामदगी एवं इसमें संलिप्त शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-02 के नेतृत्व में पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, नरोतम चन्द्र, पु०अ०नि० जीतेन्द्र कुमार तिवारी, दिवा गस्ती पदाधिकारी पु०अ०नि० रामजन्म कुमार, प्र०पु०अ०नि० मुकेश कुमार साहु, प्र०पु०अ०नि० सुधाकर कुमार साह, पु०स०अ०नि० फिरोज आलम सभी कोईलवर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जब एन0एच0-922 मनभावन मोड़ के पास पहुँचा तो आरा की ओर से आ रही एक केशरिया रंग की ट्रक रोकने का ईशारा किया गया तो ट्रक चालक द्वारा गाड़ी को रोका गया। ट्रक के रूकते ही ट्रक के सह चालक भागने का प्रयास करने लगा परन्तु पुलिस बल के

द्वारा पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम :-

1. राजा कुमर पिता-श्री रामप्रवेश सिंह, सा०-गनियारी, थाना-सकरा,जिला-मुजफ्फरपुर।
2. गोलु कुमार पिता महेन्द्र महतो, सा०-बेलागढ़ चौक द्वारिका लेन, थाना-बेला, जिला-मुजफ्फरपुर। बताया जा रहा है।

विधिवत् तलाशी के कम में ट्रक से विभिन्न ब्राण्ड का 4092 बोतल प्रत्येक 750 एम०एल० का, कुल-3069 लीटर एवं 375 एम०एल० का कुल-888 बोतल कुल 333 अंग्रेजी शराब बरामद, कुल शराब 3402 लीटर बरामद / जप्त किया गया। इस संबंध में कोईलवर थाना कांड सं0-289/24, 2.07.2024, धारा-318 (4)/338/336(3)/340(2)/61 (2)/ बी०एन०एस०, धारा-30 (ए)/32(1) (2) / 41 (1) (2) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया हैं। जिसकी सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई।●

शराब बेचने के विरोध में अपराधियों ने मारी गोली

● गुड्डू कुमार सिंह

नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव में शनिवार की देर शाम शराब बेचने का विरोध करने पर पेट्रोल पंप संचालक और उसके भतीजे को अपराधियों ने गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से भाग निकले। घायलों में नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव निवासी अशोक सिंह का बेटा सह पेट्रोल पंप संचालक अभिषेक कुमार (25) और ओम प्रकाश सिंह का बेटा अर्जुन सिंह (19) शामिल है। घायल पेट्रोल पंप संचालक को गोली दाहिने साइड पीठ और पंजरी में मारी गई है। वहीं, उसके भतीजे को दाहिने साइड पंजरी में गोली लगी है। परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार और नवादा थानाध्यक्ष कमल जीत पुलिस बल के साथ आरा के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल पहुंचे। घायलों से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली। इसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस मामले में सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि देर शाम बहिरो में 2 युवकों को गोली लगी है। उन्होंने बताया कि शराब बेचने के विरोध करने पर ये विवाद हुआ है। एक पक्ष द्वारा वहां शराब बेचा जा रहा था। इसको लेकर दूसरे पक्ष द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई भी की थी। इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष द्वारा इसका विरोध किया गया कि पुलिस को सूचना क्यों दी गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ और उसी में गोली चली है। इसमें दोनों युवकों को गोली लगी है। वहीं, परिचय कुमार ने कहा कि पुलिस अपनी कार्रवाई कर रही है। इसमें जो भी अभियुक्त होंगे उनकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी भी कर रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर, घायल पेट्रोल पंप संचालक अभिषेक सिंह ने बताया कि गांव में ही कुछ लोग उन लोगों के घर के आगे देसी शराब बेचते हैं। इसको लेकर उनके मोहल्ले के ही एक बड़े भाई राजेंद्र प्रसाद सिंह के बेटे रवि रंजन सिंह द्वारा शुक्रवार को विरोध किया गया था। इसको लेकर उन लोगों द्वारा मारपीट की गई थी। मारपीट के दौरान घायल हो गए थे। शनिवार की देर शाम जब वह अपने गांव में घर के बगीचे में बैठा था। तभी चार-पांच की संख्या में वहां अपराधी आए और उसे बुलाया। जब वह वहां गया तो उनके द्वारा उस पर ताबातोड़ फायरिंग कर दी गई। इसमें दोनों चाचा-भतीजे को गोली लग गई।●

चाँदी थानान्तर्गत एक ट्रक अवैध लदा बालू जप्त

● गुड्डू कुमार सिंह

समय करीब 09 बजे चाँदी थानान्तर्गत सोन नदी के किनारे ग्राम विषुनपुर एवं खनगाँव, बहियारा एवं फरहंगपुर आदि विभिन्न बालू घाटों पर अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध भोजपुर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा छापामारी के क्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-02, सदर, के नेतृत्व में पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन थानाध्यक्ष चाँदी थाना एवं थाना के शस्त्र बल तथा पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष संतोष कुमार संदेश थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ जिला खनन पदाधिकारी की संयुक्त टीम के द्वारा छापामारी की गई। छापामरी के क्रम में समय करीब 9.10 बजे नव निर्माणाधीन चाँदी थाना के भवन के मोड़ के पास एक ट्रक बिना खनिज पास/चलान के सोन बालू लोड पाया गया। पुलिस की लगातार छापामारी को देखकर उक्त ट्रक के चालक पहले ही ट्रक छोड़कर भाग गये थे। इस संबंध में चाँदी थाना कांड सं0-99/2024 दिनांक-15.07.24 धारा-303 (2)/317 (2) भा०न्या०सं० एवं खनन के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा अग्रतर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। ●

अपराधियों एवं अभियुक्तों के विरूद्ध कार्रवाई जारी

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिला के सभी थाना/ओ०पी० अन्तर्गत पुलिस के उपर हमला के साथ-साथ अन्य गंभीर कांडों में कुल 62 गिरफ्तारी तथा आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर चलाये जा रहे विशेष समकालीन अभियान के तहत अवैध शराब का निर्माण, बिकी, भंडारण एवं तस्करी की रोकथाम के दौरान की गई महत्वपूर्ण उपलब्धि :-

☞ कृष्णागढ़ थानान्तर्गत की गई छापेमारी ग्राम-घाघड़ में कच्ची सड़क के किनारे से 80 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया तथा इस संबंध में कृष्णागढ थाना कांड सं0-67/24, दि०-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया हैं।

☞ चाँदी थानान्तर्गत की गई छापेमारी के कम में स्थान चमरा बगैचा के पास से 70 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया हैं तथा इसमें संलिप्त 02 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है तथा उसके विरूद्ध चाँदी थाना कांड सं0-92/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया हैं।

☞ तरारी थानान्तर्गत की गई छापेमारी के कम में 40 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया हैं एवं इसमें संलिप्त 02 अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए उसके विरूद्ध तरारी थाना कांड सं0-138/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधि नियम-2018 दर्ज किया गया हैं एवं तरारी थाना कांड सं0-139/24, दि०-10.07.24, धारा-30

(ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 में 40 लीटर देशी महुआ शराब एवं 01 मोटरसाईकिल बरामद कर 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।

☞ गिद्धा थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के कम में वीरमपुर बगीचा के पास से 40 देशी लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया है एवं इसमें संलिप्त 01 अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए इस संबंध में गिद्धा थाना कांड सं0-67/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है।

☞ बिहियों थानान्तर्गत की गई छापेमारी के कम में 15 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया एवं इस संबंध में बिहिया थाना कांड सं0-209/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है।

☞ सिकरहट्टा थानान्तर्गत की गई छापेमारी के क्रम में 11 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया एवं इसमें संलिप्त 01 अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए इस संबंध में सिकरहट्टा थाना कांड सं0-74/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है।

☞ बड़हरा थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के क्रम में 10 लीटर देशी महुआ शराब एवं 01 मोटरसाईकिल बरामद किया गया है तथा इस संबंध में बड़हरा थाना कांड सं0-225/24, दि०-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है।

☞ संदेश थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के क्रम में 10 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया तथा अज्ञात के विरूद्ध संदेश थाना कांड सं0-202/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधि नियम-2018 दर्ज किया गया है एवं संदेश थाना कांड सं0-201/24, दि0-10.07.24, 30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधि नियम-2018 में 06 लीटर देशी महुआ शराब बरामद करते हुए 01 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

☞ जगदीशपुर थानान्तर्गत की गयी छापेमारी के कम में 07 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया तथा इसमें संलिप्त 02 व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए इस संबंध में जगदीशपुर थाना कांड सं0-234/24, दि0-10.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है।

इस प्रकार भोजपुर जिलान्तर्गत दिनांक-10.07.2024 को अवैध शराब के विरूद्ध चलाये गये विशेष समकालीन अभियान के दौरान देशी महुआ शराब-329 लीटर एवं 0.72 लीटर विदेशी तथा 03 मोटरसाईकिल बरामद किया गया हैं तथा इसमें संलिप्त कुल 35 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया हैं। भोजपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई जानकारी।●

अंग्रेजी शराब के साथ एक नाव जप्त

● गुड्डू कुमार सिंह

आगामी मुहर्रम पर्व के मद्देनजर विधि-व्यवस्था संधारण एवं अवैध शराब के विरूद्ध लगातार रेड /छापामारी के क्रम में लगभग 4.5 लाख रूपये मूल्य की 449.28 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक नाव बरामद। समय करीब 12:30 बजे अपराह्न में शाहपुर थानान्तर्गत गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दुशधाघाट सुहियों नदी के किनारे शराब तस्करों के द्वारा 01 नाव से अवैध शराब की तस्करी की जा रही हैं। उक्त आसूचना का सत्यापन, शराब की बरामदगी एवं इसमें संलिप्त शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जगदीशपुर के नेतृत्व में पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, कुमार रजनीकान्त, प्र०पू०अ०नि० अंकित कुमार गुप्ता, ए०एल०टी०एफ०-४, प्रभारी मंटू कुमार, सभी शाहपुर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जब दुसधाघाट सुहियों नदी किनारे के पास पहुँचा तो काले रंग के लकड़ी के नाव से एक व्यक्ति पुलिस के गाड़ी को देखकर नदी में छलांग लगाकर भागने में सफल रहा। उक्त नाव को जप्त कर विधिवत् तलाशी के कम में नाव से विभिन्न ब्राण्ड का 449.28 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद / जप्त किया गया। इस संबंध में शाहपुर थाना कांड स 0-243/24, दिनांक-13.07. 2024, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है। जिसकी सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा दी गई।●

घटना को अंजाम देने से पूर्व ही अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

घटना को अंजाम देने से पूर्व 04 कुख्यात अपराधकर्मी, 04 अवैध अग्नेयास्त्र, 05 मैग्जीन एवं 12 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार।समय करीब 15.45 बजे पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आरा नवादा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मिल्की अनाईट स्थित धनंजय कुमार के घर पर पटना जिला के 04 कुख्यात अपराधकर्मी हरवे हथियार के साथ छिपे हुए है, जो किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है।

उक्त आसूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र की बरामदगी एवं अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष कमलजीत, आरा नवादा थाना के नेतृत्व में पु०अ०नि० सुबोध कुमार, पु०अ०नि० अनिल कुमार राय आरा नवादा थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों, डी०आई०यू० की टीम एवं एस०टी०एफ० के साथ एक विषेश टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए समय करीब 16.20 बजे उक्त घर के पास पुलिस टीम पहुँची तो 04 युवक उस घर के निकल कर भागने का प्रयास करने लगे, जिसे सशस्त्र बलों के सहयोग से पकड़ा गया तथा उक्त घर की विधिवत् तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में 03 पीस्टल, 01 देशी कट्टा, 12 जिंदा कारतूस, 05 मैग्जीन के साथ अन्य सामान बरामद हुआ है। इस संबंध में आरा नवादा थाना कांड सं0-516/24, दि०-16.07.24, धारा-110/111 बी०एन०एस० एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया हैं। विदित हो कि उपरोक्त कुख्यात अपराधकर्मी का आपराधिक इतिहास भोजपुर जिला के अतिरिक्त कई अन्य जिलों में भी विभिन्न काण्डों के आरोपी रहा है।

☞ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम :-** (1) आदर्श कुमार उर्फ छोटे पे०-निरज शर्मा, सा०-निसरपुरा, थाना-बिकम जिला-पटना। (2) कृष्णमुरारी उर्फ रूद्र सिंह, पे०-सुनील शर्मा, सा०-महुआर, थाना बिहटा, जिला-पटना। (3) अमन कुमार उर्फ अमन सिंह, पे०-सुनिल कु० शर्मा सा० बरखुरदारचक थाना-नौबतपुर जिला-पटना।(4) दयानन्द दूबे उर्फ छोटे, पिता-विश्वनाथ दूबे, ग्राम-महुआर, थाना-बिहटा बताया जा रहा है। जिसकी सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई।●

गांजा के साथ एक गांजा तस्कर गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

विधि-व्यवस्था संधारण हेतु एवं मादक पदार्थों के खिलाफ रेड /छापेमारी के क्रम में आरा नगर थानान्तर्गत कुल 9.599 किलोग्राम गांजा के साथ 01 गांजा तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। बताते चले की समय करीब 11.00 बजे पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आरा नगर क्षेत्रान्तर्गत मुहल्ला रघुटोला स्थित बारह नंबर लख के पास एक व्यक्ति सूरज कुमार उर्फ सुनिल कुमार के घर में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ है। जो गांजा तस्कर है, चोरी छिपे गांजा की खरीद-बिकी का काम करता है। उक्त आसूचना का सत्यापन, अवैध मादक पदार्थ की बरामदगी एवं अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु पु०नि० देवराज राय, पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष आरा नगर थाना के नेतृत्व में पु०अ०नि० गुरु प्रसाद, पु०अ०नि० रामाकांत मांझी एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विषेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए समय करीब 12.05 बजे मुहल्ला रघुटोला उक्त व्यक्ति के घर पर पहुँची तो पुलिस की टीम को देखकर एक व्यक्ति अपने घर से भागने लगा जिसे सशस्त्र बलों के सहयोग से पकडा गया तथा उसके घर की विधिवत तलाशी लगी गयी, तलाशी के क्रम में उसके घर के अन्दर एक कमरे के कोने में रखा दो लाल रंग के प्लास्टिक के बोरा में कुल-9.599 कि०ग्रा० गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम सुरज कुमार, उर्फ सुनिल कुमार, पिता-स्व० मनोज साह सा०-रघुटोला थाना-आरा नगर जिला-भोजपुर।बताय जा रहा है तथा इस संबंध में आरा नगर थाना कांड सं0-425/24, दि0-13.07.24, धारा-20 (इ) (पप)/29 छक्चै ।बज दर्ज किया गया हैं।●

गोली मारने की घटना में संलिप्त तीन अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

नवादा थानान्तर्गत पुलिस की त्वरित कार्रवाई नवादा थाना क्षेत्र में दो लोगों की गोली मारने की घटना में संलिप्त 03 अपराधी, 01 अवैध अग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार वादी अभिषेक कुमार सिंह पिता अशोक सिंह, सा०-बहिरो, थाना आरा नवादा जिला-भोजपुर के द्वारा बताया गया कि दिनांक-20.07.24 को समय करीब 8:30 बजे संध्या में अपने दोस्त अर्जुन कुमार सिंह, पिता-ओम प्रकाश सिंह एवं आदर्श कुमार, पिता अर्जुन सिंह के साथ गांव के बगल में घुमने के लिए निकले थे घर लौटने के क्रम में बीर सिंह के आम का बगीचा के पास पहुँचे थे तो वहाँ पर पहले से घात लगाकर ग्राम बहिरों के ही प्राथमिकी के नामजद 05 अपराधकर्मी एवं 4-5 अज्ञात लोग वादी एवं उनके दोस्तों उपर पिस्टल से फायर करने लगे। जिससे एक गोली वादी के दाहिने सिना के उपर एवं कंधा के निचे लगा एवं 02 गोली वादी के दोस्त अर्जुन सिंह को लगा तथा तीसरा दोस्त आदर्श कुमार से भी अपराधीयो ने मार-पीट किया गया तथा इस घटना के संदर्भ में

आरा नवादा थाना कांड सं0-534/24 दिनांक-21/07/24 धारा-191 (1)(3)/190/127 (1)/115(2)/109/352/351 (3) भा०न्या०सं० एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। अपराधियों की गिरफ्तारी एवं घटना में प्रयुक्त अग्नेयास्त्र की बरामदगी हेतु पृ०नि०-सह-थानाध्यक्ष कमल जीत आरा नवादा के नेतृत्व में पु०अ०नि० सुबोध कुमार, प्र०पु०अ०नि० चन्देश्वर कुमार, डी०आई०यू० की टीम एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा तकनीकी सूचना के आधार पर त्वरित कारवाई करते हुए समय करीब 03:30 बजे पूर्वाह्न में नवादा थानान्तर्गत झंझरिया पुल ग्राम बहिरो से उक्त काण्ड में प्राथमिकी के नामजद 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तों के निशानदेही के आधार पर इस काण्ड में प्रयुक्त आग्नेयास्त्र 01 पिस्टल तथा 01 जिंदा कारतूस को बरामद किया गया। फलाफल की विवरणी इस प्रकार है:-(1) रौशन यादव, पिता-धर्मेन्द्र यादव उर्फ धम्पा यादव,ग्राम-बहिरो, थाना-आरा नवादा, जिला-भोजपुर।(पप) गोलु यादव, पिता-सुदामा यादव, ग्राम-बहिरो, थाना-आरा नवादा, जिला-भोजपुर। (पपप) बिटू यादव, जिला-भोजपुर। पिता-स्व० उमाशंकर यादव, ग्राम-बहिरो, थाना-आरा जिसका सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई। ●

कोईलवर थानान्तर्गत एक ट्रक अंग्रेजी शराब जप्त

● गुड्डू कुमार सिंह

कोईलवर थाना अंतर्गत समय करीब 10:00 बजे पूर्वाह्न में कोईलवर थानान्तर्गत गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि आरा छपरा जाने वाली एन०एच० रोड स्थितजमालपुर के पासएक ट्रक रोड के दाहिने तरफ झुक गया है, जिसमें भाराब लदा हुआ है। उक्त आसूचना का सत्यापन, शराब की बरामदगी एवं इसमें संलिप्त शराब तस्करों की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-02 के नेतृत्व में पु०नि०-सह- थानाध्यक्ष, नरोतम चन्द्र, स०अ०नि० गंगा प्रसाद सहनी सभी कोईलवर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जब आरा छपरा जाने वाली एन०एच० रोड स्थित जमालपुर के

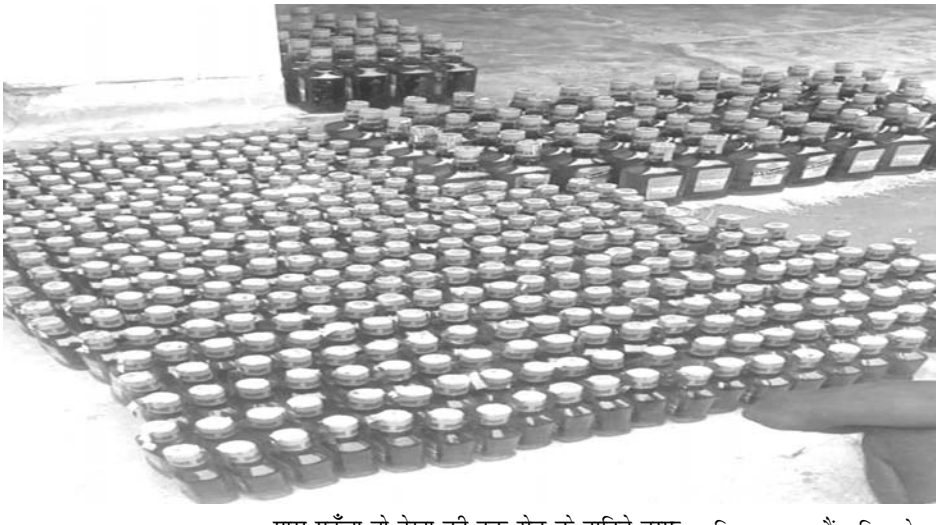

पास पहुँचा तो देखा की ट्रक रोड के दाहिने तरफ झुका हुआ है तथा भाराब का बोतल तथा कर्टून रोड किनारे खेत में गिड़ा हुआ था। विधिवत् तलाशी के कम में ट्रक से विभिन्न ब्राण्ड का 552 बोतल प्रत्येक 750 एम०एल० का, कुल-414 लीटर, 375 एम०एल० का कुल-912 बोतल कुल 342 ली०, एवं 180 एम०एल० काकुल-5712 बोतल कुल-1028.16 ली०अंग्रेजी शराब बरामद, कुल शराब 1784.16 लीटर बरामद / जप्त किया गया। इस संबंध में कोईलवर थाना कांड सं0-291/24, दिनांक-13.07.2024, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधि नियम-2018 दर्ज किया गया हैं। जिसके सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव द्वारा दी गई।●

भोजपुर पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई जारी

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिला के सभी थाना/ओ०पी० अन्तर्गत अवैध शराब का निर्माण, बिक्री, भंडारण एवं तस्करी की रोकथाम हेतु चलाये गये विशेष समकालीन अभियान के दौरान की गई महत्त्वपूर्ण उपलब्धि :-

☞ गिधा थानान्तर्गत की गई छापेमारी में कायमनगर स्थित एन०एच० से 150 लीटर देशी महुआ शराब एवं 01 स्कूटी बरामद किया गया है एवं इसमें संलिप्त 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया हैं तथा इस संबंध में गिधा थाना कांड सं0-64/24, दि०-06.07.24, धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया हैं।

☞ उदवंतनगर थानान्तर्गत की गई छापेमारी में ग्राम असनी से 120 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया हैं तथा इस संबंध में उदवंतनगर थाना कांड सं0-298/24 दि0-06.07.24 धारा-30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 दर्ज किया गया है।

इस प्रकार भोजपुर जिलान्तर्गत दिनांक 06.07.2024 को अवैध शराब के विरुद्ध चलाये गये विशेष समकालीन अभियान के दौरान 1. देशी महुआ शराब-270 लीटर एवं 01 स्कूटी बरामद किया गया हैं तथा इसमें संलिप्त कुल 17 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया हैं। ●

सुरक्षित बक्सर परन्तु भ्रष्टाचार व शराबमुक्त नहीं : हाशीम शाह

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिले की जनता की बात को आधार माना जाय तो बक्सर जिला वर्ष-2013 से अपने आपको सुरक्षित महसुस करता आ रहा है, जिसको नकारा नही जा सकता है। जानकारी के लिए बता दूँ कि 2013 में पुलिस अधीक्षक श्री उपेन्द्र कुमार वर्मा जबकि नगर थानाध्यक्ष श्रीमति नीतू प्रिया थी, जिन्होने महिलाओ के मन से मनचलो के द्वारा किये जा रहे हरकतों को दूर किया, जिसके परिणमस्वरूप बक्सर नगर की महिलाये बिना डर बाजार करने लगी। और परिस्थितियॉ आज भी वैसे ही है। जिसका श्रेय बक्सर पुलिस को जाती है। उपरोक्त बाते जनाब हाशीम शाह ने केवल सच प्रतिनिधि को सदर प्रखण्ड बक्सर परिसर में जानकारी दी। जनाब शाह ने कहा कि अगर जिला में स्थित थानो का अवलोकन किया जाय तो नवानगर थाना अफवाह व शराब पर लगभग सफलता पा चुका है तो वही अनुसुचित/जनजाति थाना बक्सर कांडो को निष्पादन करने में अव्वल है। राजपुर थाना की बात करते हुए जनाब शाह ने कहा कि राजपुर थाना के द्वारा महज चार घंटे में अपराधी को हथियार के साथ गिरफतार करना अपने आप में बहुत मायने रखती है। जबकि ब्रहम्मपुर थाना भी मात्र 6 घंटे में एन एच-922 पर तीन बार शराब बरामद करना भी कर्तव्यनिष्ठता एक अहम मिशाल

है। हांलाकि शराबबंदी पर जनाब शाह ने कहा कि ऐसा नही कि जिले में शराबबंदी पूर्णत: लागु है बल्कि नगर थाना के खलासी मुहल्ला और कृष्णब्रहम्म थाना के नोनिया डेरा शराब का तालाब बना हुआ है जबकि टुडीगंज नशा हेरोइन का थोक विक्रेता बना हुआ है जो जॉच का विषय है। परन्तु ब्रहम्मपुर थाना नशा हेरोइन का उभरता बाजार बनता जा रहा है। उन्होने कहा कि बक्सर पुलिस की कर्तव्यनिष्ठता के कारण ही आज जिलेवासी अपने आपको सुरक्षित महसुस कर रहे है। भ्रष्टचार पर जनाब शाह ने कहा कि सुशासन बाबु बिहार सरकार के अनुसार भुमि विवाद के कारण ही बिहार में भ्रष्टाचार व अपराध का मुख्य कारण है।साथ ही बडी मठिया महर्षि विश्वामित्रआश्रम भी अछुता नही है, जिसमें चुडी बाजार से प्रत्येक दिन दुकानदारो से किराया लिया जाता है, परन्तु किस बैक में जमा किया जाता है, ये किसी भी पदाधिकारी समजासेवी व संस्था को जानकारी नही है। भ्रष्टाचार को अंगुली पर गिनती करते हुये जानकारी दी कि जिला के किसी भी प्रखण्ड में बिना अवैध राशि लिये बिना प्रमाण पत्र नही दिया जाता है। जबकि अंचल कार्यालय में किसी भी प्रकार का नकल लेने पर भी सेवा शुल्क देना पडता है वरना अंचल कार्यालय का चक्कर काटना पडता है। जिले का अंचल कार्यालय, अवर निबंधन कार्यालय में बिना सेवा शुल्क का नकल लेना असम्भव है। भवन प्रमण्डल बक्सर के कार्यो के बारे में जानकारी दी कि ब्रहम्मपुर प्रखण्ड के पोखरहा पंचायत के राजपुर में नवनिर्मित स्वास्थ्य केन्द्र का लोकापर्ण भी नही हुआ की दीवारो में दरार पडने लगी,वैसे भी भवन प्रमण्डल की सभी कार्य लगभग भवानी भरोसे ही चल रहा है जो जॉच का विषय है। उन्होने कहा कि जिले में भ्रष्टाचार का मुख्य एक कारण यह भी है कि एक कर्मचारी को विगत कई वर्षो तक एक ही स्थान पर कार्य करना भी भ्रष्टचार का मुख्य कारण है जैसे पथ निर्माण विभाग बक्सर में कैशियर एवं सदर अस्पताल बक्सर में स्वास्थ्य प्रबंधक इसका मुख्य प्रमाण है। ●

महर्षि विश्वामित्र आश्रम बड़ी मठिया रामरेखा घाट एक नजर में

● बिन्ध्याचल सिंह

महर्षि विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर से सम्बन्धित विविध वाद संख्या-108/2022 दिनांक 24/03/2023 को माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ द्वारा पारित आदेश की कंडिका 16 सी/डी/एवं ई के अनुपालनार्थ समर्पित प्रतिवेदन के आलोक में बडी मठिया रामरेखा घाट गंगा तट पर स्थित प्राचीन मंदिर है मंदिर परिसर में प्रवेश एवं निकास हेतु मुख्यत: छ: दरवाजों का निर्माण किया गया है। मंदिर परिसर में कुल सात देवताओं की मूर्तियॉ प्रतिस्थापित है एवं अभिलेख के अनुसार कुल सात न्यासियो की सूची में सातवॉ न्यासी श्री चन्द्रमा दास जी है जो 1989 से सम्पूर्ण व्यवस्था में है। जब कि कुल 12 कर्मचारी मंदिर परिसर में सेवा देते है। जिसमें एक नाम है केदारनाथ सिंह जो बक्सरवासियो के नजर में मंदिर का मंहथ है। श्री चन्द्रमा दास एक कठपुतली है। अनुमण्डल पदाधिकारी,बक्सर के पत्रांक-229गो0 दिनांक 02/05/2023 का धज्जियॉ उडाने वाले और श्री सिंह अनुमण्डलाधिकारी बक्सर को खुला चौलेज देते आ रहे है। अध्यक्ष अखिलेश कुमार जैन के एक आदेश जो 07/10/2021को तार-तार करने वाले भी श्री सिंह ही है। आपको बताते चले कि इस आदेश के अनुसार- वर्तमान में 10 मार्केट मठिया में है, कुल 352दुकाने और 14निवास के रूपमें किरायादार है। जबकि 39 नये दुकान का निर्माण किया गया है। जो शंकर पार्वती मार्केट में प्रथम तल द्वितीय तल पर किया गया है। महिर्ष विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर के नियमानुसार एक व्यक्ति को एक-एक दुकान आवंटित करना है जबकि महंत श्री चन्द्रमा दास के द्वारा एक-एक व्यक्ति को अधिकतम 29 दुकान भी दे चुके है जो जॉच का विषय है। आपलोगो को जानकर आश्चर्य होगा कि मठिया का विधि सलाहकर श्री केदारनाथ सिंह को 14 दुकाने है। जिसकी जानकारी केवल सच प्रतिनिधि को जनहित याचिकार्ता ने जानकारी दी। जबकि श्री केदारनाथ सिंह स्वंय का एक भी दुकान नही रखे है बल्कि सभी दुकाने किराये पर दे चुके या बेच चुके है जिसके एवज में अधिकतम 35 लाख रू0 एक-एक दुकान से लिये है। उपरोक्त जानकारी जनहित याचिकर्ताओ ने उपलब्ध कराई है। जो गहन जॉच का विषय है। प्रिय पाठकगण आपलोगो को जानकारी देना चाहता हुँ कि विगत तीन-चार वर्षो से मठिया के विधि सलाहकार श्री केदारनाथ सिंह रामरेखा घाट पर चर्चाए करते रहते है कि कुछ असमाजिक तत्व मठिया के विधि-व्यवस्था मे व्यवधान उत्पत्र करते है। जिसकी सच्चाई यह है कि 1989 से मठिया के आय-व्यय का लेखा-जोखा नही है। जबकि महर्षि विश्वामित्र आश्रम में सालाना लाखो की आय व खेती से लाखो का अनाज होता है जिसका कोई हिसाब-किताब नही है। इन सभी भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले को अक्सर असमाजिक तत्व कहा जाता है। जबकि दिनांक-01/08/2024 सुबह के 07बजकर 44मिनट का चुडी बाजार में लगी सीसीटीवी का फुटेज देखा जाय तो स्पष्ट हो जायेगा कि महर्षि विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर में असमाजिक तत्व कौन है। घटना के सम्बन्ध में बताते चले कि 31जुलाई 2024 के दिन चुडी बाजार के दुकान नम्बर-25 के मालिक के द्वारा अपनी दुकान का मरम्मत कार्य कर रहे थे। उसके सुबह यानि 01/08/2024 के सुबह 7बजकर 44 मिनट पर मठिया के कर्मचारी और विधि सलाहकार लाठी-डंडा लेकर दुकानदार को मारपीट के नियत से चुडी बाजर में दस्तक दिये परन्तु समझदार दुकानदार ने स्थित को भांपते हुये मामला को सुलझाया जो चुडी बाजार के सीसीटीवी में कैद है। जिसमें केदारनाथ, हरिवंश, सुरेश महतो डाईवर, अमरेश कुमार इत्यादि शामिल है। वैसे भी मंहत श्री चन्द्रमा को न तो चुडी बाजार की साफ-सफाई से लेना-देना है और न ही उनकी मरम्मत से बस केवल रिवेन्यूवल के नाम पर दुकानदारो से अवैध राशि लेना है। चुडी बाजार रामरेखा घाट, बक्सर पर 2022 में जनहित याचिका दायर है फिर भी दुकानदारो से रिवेन्युवल कराने के नाम पर तीन से चार लाख रू0 लिया जा रहा है, उपर्युक्त बात की जानाकरी पीडित दुकानदार ने नाम नही छपने की शर्त पर बताई। जानकारो के अनुसार अपर जिला सत्र न्यायाधीश चतुर्थ, अनुमण्डलाधिकारी के आदेश के बावजुद भी श्री केदारनाथ सिंह मठिया में रह रहे है। जो पूर्णत: अवैध व प्रशासन को खुली चुनौती भी। इतना ही नही बडी मठिया और चुडी बाजार के अधिकतर कागजातो पर महंत का फर्जी हस्ताक्षर भी मिलेगे। उपरोक्त सभी बातो को गहनता से विचार व चुडी बाजार में लगी सीसीटीवी के फुटेज, बडी मठिया के सम्बन्धित कागजात की जॉच, दुकानदारो का दर्द, मठिया के आय-व्यय, असमाजिक तत्व की परिभाषा आपको स्वयं ही प्राप्त हो जायेगी। और आपको जरूर आभास होगा कि भोजपुरी कहातव-''घर वाला वर त-वर वाला घर में''। ●

दो अवैध अग्नेयास्त्र एवं 7 जिंदा कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस की बड़ी उपलब्धि नारायणपुर थानान्तर्गत बड़ी घटना को अंजाम देने से पूर्व 01 अपराधकर्मी, 02 अवैध अग्नेयास्त्र एवं 07 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार:- समय 17:30 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चासी में एक व्यक्ति कलक्टर सिंह और इसका बेटा विवेक सिंह हथियार लेकर गाँव में घुमता रहता है जिससे गाँव के लोगों में दहशत कायम है। रेड /छापामारी करने पर उसके पास से हथियार बरामद किया जा सकता है। उक्त आसूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र की बरामदगी तथा अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु पु०अ०नि० राकेश कुमार, थानाध्यक्ष नारायणपुर थाना के नेतृत्व में प्र०पु०अ०नि० कन्हैया कुमार यादव, स०अ०नि० अरविन्द कुमार दोनों नारायणपुर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए समय करीब 18.40 बजे ग्राम चासी उक्त व्यक्ति के घर के पास पहुंचा तो पुलिस टीम को देखते हीं 02 व्यक्ति भागने लगा, जिसमें से एक व्यक्ति को सशस्त्र बलों के सहयोग से खदेड़कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार अपराधी का नाम कलक्टर सिंह, पिता स्व० धुरा सिंह, सा०-चासी, थाना-नारायणपुर, जिला-भोजपुर। बताया जा रहा है पकड़ाये गये व्यक्ति के घर की विधिवत् तलासी लिया गया तो उसके घर के एक रूम में रखे 02 देशी गन तथा 07 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस संबंध में नारायणपुर थाना कांड सं0-54/24 दि०-15.07.24 धारा-25 (1-b)a/ 26/35 Arms Act दर्ज किया गया हैं। जिसके सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई।●

नक्सल एवं उग्रवाद मुक्त होगा गढ़वा : दीपक पाण्डेय

जिसके इरादे बुलन्द हो,जिसके कार्य में ईमानदारी एवं कर्मठता झलकता हो, जो 24 घन्टे आवाम के लिए जगता हो, जो अपराधियों के लिए काल हो वैसे ही आईपीएस अपनी समाज के लिए एक विशिष्ट पहचान रखता हैं। ऐसे ही एक शख्सियत आज सुर्खियों में है जिसकी कर्मठता, दक्षता योग्यता एवं अनुभव का दम पहले ही पोस्टिंग से दिखने लगा था और वह नाम है मुलरूप से रोहतास के करगहर थाना क्षेत्र के झारखंड कैडर 2016 बैच आईपीएस दीपक कुमार पाण्डेय का। दो दो बार राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से सम्मानित शांत स्वभाव,मृदुभाषी एवं तीखे तेवर के प्रहार के साथ अपराध एवं अपराधियों पर काल की तरह बरसने वाले श्री पाण्डेय फिलवक्त गढवा पुलिस कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। झारखंड का यह पिछड़ा जिला नक्सल,उग्रवाद प्रभावित होने के साथ बालू के खेल में आए दिन बड़ी आपराधिक घटनाओं के लिए चर्चा में रहा हैं जिसपर नकेल कसने के लिए प्रयासरत गढ़वा पुलिस के कप्तान **दीपक कुमार पाण्डेय** से हमारे पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** ने खास मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर बात की जिसके संपादित कुछ अंश:-

★ बतौर आईपीएस झारखंड सरकार एवं यहाँ की पुलिस प्रशासन व्यवस्था आपको कैसी लगी?

झारखंड सरकार एवं यहाँ की प्रशासनिक व्यवस्था बहुत ही सुदृढ़ हैं। यहाँ कार्य करने का काफी स्कोप हैं। वरीय पदाधिकारियों से हमेशा सहयोग मिलते रहता हैं जो हमारे जूनियर इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी है उनका भी काफी सपोर्ट मिलता हैं। आप जानते ही है इनके बिना टीम वर्क का काम सम्भव नहीं हो सकता है, किसी भी आदमी या जिले की सफलता हैं तो वह टीम वर्क की देन हैं।

★ झारखंड के किन किन जिलों में आपने कार्य किया एवं अनुभव कैसा रहा?

झारखंड में काम करने का अपना एक अलग ही अनुभव है।यहाँ काम करने के लिए काफी स्पेस हैं। अब तक मैं गुमला, देवघर, राँची एवं लोहरदगा जिला में कार्य कर चुका हूँ और बतौर एसपी गढ़वा में फिलवक्त अपना योगदान दे रहा हूँ।

★ बतौर एसपी गढ़वा योगदान के उपरांत आपकी क्या प्राथमिकता थी?

मेरी प्राथमिकता है कि अपराधमुक्त,उग्रवादमुक्त नक्सल मुक्त गढ़वा हो, महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा प्रायॉरिटी हैं और जो क्रिमिनलस है उनके लिए पुलिस की मुक्कमल करवाई होगी।

★ राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से दो दो बार सम्मानित हुए हैं आप, इस पर अपनी राय बताए।

बिल्कुल राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार मिलना किसी भी पुलिस कर्मी एवं पदाधिकारी के लिए गौरव की बात होती हैं। इसके पहले 2014 में मैं जब गुमला जिले में पदस्थापित था उस वक्त इसी तरह का एक इनकाउन्टर

हुआ था नक्सलियों के साथ, भाकपा माओवादियों के साथ उस इनकाउन्टर में एक सब जोनल कमाण्डर मारा गया था उसके लिए 2016 में एक राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार के लिए एनाउंसमेंट हुआ था। पुनः 2022 के दिसम्बर में मैं जब लोहरदगा में पदस्थापित था एएसपी ऑपरेशन के पद पर तो वहाँ भी इस तरह की मुठभेड़ हुई थी। कहने का मतलब है कि अगर आप सही दिशा में काम कर रहे है ,समर्पण के भाव से काम कर रहे है तो सफलता हाथ लगेगी। हरेक पुलिस पदाधिकारी एवं कनीय पदाधिकारियों को बताया गया है कि आप समर्पण के भाव से कार्य करें, जो आपको टास्क मिला है अच्छे ढंग से करें आपको सफलता निश्चित मिलेगी।

★ आपको झारखंड पुलिस में कार्य का लंबा अनुभव रहा हैं, पुलिस पब्लिक मैत्रेयी संबंध बनाने के लिए प्रयासरत भी रहे हैं, कहाँ चूक हो जाती हैं कि संबंध आज भी बेहतरीन नहीं हो पाता हैं?

देखिए श्रीधर जी, चूक की बात नहीं रहती है। पुलिस हमेशा प्रयासरत रहती है कि जनता को सहयोग करे। हमारा भी यही काम है ,हम पब्लिक सर्वेंट हैं तो पब्लिक के लिए ही बने हैं। जनता सहयोग करती भी हैं। आज हम किसी क्राइम के डिटेक्शन की बात करते है, नक्सल उन्मूलन की बात करते हैं तो बिना जनता के सहयोग से ये संभव नहीं हुआ हैं। आज आप जो गढ़वा का बुढ़ा पहाड़ देख रहे हैं वह बिल्कुल नक्सल मुक्त हो गया हैं तो ये जनता के बिना संभव नहीं था। हमलोगों को हमेशा जनता का सहयोग मिलता हैं और जहाँ थोड़ा बहुत कन्फ्यूजन हैं, मिसअंडरस्टैंडिंग हैं, गैप है तो हमलोग वरीय पदाधिकारी जिला के वरीय पदाधिकारी होने के नाते पाटने का कार्य करते है ताकि वह गैप पट सके और जनता को पुलिस के प्रति विश्वसनीयता बनी रहे।

★ अपराध अनुसंधान करते वक्त किन बिंदुओं पर विशेष ध्यान देते हैं ताकि कोई निर्दोष दोषी होने से बच सके?

किसी भी अपराध होने के बाद हमारा जो अनुसंधान होता हैं उसका एक मेथड है हमलोग इसको फाइनल परिणाम तक ले जाना चाहते हैं, फाइनल परिणाम इन द सेंस कि न्यायालय में भी उस अपराधी को उसके लिए सजा मिले जो अपराधी हैं। उसमें हमलोग ये भी देखते है कि कोई निर्दोष आदमी अगर एफआईआर के समय फंस गया है तो वह निर्दोष आदमी को सजा न मिले,वह दोषी न हो उसका मुक्कमल ख्याल रखते हैं और जो दोषी हो उसका प्रॉपर इनवेस्टिगेशन करके साक्ष्य एकीकृत कर न्यायालय को प्रेषित करते हैं ताकि न्यायालय उसपर निर्णय ले सके।

★ बतौर एसपी पहली पोस्टिंग गढ़वा में हुई हैं, ऐसा क्या कुछ करेंगे जिसमें सदियों तक याद किया जा सके?

हमारी प्रायॉरिटी हैं नक्सल मुक्त अपराध मुक्त गढ़वा बने, गढ़वा का विकास हो। जब तक नक्सल रहेंगे, अपराधी रहेंगे तबतक विकास की कामना नहीं किया जा सकता हैं। गढ़वा पहले से भी काफी पिछड़ा जिला रहा हैं अभी भी यहाँ पिछड़ापन हैं। विकास की धारा नहीं बहेगी, रोड नहीं बनेंगे तबतक लोगों का सर्वागीण विकास नहीं होगा तो प्रायॉरिटी किसी भी पुलिस पदाधिकारी मेरे लिए भी यही हैं कि गढ़वा का सर्वागीण विकास हो, अपराध पर नकेल रहे,उग्रवादियों पर नकेल रहे और जो हमारे माताएँ बहने हैं वह भयमुक्त होकर एक सुरक्षित वातावरण में गढ़वा में विचरण कर सके। जो काम मुझे दिया गया है बतौर एसपी वो अच्छी ढंग से निर्वहन करके यहाँ से जाऊँ ताकि लोग उस काम को साराह सके।

★ सैकड़ों उग्रवादियों, नक्सलियों एवं अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेला है आपने,आखिर क्या वजह मानते है आप कि ये लोग मुख्यधारा से हटकर ऐसी मार्ग अपनाते है ?

क्राइम का कोई एकजेक्ट वजह नहीं होता। बहुत सारे लोग परिस्थितयों की वजह से क्राइम करते हैं तो कुछ स्वेच्छा से क्राइम करते है। बहुत सारी ऐसी भी घटनाये है जहां लोग फिल्मों को देखकर भी क्राइम करना सीख जाते हैं। इसका कोई एकजेक्ट पैटर्न नहीं हैं। जो युवा हैं वो भटकते हैं तो उनको हमलोग फिर मुख्यधारा में लाने का प्रयास करते हैं। युवाओं के जैसे कि रोजगार का अवसर, उनके लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार क्या कर रहीं हैं ये भी बताने का कार्य हमलोग थाना स्तर पर करते हैं, काउंसलिंग का भी कार्य करते है ताकि लोग उसका लाभ उठा सके और मुख्यधारा से जुड़कर रह सके,उनमें भटकाव नहीं हो। गढ़वा पुलिस भी इसी दिशा में प्रयासरत है।

★ कहीं अशिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी तो अपराधों की तरफ नहीं ढकेलती?

ऐसा तो नहीं हैं। जैसा कि आप जानते है बहुत सारे गरीब बच्चे पढ़ाई करके आईएएस आईपीएस पीसीएस एवं अन्य सेवा में भी जाते हैं। बात एक मोटिवेशन की है।शुरू से जो समाज हैं उसका जो परिवेश हैं वहाँ एक अच्छा मोटिवेशन मिलेगा तो निश्चित ही बच्चे पढ़ाई करके आगे राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाएंगे।

★ बतौर एसपी गढ़वा यहाँ की जनता से क्या अपील करना चाहेंगे?

गढ़वा की जनता से बस यही अपील है कि गढ़वा पुलिस के कान, नाक आंख आप ही हैं।कोई भी सूचना हो तुरंत पुलिस को खबर करें। आपके समाज के बीच में कोई भी बुराईयां, कुरीतियां हो रहीं है उससे सम्बन्धित सूचना थाना को दे सकते हैं। मैं भी हमेशा आपके समस्याओं को सुनने एवं निराकरण के लिए मौजूद हूँ।गढ़वा की जनता से यही अपील है कि अभी हाल ही के दिनों में एक्सीडेंट को लेकर एक ड्राइव चलाया गया था तो आपके माध्यम से यही कहना चाहूँगा कि जो युवा आज बिना हैलमेट के बाइक चलाते है बिना सीट बेल्ट की गाड़ी चलाते हैं, बिना ड्राइविंग लाइसेंस की गाड़ी चलाते हैं, शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं वह अपनी आदत छोड़ दे क्योंकि जीवन अमूल्य हैं। जो व्यक्ति मुख्यधारा से भटक गए हैं उनके लिए भी गढ़वा पुलिस सदैव आपके लिए तत्पर रहेगी। आप मुख्य ध ारा से भटके नहीं गढ़वा पुलिस का सहयोग ले और अपना और अपने परिवार का समाज का नाम रौशन करें।

★ सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले युवाओं को क्या सुझाव देंगे?

आज का जो दिन हैं उसमें संभावनाएं बहुत अधिक हैं। आईएएस आईपीएस तो हमेशा से किसी के लिए ड्रीम होता हैं लेकिन और भी क्षेत्र है जहाँ सम्भावनाएं अधिक हैं। जिस क्षेत्र मे आपको रुचि हैं जिस क्षेत्र मे आप महारथ हासिल करना चाहते है उसी में कैरियर बनाने का प्रयास करे। मेरी तरफ से यही सुझाव हैं कि ईमानदारी पूर्वक मेहनत करे लक्ष्य को समाने रखते हुए और टाइम लाइन बनाकर की मुझे इस क्षेत्र मे जाना हैं ,मुझे आर्मी में जाना है,नेवी में जाना है,सिविल सर्विसेज में जाना हैं बिजनेसमैन बनना हैं तो सफलता निश्चित मिलेगी। सही दिशा में सही समय पर अपनी ऊर्जा लगाए हमारी तरफ से आप सभी को शुभकामनाएं हैं।

हंगामे से भा रहा विधानसभा का मानसून सत्र

● गुड्डी साव

25 जुलाई स्पीकर चेंबर में हुई विधायक दल नेताओ की बैठक । इस बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल थे। साथ ही वित्त मंत्री रामेशवर उरांव संग और भी विधायक मौजूद रहे । 26 जुलाई से झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र हुआ शुरू। इस सत्र को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष ने अपने अपने तरीके से रणनीति बनाई । भारतीय जनता पार्टी के विधायको द्वारा सदन में डेमोग्राफी चेंज को लेकर उठाए गए मुद्दे लेंड जिहाज का संथाल प्रगणा में बढ़ती मुसलमानो के बढ़ती आबादी का मुद्दा उठाया गया । पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के द्वारा किए गए 5 साल के कार्यकाल को लेकर कहा कि सरकार ने नदी के बालू, पहाड के पत्थर ,कोयला , जमीन को लुटवाने का काम किया है। झारखंड की सियासत में एक नया विवाद खड़ा हो रहा है संताल को काटकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग को लेकर आदिवासी मूलवासी समाज से लगातार प्रतिक्रियाएँ आ रही है। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र कि शुरुआत में ही बांग्लादेशी घुसपैठियो का मुद्दा खुब रहा चर्चा में । भाजपा विधायकों ने बांग्लादेशी घुसपैंठ को लेकर हंगामा किया। हंगामें के इसी बीच मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की का बयान सामने आया जो कि काफी चर्चा में रहा जिसमे उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ कि तुलना बिहारियों के साथ कि । विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बयान में कहा कि इसकी शुरुआत भाजपा को रांची से शुरू करना चाहिए रांची में डेमोग्राफी जो चेंज हुआ है ।रांची के आदिवासी मुलवासी को लेकर कहा कि कालिन में पैर घिसकर नीचे धुल को ढ़कने का काम किया है भाजपा ने । संताल में बांग्लादेशी घुसपैठियो का दावा करने वाली भाजपा का रांची हजारीबाग और बोकारो जैसे शहरों के जनसंख्या बदलाव पर चुप्पी किस सियासत का हिस्सा है । आजादी के वक्त रांची की जनसंख्या क्या थी और आज क्या है । डेमोग्राफी के लेकर कहा कि सबसे ज्यादा सत्ता में तो भाजपा ने राज किया है । झारखंड के लिए भाजपा से ज्यादा बुरा सोचने वाला कोई और हो ही नही सकता। भाजपा विधायकों का कहना कि जिन मुद्दो के वादों के साथ सरकार बनी थी और जनता ने वोट देकर 2019 में आशा और विश्वास के साथ इस सरकार को लाने का काम किया था उस जनता का आशा और विशवास दोनों ही इस सरकार ने पूरा नही किया है। उन मुद्दो के पुरे नही होने पर भाजपा ने राज्य सरकार को घेरने का काम किया । मुद्दा रहा 5 लाख युवाओं को नौकरी देने की , नियोजन निति की , घोटाला मुक्त राज्य की एवं अन्य कई योजना जो सरकार

ने अब तक पूरा नहीं किया। 26 जुलाई को शुरू हुए झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र को अहम माना गया क्यूंकि यह सत्र विधानसभा चुनाव शुरू होने से पहले का आखरि सत्र रहा।

31 जुलाई को मॉनसून सत्र के दौरान भाजपा विधायको ने जोरदार हंगामा किया और राज्य सरकार का विरोध भी किया । क्यूंकि सत्र के पहले दिन से ही कई मुद्दों को लेकर विपक्ष के दल मुख्यमंत्री से जवाब मांग रहे थे । मगर मुख्यमंत्री के तरफ से कोई जवाब प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर भाजपा विधायको ने 31 जुलाई से सदन में हंगामा करने लगे । मुख्यमंत्री ने विपक्ष दलों को सदन में सिर्फ एक ही बात कही थी कि मुझे जो कहना होगा मैं सत्र के आखरि दिन कहूंगा । जिस बात का भाजपा विधायकों ने विरोध किया । इस बात पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि हमें बोलने का मौका फिर कहां मिलेगा। मुख्यमंत्री से कोई जवाब नही मिलने पर जो है भाजपा विधायको ने हंगामा शुरू कर दिया। 31 जुलाई को विरोध के नए स्वरूप के साथ भाजपा विधायक सदन के भीतर लंबा बैनर लेकर गए और हंगामा करने लगे कि मुख्यमंत्री जवाब दे वरना सदन में ही विधानसभा के अंदर बैठे रहेंगे तीन दिनो तक और यह बात कह कर भाजपा के विधायक विधानसभा के अंदर ही बैठ गए। और राज्य सरकार का विरोध करने लगे । सदन खत्म होने के बाद भी वह सदन में ही बैठे रहे। शाम के समय विधानसभा परिसर कि बिजली पानी काट दी गई । रात काटी भाजपा विधायको ने विधानसभा में । रात 10 बजे विधायको को मार्शल द्वारा मुख्य द्वार से बाहर निकाला गया।

जिसका विरोध 1 अगस्त को भाजपा विधायको ने विधानसभा परिसर में किया ।

☞ **1 अगस्त को निलंबन किए गए 18 विधायक** :- झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबिंद्रनाथ महतो ने भाजपा के 18 विधायको को निलंबित किया।

☞ **2 अगस्त दिन के दो बजे तक** :- नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने स्पीकर को कहा कि हमने ना कुर्सिया तोड़ी न माइक तोड़ा । विरोध करने का संविधान हमें भी है।

☞ **2 अगस्त मानसून सत्र का आखरी दिन** :- पलामू के भाजपा विधायक शशि भूषण मेहता संग अन्य विधायको ने विधानसभा परिसर में 100 रुपए से लेकर 1000 रुपए किलो के दर पर बालू खरिद ब्रिक्रि की। बालू कि बढ़ती किल्लत को लेकर जताया आक्रोश और सरकार के खिलाफ नारे लगाए । उनका कहना था कि हेमंत सरकार बालू को बाहर बेचने का काम कर रही है जिसकी वजह से हमारे राज्य में बालू कि किल्लत हो गई है। सत्र के आखरी दिन भी सरकार से भाजपा विधायको को नही मिला कोई जवाब । सत्र के शुरू दिन से ही जवाब मांग रहे थे भाजपा विधायक कई मुद्दो को लेकर जैसे रोजगार और बेराजगारी भत्ता पर ध्यान देने कि मांग साथ ही युवाओं को रोजगार और अनुबंध संवेदा कर्मियों का नियमितिकरण का मुद्दा भी उठाया साथ ही अन्य कई मुद्दे रहे। जिनका कोई जवाब सरकार ने नही दिया। अमर बाउरी ने कहा कि झारखंड के जनता और हमलोगों का जो भी सवाल था सरकार से उसका कोई जवाब नही मिला । नाटक नौटंकी कर मुख्यमंत्री सदन से चले गए हमलोगों को बोलने का मौका ही नही दिया।●

सीसीएल में राजभाषा तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

● **गुड्डी साव**

12 अगस्त को सी.सी.एल. मुख्यालय, रांची स्थित प्रकाश हॉल में दो दिवसीय (12-13 अगस्त, 2024) राजभाषा तकनीकी कार्यशाला आरंभ हुआ, जिसका विषय 'उच्चस्तरीय एमएस ऑफिस व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' था। कार्याशाला का उद्घाटन सीसीएल के निदेशक (कार्मिक), श्री हर्ष नाथ मिश्र ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व मुख्य प्रबंधक, एडवांस माइक्रोसाफ्ट के विशेषज्ञ श्री ओम प्रकाश अग्रवाल थे। अवसर विशेष पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि ऑफिस के साथ-साथ दैनिक जीवन में भी कम्प्यूटर की अनिवार्यता हो गयी है। आज की कार्यशाला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि तकनीक के साथ राजभाषा को आगे बढ़ाने का दायित्व हम सभी पर है। अत: इस कार्यशाला से भरपूर लाभ लेने का प्रयास करें। सीखने के साथ-साथ अपने सहकर्मियों के साथ भी अर्जित ज्ञान साझा करें, तभी इस कार्यशाला का उद्देश्य पूरा होगा। महाप्रबंधक (अ.स्था/राजभाषा) श्री संजय ठाकुर ने कहा कि हमारे दैनिक कार्य निष्पादन में एमएस वर्ड, एक्सेल से संबंधित जो भी समस्या आती है वह इस कार्यशाला से निश्चय ही हल हो सकता है। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री ओम प्रकाश अग्रवाल कम्प्यूटर की नवीनतम तकनीकों विशेषकर एमएस वर्ड के विभिन्न तकनीकी पहलुओं एवं टूल्स से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस कार्यशाला में मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों के कर्मियों ने भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन महाप्रबंधक (अधि. स्था/राजभाषा) श्री संजय ठाकुर, श्री दिविक दिवेश, श्री बलिराम सिंह एवम अन्य के सक्रिय सहयोग से किया गया।●

हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया

विश्व आदिवासी दिवस

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्यभर में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति की चमक बिखेर रहे हैं। साथ ही आदिवासी महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन और कला-संस्कृति को अलग पहचान देने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। यहां आयोजित हो रहे आदिवासी महोत्सव में हमें आदिवासियों की कला -संस्कृति, परंपरा, गीत-नृत्य और उनकी वेशभूषा से रूबरू होने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है। आदि काल से ही आदिवासियों की सभ्यता -संस्कृति और परंपरा काफी समृद्ध रही है। दुनिया में अलग-अलग हिस्सों में आदिवासी समुदाय वास करते हैं, लेकिन उनके सभ्यता -संस्कृति में कहीं न कहीं एकरूपता देखने को मिलती रहती है। जनजातीय कला- संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित करने के साथ समृद्ध करने की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणाश्रोत हमेशा बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों को विरासत में संघर्ष मिला है। यहां के आदिवासियों ने अपनी सभ्यता- संस्कृति और मान-सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया। जल- जंगल -जमीन की रक्षा के खातिर लंबा संघर्ष किया। हमें गर्व है अपने उन वीरों पर, जिन्होंने अन्याय, शोषण एवं देश-राज्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। झारखंड सदियों से वीरों और शहीदों की धरती रही है। चाहे आजादी के पहले की बात हो या आजादी के बाद अथवा झारखंड अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई। भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, भैरव- चांद, फूलो झानो, नीलाम्बर पीताम्बर, तिलका मांझी, शेख भिखारी, बुधु भगत, टाना भगत, निर्मल महतो और विनोद बिहारी महतो जैसे अनेकों वीर हुए हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण, आदिवासी-मूलवासी के हक-अधिकार, और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दे दी। अपने इन वीर शहीदों को नमन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों को बहुत संघर्ष के बाद मुकाम हासिल होता है । इसके लिए उन्हें एक लम्बी लड़ाई लड़नी होती है । ऐसे में आदिवासी समाज कैसे आगे बढ़े, इसके लिए सरकार तो

9 अगस्त को बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में झारखंड आदिवासी महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर गजब का उत्साह देखने को मिला पारंपरिक देश भूषा और ढोल एवं मांदर की थाप पर सभी झूमते नजर आए । ये दृश्य उस झारखंड को परिलक्षित कर गया जहां चलना ही नृत्य और बोलना ही संगीत है। बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान में आयोजित झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024 में जहां एक ओर चारो तरफ हर्ष और उल्लास का माहौल था परिसर में तरह तरह के स्टॉल लगाए गए थे। वहीं दूसरी ओर बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए world Being India का स्टॉल लगाया गया था । आदिवासी कल्याण आयुक्त की पहल पर चल रहे आरोहण कार्यक्रम के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। इसके तहत बच्चो के आंतरिक गुणों एवं क्षमताओं को पहचान कर जीवन की छोटी बड़ी चुनौतियो का सामना करने हेतु उन्हे मांसिक एवं भावनात्मक रूप से बेहतर बनाना सिखाया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड के अाश्रम आवासीय विद्यालयों के बच्चों को ध्यानपूर्वक सुनने की कला स्वयं एवं दूसरे के भीतर चारित्रिक गुणों की पहचान भावनाओं की समझ और उनका प्रबंधन नेतृत्व कौशल एवं मजबूत रिश्ते स्वस्थ बनाना एवं लक्ष्य निर्धारण जैसे कौशल बच्चो को सिखाए गए। इस कार्यक्रम का बच्चो के साथ साथ बड़ो के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा। स्टॉल में भावानात्मक कल्याण से जुड़े अभ्यास कराए गए । इसमें बड़ो के साथ साथ बच्चे भी अपने मन की बात लिख कर अपनों का शुक्रिया अदा किए ।

प्रयास कर ही रही है। आपको भी अपनी भूमिका निभानी होगी। आप आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ है । हमारी सरकार से जनता को काफी उम्मीदें हैं। हम जन आकांक्षाओं को पूरी ताकत के साथ पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस सिलसिले में सरकार की ओर से अनेकों कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के जरिए राज्य की जनता को सशक्त और स्वावलंबी बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत चुनौतियों के बीच भी राज्य में विकास को नया आयाम देने का कार्य कर रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य दे सकें। इस महोत्सव में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार, माननीय अध्यक्ष राज समन्वय समिति-सह- राज्यसभा सांसद श्री शिबू सोरेन और माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्यों ने डॉ राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित 12 पुस्तकों का विमोचन किया । वहीं, 257 लोगों के बीच 73 हजार 5 सौ 83 एकड़ सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया। महोत्सव की शुरुआत में गणमान्यों ने शहीद बेदी पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी । वहीं, माननीय राज्यपाल और माननीय मुख्यमंत्री ने आदिवासी प्रदर्शनी शिविर और आदिवासी चित्रकार शिविर का उद्घाटन और अवलोकन किया।●

सैल्यूट टू बीएलओ और इलेक्शन क्वीज अभियान का शुभारंभ

● गुड्डी साव

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के रवि कुमार ने निर्वाचन सदन सैल्यूट टू बीएलओ, इलेक्शन क्विज का शुभारंभ एवं सांख्यिकीय रिपोर्ट का विमोचन किया। उन्होंने इस अवसर पर सैल्यूट टू बीएलओ एवं इलेक्शन क्विज के पोस्टर भी जारी किए। कार्यक्रम के दौरान लोकसभा चुनाव से संबंधित विस्तृत आंकड़ों वाली सांख्यिकीय रिपोर्ट पुस्तिका का भी विमोचन किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि युवाओं को चुनाव के प्रति प्रेरित करने के लिए मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा राज्य स्तरीय चुनावी क्विज का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें झारखंड के कोई भी मतदाता 16 अगस्त से 26 सितंबर तक अपना रजिस्ट्रेशन करा कर भाग ले सकते हैं। उक्त प्रतियोगिता राज्य के आम मतदाताओं के लिए है इसलिए निर्वाचन कार्य से जुड़े कर्मी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकेंगे। यह प्रतियोगिता 29 सितंबर को ऑनलाइन माध्यम से होगी जिसके उपरांत 5 अक्टूबर को सभी जिलों के विजेता प्रतिभागियों की ऑफलाइन क्विज प्रतियोगिता राजधानी रांची में आयोजित की जाएगी। विजेताओं के लिए प्रथम पुरस्कार 50 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 30 हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपए निर्धारित है। वहीं प्रत्येक जिले के विजेता को 10 हजार रुपए दिए जायेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किए जाने की कार्य योजना है।, इसके लिए सैल्यूट टू बीएलओ अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 29,562 बीएलओ हैं और राज्य के निर्वाचन तंत्र में इनकी अहम भूमिका होती है। बीएलओ को सम्मानित करने के पीछे मूल उद्देश्य उन्हें अभिप्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि हर विधानसभा क्षेत्र से तीन बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सम्मानित कराने का प्रस्ताव है। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, ओएसडी श्रीमती गीता चौबे, इंडिया स्टैट के श्री आर.के. ठकराल आदि उपस्थित थे।●

मानव-हाथी संघर्ष निराकरण का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी : बैद्यनाथ राम

● गुड्डी साव

कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री श्री बैद्यनाथ राम ने कहा है कि हाथी न केवल वन्यप्राणी साम्राज्य की प्रमुख प्रजाति है, बल्कि भारतीय संस्कृति में भी पूजनीय जीव माना जाता है। हमारे देश में सदियों से मानव और वन्यप्राणी शांति पूर्वक सह-अस्तित्व में रहते आए हैं। फिर भी कुछ समय से मानव की आगे बढ़ने की प्रत्याशा ने दोनों प्रजातियों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप अप्रिय स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं और इससे दोनों पक्षों की जान-माल की हानि हो रही है। वह 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस के अवसर पर बेंगलुरु में कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित मानव-हाथी संघर्ष पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कर्नाटक की वन्यजीव प्रबंधन प्रणाली प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्नाटक में वैज्ञानिक तरीके से वन और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गौरवशाली परंपरा रही है। कर्नाटक सरकार द्वारा मानव- हाथी संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर चर्चा करने के लिए विश्व के प्रमुख विशेषज्ञों को एक साथ लाने की पहल सराहनीय है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि झारखंड वनों की भूमि है। यहां 29 प्रतिशत से अधिक भूमि वनाच्छादित है। झारखंड एक लैंडलॉक (चारो ओर से जमीन से घिरा) राज्य है, जहां हाथियों की एक स्वस्थ आबादी विचरण करती है। यह राज्य चारों तरफ से हाथियों के प्रवास अनुकूल क्षेत्र वाले राज्यों से भी घिरा हुआ है और East-Central Elephant Landscape के रूप में चिह्नित है। यह परिदृश्य जहां एक ओर उचित वैज्ञानिक वन्यप्राणी प्रबंधन में कठिनाई उत्पन्न करता है, वहीँ दूसरी ओर संबंधित राज्यों के बीच आपसी समन्वय के महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को इंगित करता है। नवीनतम गणना से पता चलता है कि झारखंड में लगभग 600 से 700 हाथियों का बसेरा है। हमारे पास संतोषजनक वन क्षेत्र है, लेकिन हमारे पास बड़े निरंतर वन क्षेत्र नहीं हैं। भूमि खंडित है और जानवरों के गलियारे टूट चुके हैं। फसल कटाई का समय अक्सर हाथियों के प्रवास के समय से मेल खाता है, जिससे हमारे गरीब लोगों और इस महान जीव के बीच संघर्ष उत्पन्न होता है।

झारखंड के लोगों का जीवन प्रकृति और उसके संरक्षण के साथ अटूट रूप से जुड़ा है, किन्तु झारखंड भी मानव- वन्यप्राणी संघर्ष के वैश्विक रुझान से अछूता नहीं है और हम अपने तरीके से इससे निपट भी रहे हैं। बीते वर्षों में

मनुष्य और हाथियों दोनों ने अपनी जान गंवाई है। मानव-हाथी संघर्ष से संपत्ति और कृषि की औसत वार्षिक हानि लगभग 60 से 70 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है, जिसकी प्रतिपूर्ति झारखंड सरकार मुआवजे के रूप में करती है। अवैध शिकार की घटनाएँ तो कम हैं, लेकिन झारखंड में हाथियों की मृत्यु के मुख्य कारण रेल से दुर्घटना और बिजली का करंट है। दूसरी ओर झारखंडवासी अपनी साल भर की मेहनत से उत्पन्न फसल और अपने घरों को अपनी आँखों के सामने नष्ट होते देखते हैं। अब समय आ गया है कि हम उन व्यावहारिक विकल्पों और रणनीतियों के बारे में सोचें, जो आज हम सभी के सामने आ रही इन जटिल समस्याओं का समाधान कर सकें। हम इस स्थिति का अपने तरीके से समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। यह समाधान दो प्रकार के हैं। पहली यह कि मानव-हाथी के बीच संघर्ष की घटनाएँ ना हो और दूसरी घटना होने की स्थिति में त्वरित उपाय किए जाएँ।

★ झारखंड सरकार द्वारा उठाए गए कुछ उपायों का उल्लेख किया जा सकता है :-

☞ क्षेत्रीय स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दलों का गठन, जिसे हम प्रमंडल स्तर तक विस्तारित करने का इरादा रखते हैं।

☞ हाथी ट्रैकिंग सिस्टम की स्थापना, जो एक वेब आधारित एप्लिकेशन है और लोगों और वन विभाग के वनकर्मियों को हाथी की गतिविधियों से अवगत कराता है, ताकि समय पर सुरक्षा उपाय किए जा सकें।

☞ हाथी गलियारों की पहचान और वैज्ञानिक प्रबंधन।

☞ एफएम रेडियो के माध्यम से हाथी की

गतिविधियों के बारे में नवीनतम जानकारी और जागरूकता फैलाना।

☞ मोबाइल एप्लिकेशन (हमार हाथी) जो सार्वजनिक रूप से नवीनतम जानकारी और सहायता के लिए जनता को उपलब्ध है।

☞ 24◦7 हेल्पलाइन नंबर।

☞रांची में एक वन्यप्राणी बचाव केंद्र की स्थापना।

☞ मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति में और हाथियों को मानव बस्तियों से दूर करने में सहायता करने के लिए स्थानीय ग्राम विकास समितियों को वित्तीय प्रोत्साहन।

☞ सभी विभागों, विशेष रूप से रेलवे और बिजली विभाग के साथ समन्वय। ढीले विद्युत तारों, झुके और क्षतिग्रस्त खंभों और बिजली की चोरी की घटनाओं का संयुक्त सर्वेक्षण। रेलवे और वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों के व्हाट्सएप समूह और क्षेत्रीय स्तर पर समन्वय समितियां। संवेदनशील हाथी क्रॉसिंग प्वाइंट पर ट्रेन की गति का नियमन।

☞ हाथियों के लिए बांस और अन्य प्रकार के चारा का विकास, चेकडैम और वॉच टावरों का निर्माण और हाथी-क्षतिरोधी संरचनाओं के माध्यम से आवास सुधार। विगत पाँच वर्षों में हमने हाथी के प्रवास में सुधार हेतु कुल 1400 चेक डैम बनाये हैं और 2629 हेक्टेयर क्षेत्र में बाँस रोपण किया है। आज ही विश्व हाथी दिवस के अवसर पर राज्य के जमशेदपुर जिले में बांस, बरगद, पीपल, पाकड़ इत्यादि के एक लाख पौधे रोपे जा रहे हैं।

☞ हाथी प्रभावित ग्रामों में मुफ्त किरासन, पटाखा, ड्रैगन टॉर्च इत्यादि का वितरण। साथ ही हाथियों के झुण्ड का ग्रामों में प्रवेश रोकने हेतु विशेष हाथीरोधी दल द्वारा मशाल के साथ प्रभावित इलाके में गश्ती।

☞ त्वरित और पूर्ण मुआवजे का भुगतान। हमारी सरकार राष्ट्रीय स्तर तक मुआवजा राशि बढ़ाने की आवश्यकता से अवगत है और हम इस दिशा में काम भी कर रहे हैं।

☞ पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के वन पदाधिकारियों की समय-समय पर समन्वय बैठक कर आपसी सहयोग से संघर्ष प्रबंधन के उपाय।

☞ फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।

☞ 1992 में स्थापित सिंहभूम गज आरक्ष देश का पहला एवं सबसे बड़ा गज आरक्ष है, जिसके अंतर्गत राज्य के 19 में से 17 कॉरिडोर चिह्नित हैं।

मुझे उम्मीद है कि आज की कार्यशाला से मानव-हाथी संघर्ष को रोकने के लिए प्रभावी रणनीतियां सामने आएंगी, जिससे झारखंड सहित सभी को लाभ होगा। अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इतने गुणी वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ व्यक्तियों की मौजूदगी में जरूर कुछ ना कुछ सार्थक परिणाम निकलेगा, जिसका हमारे राज्य को भी लाभ मिलेगा। हम इस कार्यशाला में प्रस्तुत होने वाले सभी सकारात्मक सुझावों का स्वागत करते हैं।●

झारखण्ड दौरे पर पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंता

● गुड्डी साव

असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने बांग्लादेश में हो रहे हालात पर चिंता जताई कहा की कांग्रेस ने यह साबित कर दिया है कि अगर देश के मुसलमान पर कोई आफत आती है तो कांग्रेस उनके पक्ष में रहती है। मगर वही आफत हिंदुओं में आती है तो चुप रहती है कांग्रेस । दूसरी तरफ से पलटवार करते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सह राष्ट्रीय महासचिव गुलाम अहमद मीर ने असम के मुख्यमंत्री को जवाब देते हुए कहा कि उनकी आंखों में गलत का चश्मा चढ़ा हुआ है। क्यूंकि देश में जहां भी कोई घटना हुई है। हमारे नेता राहुल गांधी स्वयं सहानुभूति देने

वहां पहुंच जाते हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा के 10 अगस्त को रांची आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में भाजपा की अहम बैठक हुई। इस बैठक में भाजपा मोर्चा के तत्वाधान में युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन का आयोजन किया गया। 23 अगस्त को राज्य सरकार हेमंत सोरेन के खिलाफ रैली निकालने की तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान असम के मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता विश्व शर्मा ने भाजपा के कार्यकताओं को जोश के साथ संबंधित किया। उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री पर साधा निशाना । कहा कि इतना झूठ बोलने वाला मुख्यमंत्री कहीं भी नहीं है । उनके द्वारा किए गए वादे पर झारखंड की जनता जानना चाहती है कि उन वादों का क्या हुआ । जो वादे राज्य सरकार ने की थी। अन्य कई मुद्दो पर उन्होंने सरकार पर उंगुली उठाई । प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी राज्य सरकार को लेकर उठाए सवाल । कहा कि अब राज्य में कानून व्यवस्था ठप पड़ गई है । जिसकी वजह से आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा की इस सरकार ने जंगल - जमीन को लुटवाने का काम किया है। किसानो और राज्य के युवाओं को भी ठगा है। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा विधायको के साथ हो रहे रवैये को तानाशाही का नाम देते हुए कहा कि झारखंड राज्य सरकार अध्यक्ष की ताकत का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने भाजपा विधायको के धरने के दौरान विधानसभा परिसर कि बिजली - पानी काटे जाने के मुद्दे को भी उठाया । राज्य की युवाओं की आवाज को लेकर युवा मोर्चा अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सेवा और संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहता है।●

हर्ष व उल्लास के साथ सीसीएल में मना स्वतंत्रता दिवस

● गुड्डी साव

15 अगस्त को सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 78वां स्वतंत्रता दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल गांधीनगर कॉलोनी स्थित महात्मा गांधी क्रीड़ागन में ध्वजारोहण किया एवं सलामी दी। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तक./संचा) श्री हरीश दुहान, सीवीओ श्री पंकज कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, श्रमिकसंघों के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। सीएमडी श्री सिंह ने अवसर विशेष पर सुरक्षा बलों एवं विद्यार्थियों के परेडों का निरीक्षण भी किया।

सीएमडी , सीसीएल श्री सिंह ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और वीर शहीदों के अतुल्य पराक्रम को नमन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि जब तक देश सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से स्वतंत्र है, तब तक यह देश अनवरत विकास एवं उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त रहेगा। देश के प्रगति के लिए आगामी दिनों में ऊर्जा आवश्यकताओं में बढ़ोतरी होगी। फलस्वरूप कोयले से उत्सर्जित ऊर्जा की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसी क्रम में सीसीएल निरंतर देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने सीसीएल टीम के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि कंपनी ने विगत वर्ष के कोयला उत्पादन के लक्ष्य से ज्यादा सफलतापूर्वक हासिल किया है और वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी कंपनी अपने निर्धारित 100 मिलियन टन को अवश्य पूरा करेगा। श्री सिंह ने पर्यावरण संरक्षण को रेखांकित करते हुए कहा कि कंपनी द्वारा प्रत्येक वर्ष अपने कमान क्षेत्र और उसके आस-पास के क्षेत्रों में पौधरोपण किया जा रहा है। अब तक 5,300 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 95 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। एक नई पहल के रूप में, कंपनी ने रजरप्पा क्षेत्र में 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मियावाकि प्लांटेशन किया है, जिससे बहुत फायदा हुआ है ।

कंपनी द्वारा हितधारकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं रोजगार सहित समावेशी विकास एवं सामाजिक उत्थान हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं का संचालन किया जा रहा है। कंपनी द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करती है, जिससे लाखों लोग लाभान्वित होते हैं । समाज के गरीब, ग्रामीण के मेधावी बच्चों को 'सीसीएल के लाल' एवं 'सीसीएल की लाडली' योजना के माध्यम से निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही विद्यार्थियों के पठन-पाठन में गुणात्मक सुधार हेतु रांची विश्वविद्यालय के परिसर में 5000 सीटों वाली पुस्तकालय का निर्माण किया जा रहा है। जेएसएसपीएस (सीसीएल एवं राज्य्य सरकार की संयुक्ष्त पहल) में नवोदित खिलाडियों के खेल को निखारने के उद्देश्य से उन्हें विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अवसर विशेष पर मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 100 लाभुकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सीसीएल के सुरक्षा जवानों, सीआईएसएफ, एसआईएसएफ के जवानों, एनसीसी कैडेट्स एवं विभिन्न स्कूल के बच्चों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डीएवी, गांधीनगर, केन्द्रीय विद्यालय एवं ज्ञानोदय स्कूल के विद्यार्थियों ने देश-भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुती दी, जिसे उपस्थित सभी ने खूब सराहा। कार्यक्रम के दौरान सीएमडी, निदेशकगण, सीवीओ एवं अन्य अतिथियों द्वारा तीन रंगों वाले गुब्बारें उड़ाकर किया गया। इसके पूर्व निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने जेएसएसपी इस दरभंगा हाउस परिसर एवं गांधीनगर अस्पताल में ध्वजारोहण किया एवं स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी।●

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
ये बाते कहती है नौटंकीबाज सरकार

● गुड्डी साव

सरकार कहती है-'बेटी को बचाओ बेटी को पढ़ाओ'। सरकार कहती है हम बेटियों के लिए नई नई योजनाएं ला रहे है । बेटियों के विवाह के लिए सुकन्या योजना लागू कर रहे है, तो बेटियों को देवि के रूप मे पूजते हैं। मां-बहनों का सम्मान करते हैं। अभी मैं बात कर रही हूं झारखंड राज्य सरकार के द्वारा लाई गई नई योजना के बारे में भी जो कि मइयां योजना लागू किया गया है। जो कि 21 साल की बेटियों से शुरू हो रही है 5 साल तक की महिलाओं के लिए। क्या फायदा इस सब का जो योजना काम ही ना आये बेटिओं का । क्यूंकि बेटियों को आप बचाएंगे तभी तो इस तरह के लाभ ले पाएगी बेटियां। मैं सिर्फ एक ही सरकार को लेकर ये बाते नहीं कह रही हूं। ये हर सरकार को लेकर कहना है मेरा । ये है सरकार जो कि भारत कि बेटियों को सम्मान खुद ही दे रहे है और दूसरों से भी दिलवा रहे हैं। वाह क्या बात है। ऐसी सरकार को प्रणाम भारत कि महिलाओं के तरफ से । मैं सरकार को कहना चाहती हूं कि बेटियो को आप बचाना या पढ़ाना नहीं चाहते ना ही उन्हे पूजते हैं। आपकी हर बाते हर वादे सिर्फ और सिर्फ दिखावा है। आप मुंह में कुछ कहते है। पीछे कुछ और कर रहे है। आप कि चुप्पी ने साबित किया है। एक बार नही हर बार कि आपकी सोच बेटियों के सम्मान की रखवाली को लेकर किए गए वादे बिल्कुल ढकोसले

है। जी हाँ मैं जो भी लिख रही हूँ इसके पीछे का मुद्दा आप समझ ही गए होंगे । मैं बात कर रही हूँ पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आर जी कर मेडिकल कॉलेज में हुई लेडी डॉक्टर मोमिता देबनाथ के संग हुई दरिंदगी की हदे पार करने वाली घटना के बारे में । जिस घटना को लेकर पूरे देश में आक्रोश फैला हुआ है।

☞ **नाइट डिउटी कर रही 31 साल कि ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप कर दरिंदगी के साथ मर्डर :-** 31 साल की एक ट्रेनी डॉक्टर जो कि चेस्ट मिडिसियन डिपार्टमेंट पीजी से सेकेन्ड कि स्टूडेंट थी। आर जी कर हॉस्पिटल कलकत्ता में जिसकी रोज की नाइट सिफ्ट कि डिउटी थी। नाइट सिफ्ट डिउटी करने के समय रात के ग्यारह बजे के आस पास अपनी मां और पिताजी के साथ फोन में बात करते हुए मोमीता कहती है कि मैं मरीजो को देख लूं उसके बाद मैं आराम से

आपसे बात करती हूं। रात के दो बजे वो दो जूनियर डॉक्टर के साथ खाना खाती है और फिर कहती है कि मैं थक गई हूं जाकर आराम कर लेती हूं। फिर वो आराम करने उसी बिल्डिंग के अंदर चौथी मंजिल में एक सेमिनार हॉल है जहां वो आराम करती है। ये बाते 2 से 3 के बीच कि है जहां वो जाती है और आराम करती है।

जानकारी के अनुसार रात के लगभग तीन बजे संजय रॉय नाम का एक व्यक्ति जो कि सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाता है वो उस डॉक्टर के सेमिनार हॉल के अंदर जाता हुआ दिखाई देता है। और लगभग 40 से 45 मिनट तक वो अंदर ही रहता है। उसके बाद 4 बजकर 37 मिनट पर वो उस सेमिनार हॉल से बाहर निकलता है। जो कि सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाता है। ये घटना 8 तारिख कि रात और 9 तारिख कि सुबह कि घटना है। रात के तीन से चार बजे जिस समय पूरा देश सो रहा होता है उस समय उस लेडी डॉक्टर किस परिस्थिति से गुजर रही थी। ये सोच कर भी शरीर की रूह काँप जाती है। उस लड़की के माँ-बाप के दिल में आज क्या गुजर रही होगी ये कोई नहीं बता पाएगा । माँ-बाप की एक लौती बेटी थी जिसे माँ पिताजी ने डॉक्टर बनाने का सपना देखा था । जो डॉक्टर जाने कितने ही मरिजों की इलाज करते हैं और मरिजो कि जान बचाते है । आज कोलकाता में एक ऐसी डॉक्टर के साथ ऐसी घटना हुई जिसका इलाज देश का कोई भी डॉक्टर नही कर पाया। और आज वो इस दुनिया में नही रही। बहुत सारे पेरेंटस है जिनका सपना होता है कि उसकी बेटी डॉक्टर बने ,इंजिनियर बने , टीचर बने मगर आज जो देश के भीतर इस तरह की घटना हो रही है इसे देख कौन से बच्चो के माता पिता अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए या पढ़ाई के बाद अगर जॉब लगती है तो नौकरी करने के लिए दूसरे शहर भेजने की हिम्मत करेंगे । क्यूंकि हर तरह की पढ़ाई हर क्षेत्र में तो नही होती या पढ़ाई के बाद नौकरी भी मिलती है तो अपने शहरो में नौकरी मिलना मुश्किल है। इस तरह कि घटना आज एक राज्य में एक बेटी के साथ नही बल्कि पूरे भारत देश में कई बेटियो के साथ बहुत सारी घटनाए घट रही है। जो कि भारत देश के लिए शर्म कि बात है। मगर सरकार का कोई एक्शन नही । किसी परिजनों के यहाँ अगर कोई घटना घटती है तो सरकार परिजनों को दिलाशा देने पहुंच जाती है। तो कुछ मुआवजा देने कि बात करके निकल जाते है मगर उस माता पिता का क्या होगा । पुलिस ने महिला डॉक्टर के साथ रूह कपा देने वाली घटना को अंजाम देने वाले दरिंदे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और टूटे हुए ब्लुटूथ एयरफोन कि मदद से आरोपी को पकड़ने में कामयाबी मिली है। कहा जा रहा है कि आरोपी अक्सर उस अस्पताल में आता था और वहां कि नर्स और महिला मरिजो को गंदी नजर से देखता था। और उन्हे देख कर गंदे इशारे भी करता था।

☞ **पुलिस के पास से ये केस अब ब्ठप् के पास चला गया है :-** अब ये केस कब तक खिंचा जाएगा ।कब तक ये केस चलेगा । लेडी डॉक्टर के माता पिता को इंसाफ कब तक मिलेगा और मिलेगा भी या नही कोई नही जानता। सरकार बताए कि इस तरह कि पढ़ाई करके क्या फायदा बच्चो का । हर भाषण में आप कहते है कि देश के नागरिक के लिए ये करना है वो करना है आप कर क्या रहे हैं। इस तरह कि घटना को चाहे तो सरकार रोक सकती है मगर सरकार कुछ भी नहीं कर रही है । भारत देश की महिला के साथ हो रहे इस तरह के क्राइम को लेकर अगर अपराधियों के साथ सख्त और कड़ी से कड़ी कानून लागू कि जाए तो क्राइम करने से पहले क्राइम करने वाले को हजार बार सोचना पड़ेगा । किसी क्राइम को करने से पहले कि हमारा क्या होगा। कोलकाता रेप केश के बाद भाजपा ममता बनर्जी जो कि बंगाल राज्य कि सरकार है उनको घेरने का काम कर रही है। सरकार एक दूसरे के आए दिन लगातार गलतियां गिनाती हुई दिखाई देती है मगर आप खुद कि भी तो गलतियां देखें कि आप देश में हो रहे इस तरह कि दरिंदगी को कैसे बढ़ावा दे रहे हैं। और क्या एक्शन ले रहे है। भारत के प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री बनने से कुछ नहीं होता मंत्री जी और ना ही बड़े बड़े वादे करने से । भारत देश में आए दिन इस तरह कि घटना को रोकने के लिए कड़ी से कड़ी एक्शन लिजिए ताकि भारत देश का नाम ऊंचा हो जनता से वोट मांगने से पहले जनता कि हित मे काम भी किजिए।●

अंतर्राष्ट्रीय सुब्रतो कप मुकाबले की चैंपियन बनी झारखण्ड टीम

● **गुड्डी साव**

दिल्ली के डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में आयोजित 63 वीं अंतराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौंपियन का खिताब हासिल कर लिया है। झारखंड टीम ने बांग्लादेश को 4-1 के अंतर से पराजित कर 63 वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पराजित कर चौंपियन बन गयी है। झारखंड की ओर से फाइनल मुकाबले में संजना उरांव ने 2 गोल, उर्वशी कुमारी और बबिता कुमारी ने एक एक गोल किया, जबकि इस मुकाबले में बांग्लादेश ने केवल एक गोल किया। टूर्नामेंट की बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार अनिशा उरांव को दिया गया और साथ ही बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार झारखंड की ललिता बोनपाई को दिया गया।

झारखंड की बेटियों के शानदार प्रदर्शन और टीम की जीत पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूरी टीम को बधाई दी है। सुब्रतो कप 2024 अंडर 17 बालिका वर्ग प्रतियोगिता में शुरू से ही झारखंड की बेटियों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला। टीम ने पिछले मैचों में दिल्ली को 7-0, गुजरात को 3-0, अरुणाचल प्रदेश को 13-0, त्रिपुरा को 2-0 और हरियाणा को 4-2 से हराकर अपनी मजबूत छाप छोड़ दी थी। जीत दर्ज करने के बाद अंडर 17 बालिका टीम रांची पहुंची । झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में चौंपियन बच्चियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। सम्मान समारोह में चौंपियंस को राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री उमाशंकर सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक श्री आदित्य रंजन संयुक्त रूप से सम्मानित करेंगे। फाइनल में झारखंड की टीम के शानदार प्रदर्शन पर राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के माननीय मंत्री श्री बैद्यनाथ राम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक श्री आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री धिरसेन सोरेंग, अंतराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के पूर्व निदेशक श्री सुशील कुमार वर्मा, एलएमसी सदस्य श्री मुकुल टोप्पो, जेएसएसपीएस कोच श्री सोमनाथ सिंह, टीम मैनेजर बिंदु कुजूर समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने टीम को फाइनल मुकाबले के लिए शुभकामनाएं और जीत की बधाई दी।●

जमीन दलालों को चिन्हित करे, नहीं तो नपेंगे थानेदार : डीजीपी

● ओम प्रकाश

राजधानी के रांची जिले में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाने के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राँची के सभागार में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का नेतृत्व झारखंड राज्य के महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक अनुराग गुप्ता, भापुसे ने किया। इस अवसर पर दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची, पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (यातायात), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), जिले के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी और यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचने पर महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।इसके पश्चात् विशेष शाखा के पुलिस सब-इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की बीती रात हुई दुखद हत्या पर शोक प्रकट करते हुए, उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

☞ **वर्दी और अनुशासन संबंधी निर्देश :-** महानिदेशक ने सभी पुलिस कर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने- अपने पुलिस प्रतिष्ठानों में हमेशा वर्दी के साथ नेम प्लेट पहनें। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस प्रतिष्ठानों में आने वाले सभी आगंतुकों के साथ अच्छा व्यवहार करना और उनकी समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए त्वरित और विधिसम्मत कार्रवाई करना प्रत्येक पुलिस कर्मी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के प्रति पुलिस के व्यवहार में संवेदनशीलता और सहानुभूति का होना बेहद जरूरी है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि किसी को भी वर्दी की नौकरी मिलना एक वरदान के समान है और सभी पुलिस पदाधिकारी इस वरदान का सदुपयोग आम जनता की भलाई के लिए करें।

☞ **'महिलाओं की सुरक्षा' :-** महिला सुरक्षा

को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सभी परिवहन स्थलों, जैसे कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त लाइटिंग और सीसीटीवी कैमरों की समय-समय पर जांच और निगरानी का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस कर्मियों को अधिक संवेदनशील और सतर्क रहना होगा।

☞ **'अपराध नियंत्रण के उपाय' :-** पूर्व अपराधियों की सूची तैयार करना, सभी थानों को पुराने अपराधियों की एक विस्तृत सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है, अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार आसूचना संकलन करने और उनकी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक दिन वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी, संपतिमूलक और संगठित अपराध पर रोकथाम, मादक पदार्थों के वितरण और खरीद-बिक्री पर पूर्ण रोकथाम के लिए जीरो टोलरेंस नीति को अपनाने का संकल्प लिया गया है। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वे मादक पदार्थों के उत्पादन, परिवहन, भंडारण, और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी, भू-माफिया, जमीन दलालों को चिन्हित कर भूमि विवाद से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए विशेष निर्देश दिए गए। एक भी असली भूमि माफिया सूची से गायब मिला तो संबंधित थाना प्रभारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए डीजीपी ने निम्नलिखित निर्देश दिए। जिले में अधिकाधिक स्थानों यथा पेट्रोल पंप, मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स , अपार्टमेंट ,बैंक, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, बस स्टैंड , रेलवे स्टेशन आदि पब्लिक प्लेसेज पर सघन प्रयास कर सीसीटीवी लगाने का भी निर्देश दिया गया।इस अवसर पर डीजीपी ने जनता से अपील की कि वे पुलिस को सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। बैठक के अंत में अनुराग गुप्ता ने जिले सभी पुलिस उपाधीक्षकों और थाना प्रभारियों को एक टीम के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का आदेश दिया।●

पत्रकार कला मंच की तृतीय पेंटिंग प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न

● ओम प्रकाश

78वां स्वतंत्रता दिवस के मौके पर और पत्रकार कला मंच और द रांची प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगी पत्रकारों के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को तीन समूहों में बांटा गया था, ग्रुप ए में पांच से सात वर्ष तक के बच्चे , ग्रुप बी में 8 से 10 वर्ष तक और ग्रुप सी में 11 से 13 साल के बच्चे शामिल हुए। तीनों समूह को अलग-अलग विषय दी गई थी। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को सुंदर तरीके से कागज पर उकेरा। ग्रुप ए में आद्या प्रिया, शानवी शंकर, वानिया फातिमा, आराध्या , ग्रुप बी में तन्वी वर्मा, पृथ्वी

देव भट्टाचार्य, अन्वी मारिया मुर्मू, माही पांडेय और ग्रुप सी में अरण्या राठौर , अवंतिका सिंह,अभिरुचि सुमन और पियूष कुमार को क्रमशः प्रथम द्वितीय, तृतीय और सांत्वाना पुरस्कार सहित प्रशस्ति पत्र देकर से सम्मानित किया गया । निर्णायक मंडली में जाने-माने कलाकार साबिर हुसैन , दिलेश्वर लोहरा और प्रवीण कर्मकार थे। कार्यक्रम में प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद गुप्ता ,संजय सुमन, चंदन भट्टाचार्य के अलावा पत्रकार कला मंच के निलय सिंह , एएसआरपी मुकेश, संदीप नाग, अक्षय कुमार, संजय सिंह समेत कई लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संतोष मृदुला ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक सह पत्रकार कला मंच के संयुक्त सचिव परवेज कुरैशी ने किया।●

फिरौती के पैसे नहीं मिलने पर किया बच्चे का अपहरण

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी रांची की सदर थाना पुलिस ने एक निजी स्कूल के 7 वर्षीय बच्चे के अपहरण में शामिल दो अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।छात्र के अपहरण की सूचना सीधे रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में आयुष कुमार और अनुज कुमार शामिल है।जिनमे एक ऑनलाइन फूड कंपनी का डिलीवरी ब्वॉय है तो दूसरा ऑनलाइन कैब सर्विस रेपिडो कंपनी का राइडर है। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल ,तीन हेलमेट, एक पिट्ठू बैग, तीन मोबाइल फोन और फिरौती के रूप में वसूला गया 46000 रुपए बरामद किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने तुरंत ही सदर DSP संजीव बेसरा की देखरेख में एक स्पेशल टीम बनाई। गठित टीम को टास्क मिला कि किसी भी हालत में अपहृत बच्चे को खोज निकालना है। पूरे मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि महिला ने बिना पुलिस को बताएं ही अपहरणकर्ताओं को 50 हजार रुपये दे दिए थे और अपने बेटे को मुक्त करवा लिया था, लेकिन पैसे देने की बात उसने पुलिस को नही बताई। पुलिस ने जब अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया तो उनके पास से फिरौती के 46 हजार रुपये बरामद किए गए जिनमे चार हजार रुपये अपहरणकर्ताओं ने खर्च कर दिए थे। उन्होंने आगे बताया कि बच्चे के अपहरण की कहानी भी बहुत ही अनोखी है। दरअसल 7 साल के स्कूली छात्र के माता-पिता के बीच काफी विवाद होता था, इसी दौरान छात्र की मां का संपर्क कैब कंपनी के ड्राइवर अनुज कुमार से हुआ और दोनों में दोस्ती हो गई। इसी बीच अपने पति से परेशान छात्र की मां ने अपने पति की पिटाई के लिए अनुज को सुपारी देने की बात कही। दोनों में यह तय हुआ कि महिला 50 हजार रुपये अनुज को देगी और इसके बदले में वह उसके पति को मारपीट कर घायल कर देगा। लेकिन अनुज ने महिला के सामने यह शर्त रखी कि वह पहले पैसा दे, उसके बाद वह उसकी पति पर हमला करेगा। पैसे की बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। जिसके बाद अनुज ने अपने दोस्त आयुष कुमार के साथ स्कूल से लौटते समय बच्चे का अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद उसने बच्चे की मां से फिरौती की रकम मांगी जो उन्हें दे दी गयी। जब दोनों अपराधियों ने स्कूली छात्र का अपहरण किया था उस दौरान पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी।बच्चों के अपहरण के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस का पूरा नेटवर्क एक साथ मिलकर बच्चे को सकुशल मुक्त करने में लग गया। कड़ी मेहनत करने के बाद पुलिस को सफलता हाथ लगी और दोनों अपहरणकर्ताओं को पुलिस ने कुछ घंटों के उपरांत दबोच लिया।●

501 महिलाओं के द्वारा भव्य संध्या महाआरती

● ओम प्रकाश

श्रावण मास की पांचवी सोमवारी के दिन रांची के सुप्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार के पास रांची शहर के तमाम धार्मिक और सामाजिक संगठनों के द्वारा संध्या 5:00 बजे पहाड़ी बाबा सहित तमाम देवी देवताओं की 501 महिलाओं के द्वारा भव्य संध्या महाआरती की गई।महाआरती के बाद बोल बम के नारों से पूरा पहाड़ी परिसर गुंजानमैय हो गया। उसके बाद सैकड़ों भक्तों के बीच महाभंडारा का वितरण किया गया। इस साल के श्रावण मास के आखरी सोमवारी को भव्य महाआरती 501 महिलाओं के द्वारा किया गया। उसके बाद महाभंडारा का प्रसाद वितरित किया गया साथ ही अलौकिक झांकियां भी प्रस्तुत की गई एवं तमाम अतिथियों को अंग वस्त्र देखकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉक्टर महुआ माजी, विशिष्ट अतिथि रमेश सिंह, शंकर दुबे,सोमवित माजी, नन्द किशोर सिंह चंदेल, उज्जवल कुमार सिन्हा, रीना सिंह, विनोद सिंह, अमन ठाकुर, बंटी यादव, अनीश कुमार वर्मा, टी के मुखर्जी, अनिल कुमार, नरेश मक्कड़ मिशु, विनय सिंह, लखन कुमार, नीतू सिंह, सुनील यादव, शिल्पी कुमारी वर्मा, सुजल सोनी, सुप्रिया, राजकुमार सिंह, अमूल्य सिंह पिंटू, संध्या देवी, गीता देवी, सविता देवी, राहुल, सुनीता, अविनाश सिंह राजपूत, सत्येंद्र सिंह, दीपमाला वर्मा, कनिष्का, शिवानी, रुपा, सुनैना, रानी, अलिसा सिंह, निशी, मिंटू देवी, रेणु, आदित्य सिंह, मोनू शर्मा, विकास सिंह, हर्ष, विक्रांत सिंह, भव्य कुमार सिन्हा, कैलाशी अरविंद सिंह कौशल, भोला चौधरी, गनीरा देवी, अनमोल सिंह, अरविंद, योगेश, अंकित, अलखनाथ निरंजन एवं सागर कुमार सिंह मौजूद रहे।●

ट्रैफिक पुलिस को प्रदान की गई 10 मोटरसाईकिल

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर और ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन करवाने के लिए स्पेशल क्विक रिस्पांस (एसक्यूआरटी) टीम तैनात की गई है।बाइक सवार ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को दिनभर भ्रमणशील रहते हुए राँची की ट्रैफिक दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी दी गई है।ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर ट्रैफिक पुलिस लगातार आलोचनाएं झेल रही हैं। झारखण्ड हाईकोर्ट तक ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर कई बार पुलिस को फटकार लगा चुका है और कई तरह के आदेश भी दिए गए हैं।ऐसे में राँची पुलिस के वरीय अधिकारी भी यही चाहते हैं कि किसी भी तरह से राजधानी राँची की ट्रैफिक व्यवस्था को पटरी पर लाया जाए।ऐसे में राँची डीआईजी अनूप बीरथरे और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की पहल पर ट्रैफिक को कंट्रोल करने लिए अब स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम को ऑन किया गया है। मंगलवार 6 अगस्त को राँची के डीआईजी और एसएसपी ने स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम को हरी झंडी दिखाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए रवाना किया।

☞ **चयनित पुलिस कर्मियों को वायरलेस और सायरन युक्त 10 बाइक दी गई है : डीआईजी :-** डीआईजी अनूप बीरथरे ने बताया की राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर 10 बाइक की एक स्पेशल टीम बनाई गई है।डीजीपी के आदेश पर राँची एसएसपी ने टीम गठित की है, जिसे स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम का नाम दिया गया है। इसके लिए 20 पुलिस कर्मियों को चयनित किया गया है।चयनित पुलिस कर्मियों को वायरलेस और सायरन युक्त 10 बाइक दी गई है। एक बाइक पर दो पुलिसकर्मी बैठ कर ट्रैफिक को नियंत्रण करने का काम करेंगे। डीआईजी के अनुसार शहर में अगर कहीं भी बहुत ज्यादा जाम की स्थिति होगी,वहां तुरंत स्पेशल टीम कूच करेगी और जाम को हटाने का काम करेगी।

☞ **बेतरतीब वाहन पार्किंग पर होगी कार्रवाई एसएसपी :-** एसएसपी बताया कि राँची में जाम लगने की प्रमुख वजह बेतरतीब पार्किंग है।बेवजह जहां-तहां पार्क करने वालों में न सिर्फ कार चालक हैं, बल्कि बाइक सवार भी इसकी बड़ी वजह हैं। ऐसे में क्विक रिस्पांस टीम पूरे शहर में घूम-घूम कर बेवजह जहां-तहां अपने वाहन पार्क करने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी। स्पेशल टीम अवैध पार्किंग में पहुंच वाहनों के विंड स्क्रीन पर पर पहले नोटिस चिपकाएगी, जिसमें लिखा रहेगा कि आपकी गाड़ी गलत स्थान पर है। अगर इसके बावजूद वाहन चालक अपनी गलती नहीं सुधारेगा तो उसका फाइन काटा जाएगा।●

कांटा टोली फ्लाईओवर का नाम परमवीर अब्दुल हमीद के नाम

● ओम प्रकाश

कांटा टोली स्थित नवनिर्मित फ्लाईओवर के पास परमवीर अब्दुल हमीद चौक पर हर साल की तरह इस साल भी 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति के द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के प्रदेश अध्यक्ष सह परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति के संरक्षक मुजीब कुरैशी एवं परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति रांची के अध्यक्ष मुन्ना इम्तियाज ने किया।ध्वजारोहण के पूर्व गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद तुरंत झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान ने ध्वजारोहण किया। मंच संचालन औरंगजेब खान ने किया।ध्वजारोहण के बाद आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने संबोधित करते हुए कहा कि वीर परमवीर अब्दुल हमीद की कुर्बानियों को भुलाया नहीं जा सकता है, पाकिस्तानी फौजियों को पसीना छुड़ाने वाले हमारे भारतीय सेना के

गौरव परमवीर अब्दुल हमीद की शहादत तारीख के पन्नों में दर्ज है। जमीयतुल कुरैश के प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने जोर दिया है कि वीर परमवीर अब्दुल हमीद के नाम पर कांटा टोली नवनिर्मित फ्लाईओवर का नामांकरण कराया जाये , इसके लिए मैं स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात करूंगा और इनके नाम से ही फ्लाईओवर होगा। संबोधन के बाद परवेज गुलजार ने देशभक्ति गाने की प्रस्तुति दी। मौके पर लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार, खादगढ़ा टीओपी प्रभारी संजीव, सअनि भीम सिंह, परमवीर अब्दुल हमीद स्मारक समिति के अध्यक्ष इम्तियाज उर्फ मुन्ना, प्रधान महासचिव सह अधिवक्ता अख्तर हुसैन,पत्रकार परवेज कुरैशी, फिरोज खान, नौशाद खान, मो इस्तियाक, गुलाम गौस कुरैशी पप्पू, फरहाद, गुलाम जावेद, बारीक,इकबाल मल्लिक, शहजाद आलम,सुहेल, अवेश कुरैशी मुन्ना, हाजी मिन्हाज, मो इरफान, मो आफताब , राजू, आलम, रंजय छोटू, प्रिंस, मुस्तफा, समीम,मो नसीम सहित कांटा टोली के कई लोग शामिल थे।●

अधिवक्ता गोपी कृष्ण हत्याकाण्ड का पुलिस ने किया खुलासा

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची में हुए अधिवक्ता गोपी कृष्ण हत्याकांड का रांची पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्या में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।जिनमे दो अपराधियों की गिरफ्तारी रांची से और एक की गिरफ्तारी सिल्ली से हुई है।अपराधियों को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस में कोतवाली डीएसपी, सुखदेव नगर थाना प्रभारी,अनगड़ा पुलिस और एसएसपी की टेक्निकल और ऋत्ज की टीम मौजूद थी। बता दे कि गिरफ्तार तीन अपराधियों में से एक को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र निवासी रोशन मुंडा, अनगड़ा महेशपुर निवासी संदीप मुंडा और संदीप कालिंदी शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक पिस्टल, दो गोली के अलावा एक मैगजीन भी बरामद किया है। पुलिस के साथ हुए एनकाउंटर में घायल अपराधी का नाम रोशन कुमार है। वह रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र का ही रहने वाला है। फिलहाल पुलिस की देखरेख में उसका अस्पताल में इलाज करवाया जा रहा है। शुक्रवार 2 अगस्त को रोशन ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की बड़ी बेरहमी के साथ चाकू मारकर हत्या कर दी थी। घायल अपराधी की हालत स्थिर होने पर उससे गोपी कृष्ण हत्याकांड को लेकर पूछताछ की जाएगी। हत्याकांड का खुलासा करते हुए रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया किइस घटना के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। टीम ने अनगड़ा में छापेमारी कर रोशन और हत्या में सहयोगी रहे संदीप मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद रोशन की निशानदेही पर पुलिस ने सिल्ली से संदीप कालिंदी को गिरफ्तार किया।एसएसपी ने आगे बताया कि रोशन ने अपने साथी के साथ मिलकर गोपी कृष्ण की हत्या की थी। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गए थे।पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी रोशन अनगड़ा में छिपा है।जिसके बाद पुलिस की टीम जब अनगड़ा पहुंची तो आरोपी ने पुलिस को लक्ष्य बनाकर फायरिंग कर दी। इसके बाद आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस की ओर से भी गोली चलाई गई।जिसमें रोशन को गोली लगी और

वह घायल हो गया। घायल अवस्था में ही पुलिस ने आरोपी रोशन मुंडा को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में सभी आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

☞ **डीजीपी के एक्शन में आते ही, राँची पुलिस भी एक्शन में आ गई :-** झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता दिवंगत अधिवक्ता गोपी कृष्ण के घर सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित मध ुकम पहुंचे थे, जहां उन्होंने अधिवक्ता के परिजनों से मुलाकात की थी और उन्हें यह अस्वस्थ किया था कि जल्द से जल्द अधिवक्ता के कातिल सलाखों के पीछे होंगे।बता दें कि शनिवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने वकील और पुलिस वाले कि हत्या के बाद झारखण्ड पुलिस को चेतवानी दी। खासकर पुलिस पदाधिकारी को अपने कार्यों में परिवर्तन लाने को कहा था।पुलिस को कानून व्यवस्था पर ध्यान देने कहा और पुलिस अपराधियों के प्रति कोई नरमी ना बरते,अपराधी छोटा हो या बड़ा हो, सख्ती से निपटे। जिसके बाद डीजीपी के एक्शन को देखते हुए राँची पुलिस भी एक्शन में आ गई।

☞ **72 घंटे में अंदर गिरफ्तार :-** रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सिविल कोर्ट के सभी वकीलों को यह भरोसा दिलाया था कि गोपी कृष्ण के हत्यारों को 72 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया जएगा।जिसके बाद 72 घंटे से पहले एसएसपी की टीम ने हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया।●

महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्यूआर कोड जारी

● ओम प्रकाश

शहर हो या गांव युवतियों और महिलाओं से सड़कों पर दुर्व्यवहार करने वाले के लिए परेशानियां बढ़ गई। है। आये दिन थानों में शिकायत मिलने के बाद रांची पुलिस ने इन सब पर रोकथाम और अंकुश लगाने के लिए 112 डायल पर क्यूआर कोड स्कैनर को रांची पुलिस ने सार्वजनिक किया है। यह स्कैनर सड़कों पर चलने वाले ऑटो, ई रिक्शा, बसों में और एटीम के पास चिपकाया गया है। अब किसी भी जगह से क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद शिकायत दर्ज कराया जा सकता है। पुलिस कंट्रोल रूम में डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता,यातायात एसपी डा कैलाश करमाली, यातायात डीएसपी ने आज इसको विधिवत तौर पर सार्वजनिक कर दिया है। वहीं ऑटो चालकों से भी अपील की गई है कि अब वे सब ड्रेस कोड जो जारी किया गया है, उसे पहनकर ही ऑटो चलाएंगे। यदि कोई लापरवाही करेंगे तो उसपर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राजधानी राँची में अगर आप किसी संकट में हैं तो आप एक स्कैन के जरिए पुलिस की सहायता पा सकते हैं। इसके लिए राजधानी में डायल 112 को क्यूआर कोड से जोड़ दिया गया है। इस क्यूआर कोड की कॉपी ऑटो, बस और एटीएम सहित शहर के विभिन्न स्थानों में लगा दिया गया है, जिसे स्कैन कर के आप कभी भी पुलिस की मदद ले सकते हैं।डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर राजधानी राँची में पुलिस व्यवस्था को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।इसी के तहत डायल 112 के क्यूआर कोड को राजधानी के 10 हजार ऑटो, दर्जनो एटीएम सहित स्कूल-कॉलेज में लगाया गया है बुधवार को राँची के डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता,ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल,ट्रैफिक एसपी सहित कई पुलिस अधिकारियों ने खुद सड़क में उतरकर ऑटो सहित कई जगह 112 के क्यूआर कोड को लगाने का काम किया।

डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि डीजीपी अनुराग गुप्ता के प्रयास से डायल 112 के लिए पुलिस के टेक्निकल सेल ने क्यूआर कोड डेवलप किया है। क्यूआर कोड पर अगर आप मोबाइल से स्कैन करेंगे तो वह तुरंत 112 से कनेक्ट हो जाएगा। यदि आप किसी विपत्ति में या फिर किसी तरह की कोई समस्या में फंसे हुए हैं तो तुरंत आपको पुलिस की सहायता मिलेगी। राँची डीआईजी ने बताया कि वर्तमान में सभी लोग स्मार्टफोन रखते हैं और मोबाइल फ्रेंडली भी हैं।अगर ऐसे लोग थोड़े से जागरूक होंगे तो खुद की मदद तो कर ही पाएंगे, साथ ही जिन लोगों के पास स्मार्टफोन नहीं है उनकी मदद भी कर पाएंगे। उदाहरण के लिए अगर कोई महिला या छात्रा किसी बस या ऑटो से सफर कर रही है तो इस दौरान कोई उनके साथ अगर किसी तरह का गलत हरकत करता है तो उस ऑटो में लगे डायल 112 के क्यूआर कोड को तुरंत स्कैन कर के पुलिस को सूचना दी जा सकती है।डायल 112 के क्यूआर कोड को स्कैन करते ही आपका लोकेशन, आपका फोन नंबर सब कुछ पुलिस के पास पहुंच जाएगा। इसी तरह अगर आप किसी एटीएम में पैसे निकालने गए हैं और वहां साइबर अपराधियों ने आपके साथ किसी तरह की ठगी की है तो वहां भी लगे डायल 112 के क्यूआर कोड के जरिए आप पुलिस की मदद पा सकते हैं। बता दे कि पहले चरण में राजधानी राँची के सभी ऑटो और एटीएम में 112 के क्यूआर कोड को लगा दिया गया है।एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि क्यूआर कोड के जरिए पुलिस से संपर्क करना बेहद आसान है। क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद एक तो डायल 112 में मौजूद पुलिसकर्मी आपसे खुद संपर्क करेंगे और दूसरा मोबाइल में एक फॉर्म दिया जाएगा, जिसमें मात्र चार बिंदु भरने पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी और मनचले या अपराधी बच नहीं पाएंगे।●

वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए डीजीपी की बैठक

● ओम प्रकाश

पुलिस मुख्यालय सभागार में अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड, की अध्यक्षता में, राज्य में वर्तमान वामपंथी उग्रवाद परिदृश्य, सभी सक्रिय नक्सलियों से जुड़े गतिविधि एवं चसपजजमत ळतवनचे पर कृत एवं की जाने वाली कार्रवाई की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक आयोजित की गई। पुलिस महानिरीक्षक, अभियान के द्वारा बैठक की शुरूआत में समीक्षा बैठक के एजेंडा बिन्दुओं पर प्रस्तुति दी गयी। बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, झारखण्ड, राँची ने विशेष शाखा, झारखण्ड को प्राप्त आसूचनाये एवं सभी सक्रिय नक्सली / नक्सली संगठन से जुड़े गतिविधि एवं Splitter Group की संपूर्ण विवरणी को प्रस्तुत किया। पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में कार्यरत पिकेटों के वर्तमान संख्या की स्थिति एवं उसकी अवश्यकता, सभी महत्त्वपूर्ण नक्सली/ Splitter समूहों के प्रोफाइल का रखरखाव, यदि कोई महत्वपूर्ण नक्सली, जो जमानत पर रिहा हुआ हो, उसकी गतिविधि पर नजर बनाये रखने, पुलिस पोस्टों का सुरक्षा ऑडिट, नक्सली के समर्पण राशि के भुगतान की स्थिति, मुआवजा राशि का बकाया भुगतान, फरार नक्सलियों की संपत्ति की

कुर्की किये जाने के संबंध में, पुलिस / सी०ए०पी०एफ० पिकेट को दुश्मन के बारे में पता है या नहीं, नक्सली के खिलाफ खुफिया जानकारी एकत्र करने और खुफिया जानकारी साझा करने में यदि कोई समस्या हो, राज्य के नक्सली क्षेत्रों में मोबाइल संचार तथा महत्वपूर्ण सड़क पुल, पुलिया की स्थिति के संबंध में विस्तृत रूप से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान झारखण्ड पुलिस मुख्यालय सभागार से डॉ० संजय आनन्दराव लाठकर, अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, साकेत कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, सीआरपीएफ, अखिलेश झा, पुलिस महानिरीक्षक, द०छो०प्रक्षेत्र, राँची, अमोल विनुकांत होमकर, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, अनुप विरथरे, पुलिस उप-महानिरीक्षक, द० छो० क्षेत्र, राँची, मयूर पटेल कनैयालाल, पुलिस उप- महानिरीक्षक, झा०स०पु०, कार्तिक एस, पुलिस उप-महानिरीक्षक, एस आई०बी, उत्कर्ष प्रसून, संयुक्त उप-निदेशक, आई०बी०, अमित रेणु, पुलिस अधीक्षक, अभियान तथा Video Conferencing के माध्यम से सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महानिरीक्षक, सी०आर० पी०एफ० / सभी क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस उप-महानिरीक्षक, जे०जे० एवं पुलिस अधीक्षक, चाईबासा / बोकारो / चतरा / गिरिडीह / लातेहार / पलामू ने भाग लिया।●

देश के तीन नये कानून के पहले दिन पहला आत्म-समर्पण

● ओम प्रकाश

देश में सोमवार एक जुलाई 2024 से आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह क्रमशः भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो गया है। इस नए तीन कानून के तहत रांची जिला में वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एक उपलब्धि दर्ज हो गई है। यह न सिर्फ रांची, झारखंड बल्कि देश भर में पहला मामला है ,जो ऐतिहासिक हो गया है। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एक नाबालिग युवक जो मुख्य धारा से भटक चुका था, पिछले करीब डेढ़ सालों से बुढ़मू थाना क्षेत्र के टीएसपीसी के एरिया कमांडर राहुल गंझू की टीम में शामिल होकर आपराधिक घटनाओं से जुड़ा हुआ था। ये कहीं और आगे कई बड़ी घटनाओं को अंजाम देता, इससे पूर्व ही उस नाबालिग को आत्मसमर्पण कराने में रांची सीआरपीएफ इंस्पेक्टर और खिलारी

डीएसपी राम नारायण चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

☞ **फूल माला पहनाकर कराया आत्मसमर्पण** :- वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि आधार कार्ड से पता चलेगा कि इसकी उम्र कितनी है, लेकिन अभी सोलह साल ही बता रहा है और ये टीएसपीसी के एरिया कमांडर राहुल गंझू के साथ मिलकर उसके घटनाओं में संलिप्त रहता था, लेकिन इसके मन में एक ख्याल आया की जो रास्ता ये अख्तियार कर रहा है वह गलत है, कानून के खिलाफ है, इसलिए मुख्य धारा पर लौटने के लिए उसने मन बनाया।वह अपने नजदीकी थाना नहीं जाकर सीआरपीएफ इंस्पेक्टर से किसी के माध्यम से संपर्क कराया और फिर हम लोगों को इसकी जानकारी दी गई। तब हम लोगों के द्वारा इसको आत्मसमर्पण करने में सहयोग किया गया और उसका स्वागत आत्मसमर्पण नीति के तहत फूलों की मामला पहना एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानपूर्वक उसे आत्मसमर्पण कराने का काम किया गया है।●

नवजात की चोरी मामले में तीन महिलाएं गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची स्थित रेलवे स्टेशन के बाहर सीढ़ी के नीचे से 6 माह के नवजात की हुई चोरी कांड का 24 घंटे के भीतर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बता दे की 24 जुलाई को एक नवजात की चोरी हुई थी। उसी दिन चुटिया थाना में कांड संख्या 160/2024 दर्ज हुआ था। इस मामले में सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने टाउन डीएसपी के नेतृत्व में चुटिया थाना प्रभारी के साथ एक टीम बनाई थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज के अलावा टेक्निकल सपोर्ट का इस्तेमाल करते हुए धुर्वा थाना क्षेत्र से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया था।इस मामले में पहले पिंकी देवी नाम की एक महिला को गिरफ्तार किया गया। पिंकी देवी की निशानदेही पर बच्चे की सौदेबाजी के लिए इस रैकेट में शामिल पूनम देवी और सीमा देवी नाम की महिला को भी गिरफ्तार कर लिया गया। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने यह जानकारी प्रेस कांफ्रेंस में दी। पिंकी देवी ने पूछताछ में बताया कि पूनम देवी और सीमा देवी को डेढ़ लाख रुपए में बच्चों को बेचने के लिए पूरी योजना तैयार हो गई थी।

छापामारी दल के सदस्य :-

- ☞ लक्ष्मीकान्त, पुलिस निरीक्षक-सह-थाना प्रभारी, चुटिया थाना, राँची।
- ☞ पु.अ.नि. विवेक कुमार, चुटिया थाना, राँची।
- ☞ पु. अ.नि. शुभम कुमार, चुटिया थाना, राँची।
- ☞ पु.अ.नि. जितेन्द्र मिश्रा, चुटिया थाना, राँची।
- ☞ महिला आरक्षी विनिता कुमारी, चुटिया थाना।
- ☞ सशस्त्र बल, चुटिया थाना।

25 जुलाई को बच्चे को हैंड ओवर करना था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे धर दबोचा।पूछताछ में पता चला कि पूनम देवी और सीमा देवी नवजात को किसी अन्य व्यक्ति को बेचने की तैयारी में थी। पिंकी देवी की पहचान ओरमांझी थाना क्षेत्र के हैदर नगर इरबा निवासी के रूप में हुई है। पूनम देवी धुर्वा गोल चक्कर के पास रहती है। जबकि सीमा देवी अरगोड़ा थाना क्षेत्र के चापु टोली के पास रहती है। वह मूल रूप से सिमडेगा की रहने वाली है। नवजात की चोरी में शामिल तीनों महिलाओं के पास से मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है।●

ब्रह्मकुमारी संस्थान में राखी बंधवाकर डीआईजी ने दिया संदेश

● ओम प्रकाश

कार्मिक विभाग डीआईजी श्री नौशाद आलम ने आज 19 अगस्त 2024 को रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान, हरमू रोड रांची जाकर संस्थान की संचालिका दीदी के हाथों राखी बंधवाया एवं माथे पर तिलक लगाया,साथ ही उन्होंने बहन के द्वारा भेजी गई राखी भी दीदी से ही बंधवाया।श्री आलम जब संस्थान पहुंचे तो वहां आकर वे काफी प्रभावित हुए।वहां पहुंच कर उन्होंने सभी को राखी के इस शुभ अवसर पर बधाइयां दी एवं भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हर पर्व को मिल जुल कर मनाना चाहिए। रक्षाबंधन का यह पर्व बहुत ही पवित्र होता है एवं भाई बहन के अटूट प्रेम को दर्शाता है। इस पावन पर्व के अवसर पर इन्होंने बहनों की हमेशा रक्षा करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि बहनों की सुरक्षा के लिए हम सभी डिपार्टमेंट के लोग एक कवच की भांति काम करेंगे। आपसी भाईचारे और प्रेम को बढ़ावा देंगे।

☞ **बहन मीना भेजती है बिहार से राखी :-** बताते चले की एडीजी सुरेंद्र कुमार जो असम में पदस्थापित हैं, उनकी बहन मीना कुमारी है जो जमुई उच्च विद्यालय बिहार में शिक्षिका है। 1988 में बिहार एग्रीकल्चरल कॉलेज सबौर में श्री नौशाद आलम और श्रीमती मीना कुमारी एक साथ इस कॉलेज में पढ़ाई किया करते थे। उनका रहना एवं खाना पीना भी साथ में ही होता था। एक थाली में ही दोनो खाना खाते थे। दोनों भाई बहनों में अटूट प्रेम था। उस समय से लगातार बहन मीना कुमारी के द्वारा उन्हें राखी भेजी जा रही है। कभी-कभी तो श्री नौशाद आलम जाकर राखी बंधवाते थे, या कभी राखी कुरियर के द्वारा भी उनके पास पहुंच जाया करता था। राखी बंधवाने के बाद श्री आलम अपनी बहन को तोहफा देना नही भूलते थे। ये सिलसिला आज भी जारी है। आज भी बहन मीना कुमारी के द्वारा श्री नौशाद आलम को राखी भेजी जाती है और वे राखी का सम्मान कर, उसे अपनी कलाई पर बांध कर श्रद्धापूर्वक इस त्यौहार को मानते हैं।●

मिथिला विश्वविद्यालय पंचांग के अनुसार 26 अगस्त को कृष्ण जयंती का पर्व एवं व्रत और 27 अगस्त को कृष्ण अष्ट्मी का पर्व एवं व्रत होगा :- पंडित तरुण झा

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, सहरसा के संस्थापक सुप्रसिद्ध ज्योतिषचार्य पंडित तरुण झा जी ने बताया है की भगवान श्रीकृष्ण के जन्म उत्सव का पर्व एवं व्रत 26 अगस्त को ही है एवं कृष्ण अष्ट्मी का पर्व एवं व्रत 27 अगस्त को मनाया जायेगा! ज्योतिषचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की प्रार्थना कीजिए कि, 'हे प्रभु श्रीकृष्ण' भोग ग्रहण करें, श्रीकृष्ण को अति प्रिय तुलसी की पत्ती चढ़ाकर, दही, माखन, मिश्री, मोदक का भोग लगाकर मध्यरात्रि में जन्म उत्सव मनाएं, भगवान श्री कृष्ण को पंचामृत का भोग जरूर लगाएं, पंचामृत मेवा, दूध, दही, घी, गंगाजल और शहद से बनाया जाता है. भगवान को पंचामृत का भोग लगाने के बाद प्रसाद स्वरूप पंचामृत का सेवन करें।

श्रीकृष्ण के पर्व पर पूजन के बाद **'देविकानन्दनाय विधमहे वासुदेवाय धीमहि तन्नो कृष्ण:प्रचोदयात'।** श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के जीवन और मन से सभी दुख दूर हो जाते हैं! श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। कुछ भी करने मे असमर्थता मे नमो भगवते वासुदेवाय का 108 बार जप सभी तरह के कष्ट दूर करता है, ये काफी फालदयी है! ज्योतिष के ग्रंथों के मुताबिक जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है उनके लिए कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत किसी वरदान से कम नहीं साबित होता है,इसके अलावा संतान प्राप्ति के लिए भी यह व्रत काफी फलदायी माना जाता है।●

गौ वंश मांस की खुलेआम बिक्री पर हाईकोर्ट नाराज

● ओम प्रकाश

झारखंड हाईकोर्ट ने श्यामानंद पांडेय द्वारा दायर की गयी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए रांची शहर में गौ वंश मांस की खुलेआम बिक्री होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और रांची एसएसपी को ऐसा करने वालों के खिलाफ एक्शन लेने का सख्त निर्देश दिया है। अदालत ने अगले सप्ताह मंगलवार तक एसएसपी को शपथ पत्र के माध्यम से कार्रवाई की जानकारी कोर्ट को देने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने बहस की, उन्होंने अपनी बहस में अदालत के समक्ष डोरंडा इलाके में गौ वंश मांस की बिक्री से संबंधित तस्वीरें भी पेश की थी, जिसके बाद राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि अगर अवैध तरीके से गौ वंश मांस की बिक्री हो रही है तो इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।बता दें कि 2005 से गो वंशीय क्रुरता अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। वहीं शहर में खुले में चिकन मटन की बिक्री को लेकर भी सख्ती बरतने को कहा गया है। दो सौ से अधिक ऐसे लोगों को नोटिस भेजा गया है जो खुले में नियम के विरुद्ध मांस बेच रहें हैं।●

मेष राशि :- मेष राशि के जातक को परिवार के भीतर संभावित संघर्षों और साथी के साथ तनावपूर्ण संबंधों से सावधान रहें, इस महीने के दौरान जीवन के विभिन्न पहलुओं में संतुलन बनाए रखने पर नजर रखें।

वृषभ राशि :- इस महीने आर्थिक खर्चों पर नियंत्रण रखें, नहीं तो आपका बना हुआ काम बिगड़ सकता है। इस महीने व्यर्थ के लड़ाई झगड़ों से दूर रहें। अधिकारी वर्ग के लिए यह महीना मिश्रित फल देने वाला रहेगा। आपके कार्य की प्रशंसा होगी, परंतु आपके विरोधियों की भी संख्या बढ़ेगी। इस महीने पार्टनर से चल रहे झगड़े खत्म होंगे। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य देखने को मिलेगा।

मिथुन राशि :- आपके वित्त में सफलता की उम्मीद है और विदेशी स्रोतों से आय की संभावना है,क्षितिज पर काम और कल्याण दोनों में सुधार के साथ महीने के माध्यम से नेविगेट करने के लिए लचीला और सकारात्मक रहें।

कर्क राशि :- अपने स्वास्थ्य का अतिरिक्त ध्यान रखें, क्योंकि चोट और दुर्घटनाओं का खतरा है, इस महीने वाहन चलाने से बचने की सलाह दी जाती है, उतार-चढ़ाव के माध्यम से नेविगेट करने के लिए सतर्क रहें और इस अवधि के दौरान अपनी भलाई सुनिश्चित करें।

सिंह राशि :- अपने परिवार के भीतर की खुशियों को संजोएं,यह अवधि कुछ लंबे समय से चली आ रही इच्छाओं की प्राप्ति को चिह्नित कर सकती है, जो संतोष की समग्र भावना में योगदान देती है।

कन्या राशि :- पार्टनरशिप में पार्टनर आपका साथ छोड़ सकते हैं, जिस कारण आपको अपने कार्य को करने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इस महीने कोई अपना आपके लिए घातक हो सकता है, अपनी गुप्त योजनाएं किसी के सामने न कहें, नहीं तो आपको इस महीने भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है, इस महीने किसी विशेष कार्य के लिए लंबी यात्रा आदि पर जाने के योग बन रहे हैं, वाहन आदि को चलाने में सावधानी रखें।

तुला राशि :- खर्च बढ़ने के बावजूद वाद-विवाद से बचने के लिए वाणी में सावधानी बरतें, खासकर करीबी दोस्तों के साथ, कुल मिलाकर तुला राशि के तहत पैदा हुए लोगों के लिए विभिन्न अनुकूल पहलू रखता है, जो वित्तीय विकास और व्यक्तिगत कल्याण के अवसर प्रदान करता है।

वृश्चिक राशि :- इस महीने घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा, साथ इस महीने आपके ऊपर कोई बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है,नौकरी वर्ग वालों के लिए इस महीने अधिकारियों का अच्छा सपोर्ट मिलेगा, आपको पदोन्नति मिल सकती है,बहुत दिन से जो आपके काम रुक पड़े हैं, इस महीने आपके वह कार्य पूर्ण हो सकते हैं,व्यापार-व्यवसाय में लाभ के योग होंगे, नौकरी क वालों के लिए कोई बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा

ज्योतिषचार्य

(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान

प्रताप चौक, सहरसा-852201,

(बिहार)

मो० :- 9470480168

धनु राशि :- आपके विरोधी आपका काम बिगाड़ सकते हैं, अधिकारी वर्ग आपके खिलाफ रहेंगे, इस महीने व्यक्ति के तौर से कोई बड़ा डिसीजन सोच विचार कर लें, नहीं तो आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। प्रॉपर्टी संबंधी विवादों से दूर रहें, नए कार्य की शुरुआत करने से बचें, इस महीने वाहन आदि के चलाने में सावधानी रखें, पारिवारिक संबंधों से नुकसान मिल सकता है।

मकर राशि :-इस महीने आपके लिए स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त होगा, परंतु पार्टनर के स्वास्थ्य की चिंता मन में बनी रहेगी, इस महीने कार्यक्षेत्र में नौकरी वर्ग वालों के लिए अधिकारी वर्गों से संबंध बिगड़ सकते हैं, जिस कारण आपका दायित्व को आपसे छीना जा सकता है,इस महीने कोर्ट कचहरी के मामलों में आपको परेशानियां उत्पन्न होंगी,इस महीने सोच-विचार कर निर्णय लें,किसी को बड़ी धनराशि उधार के रूप में देना इस महीने बड़ा नुकसान दायक रहेगा, वाणी पर संयम रखें, विवादों से दूर रहें।

कुंभ राशि :- धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में किसी नए व्यक्ति का आगमन होगा। इस महीने प्रॉपर्टी, वाहन या भवन खरीदना आपके लिए अच्छा रहेगा,प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों में बड़ा निवेश कर सकते हैं, ससुराल पक्ष से इस महीने आपको आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा, साथ ही यह महीना आपके लिए आपके किसी पुरानी इच्छा को पूरा करने वाला होगा।

मीन राशि :- इस महीने आप किसी बड़े आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं, साथ ही यह महीना आपके लिए मांगलिक रहेगा,परिवार में चल रहे विवादों को इस महीने खत्म करने में आप सफल होंगे,यह महीना आपके लिए आर्थिक तौर से अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से इस महीना आपको राहत मिलेगी, परिवार के साथ यह महीना आप अच्छा बिताने वाले हैं,इस महीने आपका कोई पुराना विवाद खत्म होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा,आप इस महीने खुद को नई ऊर्जा से तरोताजा महसूस करेंगे।

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

☆ पॉक्सो कानून क्या है? यह कब और क्यों लागू हुआ?

पॉक्सों का पूरा नाम 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस' है. जिसका हिंदी में अर्थ लैंगिक अपराधो से बालको का संरक्षण है। वर्तमान युग में मासूम एवं नाबालिग बच्चों के साथ रेप की घटनाये बढती जा रही है, लोग जगह जगह प्रदर्शन कर रहे है, बच्चों के साथ आए दिन यौन अपराधों की खबरें समाज को शर्मसार करती हैं, इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या देखकर सरकार ने वर्ष 2012 में यह विशेष कानून बनाया था, जो बच्चों को छेड़खानी, बलात्कार और कुकर्म जैसे मामलों से सुरक्षा प्रदान करता है। इस कानून से पहले भारत में यौन अपराधों के लिए कोई अलग से कानून नहीं था, इस कानून को खास बात यह है कि भारतीय दण्ड संहिता अधिनियम 1860 के अंतर्गत केवल पुरुष ही बलात्कार का दोषी माना जाता था, लेकिन पॉक्सो एक्ट में लड़घ्का और लड़की का अपराध समान माना गया है. और दोनों के लिए सुरक्षा प्रदान की गयी है, अत: बालक के उचित विकास के लिए यह आवश्यक हैं कि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा नाबालिक बच्चो की गोपनीयता के अधिकार का सम्मान किया जाये एवं सुरक्षा प्रदान की जाए. जिससे बालक के शारीरिक स्वास्थय, भावात्मक और बौद्धिक क्षमता का विकास किया जा सके।

☆ पॉक्सो कानून में अपराधो की सुनवाई किस प्रकार की जाती है?

पॉक्सो कनून के तहत सभी अपराधों की सुनवाई, एक विशेष न्यायालय द्वारा बंद कमरे में कैमरे के सामने बच्चे के माता पिता या जिन लोगों पर बच्चा भरोसा करता है, उनकी उपस्थिति में होती है, और इस दौरान बच्चे की पहचान गुप्त रखी जाती है। यदि पीड़ित बच्चा विकलांग है या मानसिक रूप से या शारीरिक रूप से बीमार है, तो विशेष अदालत को उसकी गवाही को रिकॉर्ड करने या किसी अन्य उद्देश्य के लिए अनुवादक या विशेष शिक्षक की सहायता लेनी होती है।

☆ पॉक्सो कानून में कौन से अपराध शामिल है और इन अपराधो के लिए कितनी सजा का प्रावधान है?

18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चों के साथ किया गया किसी भी तरह का यौन व्यवहार इस कानून के अन्तर्गत आता है, जिसके तहत नाबालिग बच्चों के साथ सेक्सुअल असाल्ट सेक्सुअल हेरास्मेंट, और पोर्न ग्राफी जैसे अपराध शामिल है, इन अपराधों से सुरक्षा के लिए इस कानून के तहत अलग- अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा और जुर्माना तय किया गया है। पोक्सो कानून की मुख्य धाराए इस कानून के अंतर्गत किये गये अपराध सजा एवं जुर्माने का प्रावधान धारा 3 व 4 में किया गया है। धारा 3 के के तहत प्रवेशन लैंगिक हमला को परिभाषित किया गया है, जिसके तहत अगर कोई व्यक्ति किसी बच्चे के शरीर के किसी भी पार्ट में प्राइवेट पार्ट डालता है, या बच्चे के प्राइवेट पार्ट में कोई चीज डालता है या बच्चे को ऐसा करने के लिए कहता है तथा बच्चे के साथ दुष्कर्म किया गया है तो यह धारा-3 के तहत अपराध होगा। धारा 4 के अनुसार 7 साल से लेकर उनकेंद की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान है। धारा 6 धारा 6 के तहत उन मामलों को शामिल किया जाता है जिनमें बच्चों को दुष्कर्म या कुकर्म के बाद गम्भीर चोट पहुंचाई गई हो या जिनमें बच्चों के साथ लैंगिक हमला किया गया हो, धारा 6 के अनुसार 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा और साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है। धारा 7 व 8: धारा 7 के तहत उन मामलों को शामिल किया जाता है. जिसमें बच्चों के गुप्तांग के साथ छेड़घ्छाड़ की गई हो। धारा 8 के अनुसार इसमें दोष सिद्ध होने पर 3 से 5 साल तक की सजा और जुर्माना भी हो सकता है। धारा-11 व 12: धारा 11 के तहत उन सेक्सुअल हैरासमेंट को परिभाषित किया गया है, जिसके तहत अगर कोई व्यक्ति बच्चों को गलत नियत छूता है या सेक्सुअल हरकतें करता है, अश्लोल प्रयोजनों के लिए एक बच्चे को लुभाता है या उसे पोनोंग्राफी दिखाता है। धारा 12 के अनुसार दोष सिद्ध होने पर 3 साल तक की सजा और जुर्माना भी हो सकता है।

☆ पॉक्सो में नये संसोधन के बाद क्या बदलाव हुए?

अप्रैल 2018 में पॉक्सो एक्ट में संशोधन के लिए कैबिनेट की मंजूरी के बाद इन मामलों में सजा के प्रावधान और भी सख्त कर दिए गये है. जिसमें 12 साल से छोटी बच्ची के साथ रेप पर फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। 2018 में किये गये संसोधन में 16 साल से कम उम्र की बच्चियों से रेप के मामले में सजा 10 साल से बढाकर 20 साल कर दी गयी है। नए संसोधन के अनुसार पोक्सों के मामले में अब किसी दोषी व्यक्ति को अग्रिम जमानत (।दजपबपचं- जवतल इंपस) भी नहीं मिलेगी, दोषी व्यक्ति को सरेंडर करके जेल जाना होगा, तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376, 376, 376, 376 के अनुसार रेप मामले में बेल पर सुनवाई से पहले कोर्ट को पब्लिक प्रोसिक्यूटर और पीड़िता पक्ष को 15 दिन का नोटिस देना होगा।

☆ पॉक्सो के नए कानून में जांच व सुनवाई की समय सीमा कितनी होगी?

पॉक्सो के नए कानून में जांच व सुनवाई की समय सीमा तय दी गयी है जिसके तहत रेप के हर मामले की जांच किसी भी हाल कर में 2 महीने के अंदर पूरी की जाएगी, रेप मामलों की सुनवाई भी 2 महीने के अंदर पूरी कर ली जाएगी, तथा रेप मामलों में अपील और अन्य मुनवाई के लिए अधिकतम छह महीने का वक्त दिया जाएगा।

☆ पॉक्सो कानून में हुए संसोधन के बाद यौन अपराधो पर कितनी रोक लगी है?

पॉक्सो के अंतर्गत बच्चों के खिलाफ यौन अपराध के बहुत से मामले 2012 से 2016 के बीच दर्ज किये गए हैं. इसमें कुछ मामले अभी भी कोर्ट में लंबित पड़े हुए है जबकि अपराधी को सजा मिलने की दर बहुत कम है, जो कि अपराधों को रोकने के लिए सक्षम नहीं है. हालाँकि सरकार के 2018 के संसोधन से किये गये बदलाव व फांसी की सजा के प्रावधान से इन अपराधों पर कुछ हद तक अंकुश लगा है. लेकिन सरकार को इस एक्ट में और जरूरी सुधार करने होंगे ताकि पीड़ित को जल्दी से जल्दी न्याय मिल सके, लंबित मुकदमे और सजा की दर बताती है कि सिर्फ कानून बनाने से रेप के मामले नहीं रुकेंगे इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही भी तय करनी होगी, ज्यादातर मामलों में देखने में आया है कि बच्चों का शोषण जान-पहचान के लोग ज्यादा करते हैं, और घर के लोग उन पर शक भी नहीं करते हैं, और बच्चे डर के कारण ये बाते किसी से बता नहीं पाते और वे शोषण का शिकार हो जाते है. इसलिए माता पिता का यह दायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों को जागरूक करे और इन सब अपराधों की जानकारी दे और जिन लोगों के साथ बच्चे खेल रहे हैं, उन पर पूरी नजर रखें।

CCL
Fuelling Sustainable Growth

15 अगस्त, 2024

78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड

(भारत सरकार का एक उपक्रम /कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

दरभंगा हाउस, राँची – 834001 (झारखण्ड)

78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

अमर कुमार बाउरी

नेता प्रतिपक्ष,

भाजपा विधायक

स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षा बंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

कन्हैया लाल महतो
अध्यक्ष, क्रिकेट कल्ब,
ठाकुरगंज

मकबूल आलम
प्रो०-सनराइज होंडा,
ठाकुरगंज

देवव्रत कुमार गणेश
विधायक प्रत्याशी,
ठाकुरगंज विधानसभा क्षेत्र-53

बिजली सिंह
भाजपा जिला महामंत्री,
किशनगंज सह
वरिष्ठ समाजसेवी।

श्रीकृष्ण सिंह उर्फ
सिकंदर पटेल, मुख्य पार्षद,
नगर परिषद्, ठाकुरगंज

कौशल किशोर यादव
(अधिवक्ता) समाजसेवी,
ठाकुरगंज, किशनगंज

अतुल कुमार सिंह
भाजपा नगर अध्यक्ष,
ठाकुरगंज, किशनगंज

सोहेल रहमानी
सुमैया कम्प्यूटर,
ठाकुरगंज

केवल सच पत्रिका परिवार की ओर से समस्त पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं पत्रकारों सहित देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षा बंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008